www.ambikavani.com

आज का विचार

शानदार रिश्ते चाहिए तो उन्हें गहराई से निभाईये...। लाजवाब मोती कभी किनारों पर नहीं मिलते...।।

अम्बिकावाणी

संस्थापक : स्व. श्रीकिशन असावा एवं स्व. श्री गोपाल असावा ■ वर्ष-42 अंक-221 ■ पृष्ठ-8+4 ■ मूल्य 2.50 ■ प्रधान संपादक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, ● प्रबंध संपादक-नरेन्द्र सिंह टुटेजा

अम्बिकापुर, गुरूवार 5 जून, 2025

चालीस लाख रु ठगी का आरोपी मजे से कर रहा था ड्यूटी, अब जेल दाखिल

आईपीएल ट्रॉफी जीतने के बाद विराट कोहली ने शेयर किया पहला पोस्ट

स्थानांतरण नीति का अनुमोदन, 14 से 25 जून तक होंगे राज्य कर्मचारियों के तबादले, 6 से 13 जून तक आवेदन

00 सभी जिला स्तरीय कर्मचारियों का संलग्नीकरण 5 जून 2025 से समाप्त माना जाएगा 00 दामाखेड़ा का नाम अब कबीर धर्मनगर दामाखेड़ा किये जाने का अनुमोदन 00 नवा रायपुर में बनेगा कला ग्राम, संस्कृति विभाग को 10 एकड़ जमीन निःशुल्क आबंटित 00 निम्न एवं मध्यम वर्गीय परिवारों को सस्ते भूखण्ड उपलब्ध कराने छग किफायती जन आवास नियम

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित कैबिनेट की बैठक में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए जिनमें मंत्रिपरिषद द्वारा छत्तीसगढ़ शासन की वर्ष 2025 के लिए स्थानांतरण नीति का अनुमोदन किया गया। जिसके तहत जिला स्तर पर स्थानांतरण 14 जून से 25 जून तक प्रभारी मंत्री द्वारा और राज्य स्तर पर विभागीय मंत्री की मंजूरी से होंगे, आवेदन 6 जून से 13 जून तक स्वीकार किए जाएंगे। न्यूनतम दो वर्ष सेवा अनिवार्य है, गंभीर बीमारी, मानसिक/शारीरिक अक्षमता और सेवा निवृत्ति से पूर्व एक वर्ष के मामलों में विशेष सुविधा मिलेगी। अनुसूचित क्षेत्रों से स्थानांतरण हेतु एवजीदार अनिवार्य है, साथ ही सुकमा, बीजापुर, नारायणपुर जैसे जिलों में रिक्त पदों को भरने का विशेष प्रयास रहेगा। तृतीय श्रेणी के कर्मचारियों के मामलों में उनके संवर्ग की कुल संख्या का अधिकतम 10 प्रतिशत एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों में अधिकतम 15 प्रतिशत स्थानांतरण किए जा सकेंगे। परीविक्षाधीन अधिकारी-कर्मचारियों का स्थानांतरण नहीं किया जाएगा।

पति-पत्नी की एक स्थान पर पदस्थापना, ग्रामीण-शहरी संतुलन और पारदर्शिता के लिए राज्य स्तर के सभी स्थानांतरण आदेश ई-ऑफिस के माध्यम से जारी होंगे। जिला स्तर पर निर्धारित समयावधि में स्थानांतरण जारी कर उसी तिथि को आदेश की प्रति सामान्य प्रशासन विभाग को मेल करना होगा। सभी जिला स्तरीय कर्मचारियों का संलग्नीकरण 5 जून 2025 से समाप्त माना जाएगा और जहां किसी कर्मचारी की आवश्यकता होगी स्थानांतरण नीति के अनुरूप स्थानांतरण किया जा सकेगा। स्थानांतरण के विरूद्ध 15 दिन में राज्य स्तरीय समिति को अभ्यावेदन किया जा सकेगा। 25 जून के बाद स्थानांतरण पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा, अत्यंत आवश्यक होने पर समन्वय में अनुमोदन उपरांत स्थानांतरण किया जा सकेगा।

2 मंत्रिपरिषद की बैठक में मुख्यमंत्री जी के घोषणानुसार ग्राम पंचायत दामाखेड़ा का नाम कबीर धर्मनगर दामाखेड़ा किये जाने का अनुमोदन किया गया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने 23 फरवरी 2024 को बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के सिमगा तहसील अंतर्गत दामाखेड़ा में आयोजित संत समागम समारोह मांघीमेला में सम्मिलित होकर दामाखेड़ा का नाम कबीर धर्मनगर दामाखेड़ा नाम किए जाने की घोषणा की थी।

3 मंत्रिपरिषद द्वारा कबीरधाम जिले के कवर्धा तहसील के ग्राम पंचायत गदहाभाठा का नाम परिवर्तन कर ग्राम पंचायत सोनपुर तथा बोड़ला तहसील के ग्राम पंचायत चण्डालपुर का नाम परिवर्तन कर ग्राम पंचायत चन्दनपुर किए जाने का निर्णय लिया गया।

4 मंत्रिपरिषद द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य की कला, संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए राज्य में कलाग्राम की स्थापना हेतु नवा रायपुर अटल नगर में संस्कृति विभाग को 10 एकड़ भूमि निःशुल्क आबंटित करने तथा उक्त भूमि के विरूद्ध प्रतिपूर्ति राशि नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण को भुगतान करने का निर्णय लिया गया। यह कलाग्राम शिल्पकारों, लोक कलाकारों और परंपरागत कारीगरों के लिए एक समर्पित केंद्र होगा, जो सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देगा साथ ही छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक समृद्धि को सुदृढ़ करेगा और स्थानीय कारीगरों एवं शिल्पकारों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर अपनी कला को प्रदर्शित करने का एक स्थायी मंच भी प्रदान करेगा।

5 मंत्रिपरिषद की बैठक में नवा रायपुर अटल नगर में राष्ट्रीय स्तर की तीरंदाजी अकादमी की स्थापना के लिए खेल एवं युवा कल्याण विभाग को 13.47 एकड़ भूमि निःशुल्क आबंटित करने के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई। इस अकादमी में आउटडोर व इनडोर (एसी) तीरंदाजी रेंज, उच्च प्रदर्शन केंद्र, छात्रावास एवं आवासीय सुविधा का निर्माण किया जाएगा। इससे छत्तीसगढ़ राष्ट्रीय खेल मानचित्र पर और अधिक मजबूती से उभरेगा।

6 मंत्रिपरिषद द्वारा राज्य के निम्न एवं मध्यम वर्गीय परिवारों को शहरों में किफायती एवं सस्ते भूखण्ड उपलब्ध कराने के लिए छत्तीसगढ़ किफायती जन आवास नियम, 2025 का अनुमोदन किया गया। इससे लोगों को शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में उचित दर पर भूखंड उपलब्ध कराकर पानी, बिजली, सड़क, सीवरेज जैसी बुनियादी सुविधाओं की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित होगी। अवैध प्लाटिंग की रोकथाम के साथ ही लोगों को सुव्यवस्थित कॉलोनियों का विकल्प मिलेगा और राज्य में रियल एस्टेट व इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में निवेश के नए अवसर उपलब्ध होंगे।

7 मंत्रिपरिषद द्वारा प्रदेश में युवा कल्याण के विभिन्न क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वालों व्यक्ति एवं संगठनों को सम्मानित करने के लिए युवा रत्न सम्मान योजना शुरू करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। इस योजना के तहत युवा कल्याण के क्षेत्र में असाधारण और विशिष्ट सेवा कार्य करने वाले व्यक्ति अथवा स्वैच्छिक संगठनों को छत्तीसगढ़ युवा रत्न सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। छत्तीसगढ़ युवा रत्न सम्मान हर वर्ष राज्य के एक युवा और एक स्वैच्छिक संस्था को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए दिया जाएगा। इसमें युवा को पदक, प्रमाण पत्र, शॉल और अधिकतम 2.50 लाख रूपए, जबकि संस्था को अधिकतम 5 लाख रूपए की पुरस्कार राशि दी जाएगी।

इसके साथ ही सामाजिक, साहित्य, नवाचार, शिक्षा, खेल, पर्यावरण, महिला एवं बाल विकास, मीडिया, स्वास्थ्य, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, दिव्यांगजन सशक्तिकरण, कला-संगीत तथा लोककला के क्षेत्र में युवा रत्न सम्मान प्रदान किया जाएगा। युवा रत्न सम्मान प्रत्येक वर्ष उपरोक्त क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य के लिए चयनित एक-एक युवाओं को प्रदान किया जाएगा। जिसमें पदक, पदक प्रमाण पत्र, शॉल और अधिकतम एक लाख रूपए शामिल हैं। महिला एवं बाल विकास के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए यह सम्मान केवल महिलाओं और बालिकाओं को दिया जाएगा। आवेदक को छत्तीसगढ़ का मूल निवासी होना चाहिए और उसकी उम्र 15 से 29 वर्ष के बीच होनी चाहिए। सरकारी कर्मचारी, सरकारी उपक्रमों और शैक्षणिक संस्थानों में कार्यरत व्यक्ति पात्र नहीं होंगे। एक व्यक्ति या संस्था को एक ही साल में एक ही श्रेणी का पुरस्कार मिल सकता है और एक श्रेणी का पुरस्कार किसी को दोबारा नहीं दिया जाएगा।

8 मंत्रिपरिषद द्वारा राज्य में खेलों को बढ़ावा देने के लिए खेल एवं युवा कल्याण विभाग अंतर्गत प्रशिक्षक (कोच) के पद पर भर्ती हेतु राष्ट्रीय क्रीडा संस्था पटियाला से प्रशिक्षक के डिप्लोमा के मापदण्ड को एक वित्तीय वर्ष के लिए शिथिलीकरण करने का निर्णय लिया गया।

9 मंत्रिपरिषद द्वारा राज्य में ग्रामीण एवं आदिवासी बहुल क्षेत्रों में पर्यटन को बढ़ावा देने तथा स्थानीय लोगों को रोजगार के नए अवसर प्रदान करने के लिए छत्तीसगढ़ होमस्टे नीति 2025-30 का अनुमोदन किया गया। होमस्टे नीति का उद्देश्य यह है कि छत्तीसगढ़ के गांवों और विशेषकर बस्तर और सरगुजा के दूर-दराज के इलाकों में पर्यटन को बढ़ावा दिया जाए। इससे वहां के युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिले। होमस्टे के जरिए पर्यटकों को गांव की संस्कृति, कला, शिल्प और प्रकृति से जुड़ा खास अनुभव मिलेगा, साथ ही, इससे गांवों में रहने वाले लोगों को सीधा लाभ होगा और उनकी आमदनी बढ़ेगी। यह एक तरह से ओकल फॉर लोकल के लक्ष्य को प्राप्त करने और देश में ग्रामीण पर्यटन के विकास में महत्वपूर्ण साबित होगा।

पहला कॉलम

मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन की बढ़ीं मुश्किलें, एसीबी ने किया तलब; पूछताछ के लिए जारी किया समन

नई दिल्ली ,04 जून(ए)। दिल्ली सरकार में पूर्व मंत्री रहे आम आदमी पार्टी (ﾖक्क) के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन की कानूनी मुश्किलें एक बार फिर बढ़ गई हैं। एंटी-करप्शन ब्रांच (ﾖष्टक्क) ने राजधानी के सरकारी स्कूलों में कक्षा निर्माण से जुड़े लगभग 2000 करोड़ के कथित घोटाले के सिलसिले में दोनों नेताओं को समन जारी किया है।

सूत्रों के अनुसार, सत्येंद्र जैन को 6 जून और मनीष सिसोदिया को 9 जून, 2025 को पूछताछ के लिए दिल्ली स्थित अपने कार्यालय में उपस्थित होने का निर्देश दिया है। यह कार्रवाई 30 अप्रैल को दर्ज की गई एक स्नद्धक्र के आधार पर की गई है, जिसमें सरकारी स्कूलों में 12,748 कक्षा कक्षों के निर्माण में भारी अनियमितताओं और लागत में अनुचित बढ़ोतरी के आरोप लगाए गए हैं।

आरोप है कि निर्माण कार्य के दौरान पीडब्ल्यूडी (लोक निर्माण विभाग) के अंतर्गत लागत का फर्जी तरीके से बढ़ाया गया, जिससे सरकारी खजाने को बड़ा नुकसान पहुंचा। इस मामले की जांच अब तेजी से आगे बढ़ रही है।

ﾖक्क सरकार के शिक्षा क्षेत्र में किए गए कार्यों को अब तक उसकी सबसे बड़ी उपलब्धि माना जाता रहा है। लेकिन इस मामले ने उन दावों पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। वहीं, आम आदमी पार्टी ने इस कार्रवाई को राजनीति से प्रेरित बताते हुए आरोपों को खारिज किया है।

कुछ अलग

दिल्ली के रोहिणी में पुलिस मुठभेड़ में बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली ,04 जून(ए)। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने बीती देर रात एक मुठभेड़ के बाद बदमाश को गिरफ्तार किया। यह मुठभेड़ रोहिणी के बेगमपुर थाना क्षेत्र में हुई है। बदमाश की पहचान दीपक के रूप में हुई है, जिसे कुख्यात हिमांशु भाऊ गैंग का सदस्य बताया जा रहा है। यह कई मामलों में वांछित था। इस मुठभेड़ के दौरान बदमाश दीपक के पैर में गोली लग गई, जिससे वह घायल हो गया। पुलिस ने इलाज के लिए नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया है।

पुलिस के मुताबिक, बीते दिनों हरियाणा के रोहतक में बदमाशों ने फायरिंग में एक व्यक्ति की हत्या कर दी थी। इस हत्याकांड में शामिल आरोपियों की तलाश में स्पेशल सेल की टीम लगातार जुटी थी। इसी दौरान सूचना मिली कि एक संदिग्ध रोहिणी में देखा गया है। इसके बाद इंस्पेक्टर संदीप डबास के नेतृत्व में स्पेशल सेल की टीम की ओर से रोहिणी इलाके में जाल बिछाया गया।

दीपक जैसे ही रोहिणी इलाके में पहुंचा, पुलिस को देखकर भागने की कोशिश करने लगा। पुलिस ने उसे रुकने का इशारा किया। वह रुकने के बजाय भागने लगा और पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई।

खरी-खरी

पंजाब पुलिस की बड़ी कार्रवाई : ज्योति मल्होत्रा के बाद एक और यूट्यूबर गिरफ्तार, पाकिस्तान के लिए करता था जासूसी

रूपनगर ,04 जून(ए)। पंजाब पुलिस ने बीते 24 घंटे में बड़ी कार्रवाई करते हुए एक और पाकिस्तानी जासूस को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी यूट्यूबर है, जिसकी पहचान गांव महालन, रूपनगर निवासी जसबीर सिंह के रूप में हुई है।

पंजाब के डीजीपी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्सइ पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल ने यह गिरफ्तारी की है। जसबीर सिंह जान महल नाम से यूट्यूब चैनल चलाता था और उसका संबंध पाकिस्तानी इंटेलिजेंस ऑपरेटिव (क्कढ्ढह्र) शाकिर उर्फ जट्ट रंधावा से पाया गया है। शाकिर एक आतंक-समर्थित जासूसी नेटवर्क का हिस्सा है। जांच में यह भी सामने आया है कि जसबीर सिंह ने हरियाणा की एक अन्य यूट्यूबर और जासूसी के आरोप में गिरफ्तार ज्योति मल्होत्रा, निष्कासित पाकिस्तानी उच्चायोग अधिकारी एहसान-उर-रहीम उर्फ दानिश से भी घनिष्ठ संपर्क बनाए रखे थे।

पुलिस का कहना है कि नेटवर्क के अन्य सदस्यों की तलाश और जांच जारी है।

पाकिस्तानी सीमा के पास दिखेगी भारतीय वायु सेना की ताकत, अभ्यास के लिए नोटम किया गया जारी

नई दिल्ली ,04 जून(ए)। भारतीय वायुसेना ने एक बार फिर पाकिस्तान को स्पष्ट संदेश देते हुए उसकी सीमा से सटे दक्षिणी क्षेत्र में एक अहम युद्धाभ्यास के लिए कमर कस ली है। आज यानी 4 जून को भारतीय वायुसेना ने गुजरात के राजकोट के पास के एयरस्पेस में ह्लह्रञ्जरू (ह्लशह्लद्बष्द्ग ह्लश ्रद्बह्म्द्वद्गठ्ठ) जारी कर विशेष अभ्यास की घोषणा की है। यह रणनीतिक क्षेत्र पाकिस्तान सीमा से महज 100 किलोमीटर दूर है और अरब सागर से लगा हुआ है, जो इसे सामरिक दृष्टिकोण से बेहद महत्वपूर्ण बनाता है। इस दौरान दोपहर 3:30 बजे से रात 9:00 बजे तक एयरस्पेस को आम हवाई यातायात के लिए बंद रखा जाएगा। इस अभ्यास में भारतीय वायुसेना के फ्रंटलाइन फाइटर जेट्स झ्र राफेल, सुखोई-30 एमकेआई और जगुआर शामिल होंगे। यह युद्धाभ्यास वायुसेना की युद्धक क्षमता, प्रतिक्रिया समय और परिचालन तैयारी की गंभीर समीक्षा का हिस्सा है। यह अभ्यास 'ऑपरेशन सिंदूरइ के ठीक बाद हो रहा है, जब भारत ने वैश्विक मंचों पर पाकिस्तान के आतंक समर्थक रवैये को बेनकाब करने के लिए व्यापक रणनीतिक पहल शुरू की है। एक महत्वपूर्ण सूचना प्रणाली है जिसे वायुसेना या नागरिक उड्डयन प्राधिकरण किसी भी अस्थायी परिवर्तन, खतरे या विशेष गतिविधियों के लिए जारी करता है। इसका मकसद पायलटों, एयर ट्रैफिक कंट्रोल और अन्य विमानन कर्मियों को समय पर जानकारी देना होता है ताकि उड़ान सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

जीत के जश्न में पड़ी खलल, चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भगदड़ में सात लोगों की मौत

बैंगलोर। आईपीएल २०२५ में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की ऐतिहासिक जीत का जश्न बुधवार को एक भयावह हादसे में बदल गया। बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में होने वाली विक्ट्री परेड से पहले भगदड़ मच गई। इस दुखद घटना में सात लोगों की मौत व दर्जनों लोगों के घायल होने जानकारी मिल रही है।

आरसीबी की जीत का जश्न मनाने के लिए हजारों फैंस चिन्नास्वामी स्टेडियम में जश्न मनाने के लिए पहुंचे थे। इस दौरान भीड़ में भगदड़ मच गई, जिससे हादसा हो गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

उममुख्यमंत्री ने दी प्रतिक्रिया

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने भगदड़ में मरे लोगों पर कहा कि मुझे अभी इस बात की जानकारी नहीं है कि मरने वालों की संख्या कितनी है। मैं वहां जा रहा हूं। स्टेडियम में बड़ी संख्या में फैंस आए थे। वह अपनी टीम के जीतने का जश्न मनाना चाह रहे थे। हमने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे। यहां ५००० से अधिक सुरक्षाकर्मी तैनात थे।

बीजेपी ने उठाए गंभीर सवाल

बेंगलुरु में आरसीबी की आईपीएल जीत का जश्न बुधवार को भयावह हादसे में तब्दील हो गया। कर्नाटक सरकार ने विक्ट्री परेड कार्यक्रम का आयोजन किया था, जिसमें भारी भीड़ के चलते भगदड़ मच गई। ७ लोगों की मौत हो गई और १६ अन्य गंभीर घायल हैं, जिनमें कई की हालत गंभीर बताई जा रही है।

हजारों की संख्या में उत्साही लोग चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर जमा हुए थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार भीड़ को नियंत्रित करने में पुलिस और प्रशासन पूरी तरह विफल रहा। अफरा-तफरी के बीच कई लोग कुचल गए।

राहुल गांधी के चंडीगढ़ दौरे को लेकर दीपेंद्र हुड्डा बोले, 'हरियाणा में संगठन विस्तार संभव

चंडीगढ़ ,04 जून (ए)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी आज एक दिवसीय चंडीगढ़ दौरे पर पहुंच रहे हैं। राहुल गांधी के चंडीगढ़ दौरे पर कांग्रेस नेता दीपेंद्र हुड्डा का बयान आया है। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि राहुल गांधी चंडीगढ़ आ रहे हैं और जल्द ही हरियाणा में संगठन का विस्तार होने की उम्मीद है।

कांग्रेस नेता दीपेंद्र हुड्डा ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी की राष्ट्रीय स्तर पर संगठन सृजन की एक मुहिम चल रही है और उस मुहिम के तहत हरियाणा को तीसरे प्रदेश के तौर पर चयनित किया गया है। इसी के चलते राहुल गांधी आज चंडीगढ़ दौरे पर आ रहे हैं। उनके साथ हमारे संगठन महासचिव और हमारे प्रभारी भी मौजूद होंगे। दीपेंद्र हुड्डा ने कहा, कांग्रेस के हरियाणा के नेताओं के मन में एक बात रहती थी कि संगठन बनना चाहिए और विस्तार होना चाहिए। मुझे लगता है कि आज होने वाली बैठक में उसके लिए सकारात्मक कदम उठाया जाएगा। मुझे उम्मीद है कि आने वाले समय में हरियाणा के अंदर कांग्रेस संगठन का विस्तार होगा।

कांग्रेस नेता दीपेंद्र हुड्डा ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा सीजफायर को लेकर दिए बयान पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, जहां तक डोनाल्ड ट्रंप की बात है, सीजफायर के मुद्दे पर उन्होंने 14 बार बयान दिया है।

विकसित कृषि संकल्प अभियान अंतर्गत विभिन्न ग्रामों में पहुंचा

बलरामपुर(अम्बिकावाणी समाचार)। विकसित कृषि संकल्प अभियान अंतर्गत जिले के किसानों की आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के मार्गदर्शन में विभिन्न विकासखंड अंतर्गत ग्रामों में पहुंच शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें विकसित कृषि संकल्प अभियान अंतर्गत वैज्ञानिकों एवं विशेषज्ञों के दल के साथ कृषि रथ गांव-गांव में पहुंच रही है।इसी कड़ी में आज कृषि रथ विकासखण्ड शंकरगढ़ अंतर्गत घुघरीखुर्द, जमड़ी विकासखण्ड वाड्रफनगर के रघुनाथनगर एवं सरना विकासखण्ड बलरामपुर के झलरिया एवं डौरा में पहुंची।

पहला कालम

आयुष्मान आरोग्य मंदिर में किया जाएगा दाई-बबा दिवस का आयोजन

बलरामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा के निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर के मार्गदर्शन में जिले के सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में दाई-बबा दिवस का आयोजन ०४ जून २०२५ को किया जाएगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बसंत कुमार सिंह ने बताया कि आम जनता एवं बुजुर्गों के बेहतर स्वास्थ्य लाभ का विशेष ध्यान रखने के उद्देश्य से प्रत्येक बुधवार हेल्थ मेला का आयोजन सभी आयुष्मान मंदिर में व्यापक स्तर पर किया जाना है। उक्त आयोजन का उद्देश्य समुदाय स्तर पर बुजुर्गों के सम्मान तथा स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को बेहतर करना है। जिला कार्यक्रम प्रबंधक सुश्री स्मृति एक्का ने बताया कि जिले के आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में हेल्थ मेला का आयोजन किया जाता रहा है, लेकिन इस बार सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिर में दाई-बबा दिवस का आयोजन किया जायेगा। जिसका थीम च्च्हमारे बुजुर्ग हमारे धरोहरज्ज होगा, इस आयोजन की विशेषता यह है की इसमें बुजुर्ग अपने बच्चों/पोते-पोतियों के साथ आयेंगे। इस आयोजन का उद्देश्य समुदाय में बुजुर्गों के सम्मान और सहभागिता को बढावा देना, बुजुर्गों के स्वास्थ्य की समग्र जांच एवं परामर्श प्रदान करना, युवाओं को बुजुर्गों के देखभाल एवं सेवा के प्रति संवेदनशील बनाना और पीढियों के बीच संवाद कर जुड़ाव को सशक्त बनाना है। सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिर को हेल्थ मेला के लिए दिशा-निर्देश जारी किये गए हैं साथ ही सभी स्वास्थ्य केन्द्रों में बी.पी., शुगर जांच के किट की उपलब्धता सुनिश्चित करने कहा गया है, मेला में जिन बुजुर्गों के पास आयुष्मान कार्ड नहीं है, उन्हें कार्ड सत्यापन एवं पंजीयन काउंटर पर ले जाकर डिजिटल हेल्थ आई.डी. से लिंक किया जाएगा, इससे भविष्य में उन्हें आयुष्मान भारत योजना अंतर्गत मुफ्त उपचार सुविधा प्राप्त होगी। हेल्थ मेला के दौरान कई शिक्षाप्रद गतिविधि किये जायेंगे जिसमें हम अपने बड़ो का ध्यान कैसे रखें, बबा-दादी की सीख के सहित अंत में दाई-बबा का सम्मान भी किया जायेगा। सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिर में बैठने, पेयजल एवं आवश्यक व्यवस्थाएं रखने को कहा गया। डॉ. बसंत कुमार सिंह ने जिले के सभी बुजुर्गों से अपील किया है कि अपने निकट के आयुष्मान आरोग्य मंदिर में अपने पोते-पोतियों के साथ अवश्य जाएं और अपना स्वास्थ्य जांच कराकर अपना अनुभव समुदाय से साझा करें ताकि एक स्वास्थ्य समाज का निर्माण हो सके।

आईआईटी एडवांस में डीएवी स्कूल के दो छात्रों ने अर्जित की सफलता

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। डीएवी पब्लिक स्कूल बिश्रामपुर के मेधावी छात्रों चेशांत कुमार पटेल और श्रेयश कुमार ने देश की सबसे कठिन और प्रतिष्ठित परीक्षाओं में से एक आईआईटी एडवांस २०२५ को सफलता पूर्वक क्वालीफाई कर लिया है।

इन दोनों छात्रों की मेहनत, लगन और जुनून ने न केवल उनके माता-पिता और शिक्षकों को गौरवान्वित किया है, बल्कि पूरे इलाके का सिर भी गर्व से ऊंचा कर दिया है। सत्र २०२३-२४ में १२ वीं गणित संकाय से उत्तीर्ण हुए चेशांत कुमार पटेल पिता युधिष्ठिर प्रसाद पटेल और सत्र २०२४-२५ से हाल ही में बोर्ड परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले श्रेयश कुमार पुत्र संजीव कुमार सिंह दोनों ने अपनी सफलता के पीछे अटूट मेहनत, स्पष्ट लक्ष्य और सही मार्गदर्शन को श्रेय दिया।इन दोनों छात्रों ने यह साबित कर दिया है कि यदि दिशा सही हो और प्रयास सतत, तो कोई भी परीक्षा कठिन नहीं होती। अब दोनों के पास भारत के प्रतिष्ठित आईआईटी संस्थानों में दाखिले का सुनहरा अवसर है, जहां से वे भविष्य के वैज्ञानिक, इंजीनियर या तकनीकी लीडर बन सकते हैं।डीएवी पब्लिक स्कूल बिश्रामपुर के प्राचार्य एचके पाठक ने इस मौके पर कहा कि संघर्ष से कभी घबराना नहीं चाहिए। यदि हम लगन और समर्पण से अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते रहें, तो सफलता जरूर मिलती है। चेशांत और श्रेयश इसकी बेहतरीन मिसाल हैं। उन्होंने यह कहा कि विद्यार्थियों को चाहिए कि वे केवल अंक या डिग्री के पीछे न भागें, बल्कि ज्ञान और कौशल में पारंगत होने की दिशा में मेहनत करें।

गरीबों का चावल से भरा ट्रक जप्त, ले जाया जा रहा था राइस मिल

अंबिकापुर,(अम्बिकावाणी समाचार)। शहर के गांधीनगर पुलिस ने राशन दुकान में मिलने वाला चावल से भरा ट्रक जप्त कर लिया है. दअरसल अंबिकपुर शहर में कई ऐसे ट्रेंडिंग कम्पनी की दुकान खोलकर सरकार के द्वारा राशन दुकान के माध्यम से हितग्राहियों को दिये जाने वाले चावल अब ट्रेंडिंग कम्पनी के माध्यम से सीधे राईस मिल तक पहुँच रहे हैं. जहाँ उन्हें कस्टम मिलिग के लिए भी जहमत उठाना नहीं पड़ रहा है. गांधीनगर पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि अंबिकापुर शहर के अरुण ट्रेडिंग कंपनी से राशन दुकान में मिलने वाला चावल ट्रक में लोड होकर राइस मिल जा रहा है. इसी दौरान गांधीनगर पुलिस ने नाकेबंदी कर पीडीएस दुकान में मिलने वाला चावल लोड ट्रक जप्त कर लिया और आगे की जांच के लिए खाद्य विभाग को सौंप दिया गया है. इधर खाद्य अधिकारी ने बताया कि कलेक्टर न्यायालय में इस पूरे प्रकरण की सुनवाई चल रही है, जैसे ही निर्णय आएगा उस पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी. बरहाल यह कोई पहला मामला नहीं है, जो चावल से भरी ट्रक पकड़ी गई है, धान के सीजन में भी ट्रकों ट्रक धान पकड़ी जाती है, इसके बाद संबंधित खाद्य विभाग सेटिंग कर पूरा मामला रफा दफा कर देता है. तभी तो शहर में कई ट्रेडिंग कंपनी खोलकर बिना किसी डर भय के इस गोरख धंधे को अंजाम देने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे।

कलेक्टर ने युक्तियुक्तकरण अंतर्गत काउंसलिंग प्रक्रिया का किया अवलोकन

बलरामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। राज्य शासन के दिशा निर्देश के परिपालन में युक्तियुक्तकरण २०२५ अंर्तगत अतिशेष शिक्षकों के लिए शिक्षा विभाग द्वारा युक्तियुक्तकरण हेतु काउंसलिंग का आयोजन ०४ जून को संयुक्त जिला कार्यालय भवन के सभाकक्ष एवं जिला पंचायत बलरामपुर के सभाकक्ष में किया गया है।

झोलाछाप डॉक्टरों पर सख्त कार्रवाई करने दिए निर्देश

जनहित में प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता से करें निराकरण :कलेक्टर कटारा

बलरामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा की अध्यक्षता में संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में समय सीमा की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में विभागीय योजनाओं की समीक्षा, स्वास्थ्य, राजस्व प्रकरण, अतिक्रमण, जन शिकायत एवं जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों की गहन समीक्षा की गई।

बैठक में जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को दुरुस्त करने और आम जनता को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री कटारा ने अवैध रूप से चिकित्सा व्यवसाय कर रहे झोला छाप डॉक्टरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि झोला छाप डॉक्टरों द्वारा मरीजों का गलत इलाज करने, एस्पायरी दवाईयां देने, बिना जांच के गंभीर बीमारियों की गलत दवा लिखने जैसे मामलों से न केवल मरीजों की जान को खतरा हो रहा है कई बार मामूली बीमारी भी गंभीर रूप ले लेती है। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि जिले में बिना मान्यता प्राप्त डिग्री और रजिस्ट्रेशन के किसी भी व्यक्ति को चिकित्सा व्यवसाय नहीं करने दिया जाए। जो लोग खुद को डॉक्टर बताकर जनता को गुमराह कर रहे हैं, उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए और अवैध क्लीनिक संचालन पर सख्ती बरतते हुए तत्काल सील किए जाएं। उन्होंने प्रत्येक ब्लॉक और पंचायत स्तर पर विशेष जांच अभियान चलाते हुए झोला छाप डॉक्टरों की पहचान कर उनके खिलाफ तत्काल प्रभाव से कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

खरीफ सीजन की तैयारी को लेकर कलेक्टर ने खाद और बीज के भंडारण व वितरण की समीक्षा की। कलेक्टर ने किसानों को समय पर गुणवत्तापूर्ण खाद और बीज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए जिससे वे बिना किसी असुविधा के समय पर बुआई कर सकें। इस दौरान उन्होंने अद्यतन स्टॉक की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी गोदामों में खाद और बीज का पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने कहा कि खरीफ सीजन के दौरान उर्वरकों की मांग बढ़ जाती है, इसके लिए सतत निगरानी रखें ऐसे में कहीं भी अवैध भंडारण, अमानक सामग्री के विक्रय की शिकायत आती है तो तुरंत नियमानुसार कार्रवाई की जाए। कलेक्टर ने खाद और बीज की बिक्री करने वाले अनधिकृत विक्रेताओं पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति या संस्था बिना वैध लाइसेंस के खाद या बीज का विक्रय कर रही है, तो तुरंत उसका स्टॉक जब्त किया जाए और उसके खिलाफ आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

कलेक्टर ने जिले में अवैध अतिक्रमण की समीक्षा करते हुए कहा कि शासकीय भूमि पर अवैध अतिक्रमण का चिन्हांकन करते हुए तत्काल हटाने की कार्यवाही करें। उन्होंने कहा कि अतिक्रमण से आम नागरिकों को असुविधा होती है। अतिक्रमण से कुछ प्रमुख चौराहों पर जाम की स्थिति बनी रहती है। इसके लिए विशेष रूप से उन्होंने शहरी क्षेत्रों और प्रमुख बाजार क्षेत्रों, सड़कों के आसपास किए गए अतिक्रमण को प्राथमिकता से हटाने के निर्देश दिए है। कलेक्टर श्री कटारा ने राजस्व प्रकरणों की समीक्षा करते हुए लोक सेवा गारंटी, लंबित राजस्व प्रकरणों और पीजी पोर्टल, जन शिकायत की गहन समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि सभी लंबित प्रकरणों का निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। लंबित नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन के अद्यतन कार्य की समीक्षा करते हुए प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने निर्देश दिए। कलेक्टर जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों की समीक्षा करते हुए कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए सभी विभागीय अधिकारी समय-सीमा के भीतर गुणवतापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करें। बैठक में अपर कलेक्टर श्री आर.एस. लाल, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सहित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

एक नया अध्याय शुरूः सोनी सब के पुष्पा इम्पॉसिबल में पुष्पा ने लिया कानून की पढ़ाई का संकल्प

मुंबई। सोनी सब का शो पुष्पा इम्पॉसिबल दिल को छू जाने वाली और प्रासंगिक कहानी के जरिए दर्शकों के दिलों में खास जगह बना चुका है। अब शो एक प्रेरणादायक मोड़ पर पहुंच गया है, जहां पुष्पा (करुणा पांडे) अपने जीवन के सबसे बड़े फैसले की ओर कदम बढ़ा रही हैं – कानून की पढ़ाई पूरी करने का सपना। इसी मोड़ पर प्रोफेसर राजवीर (गौरव चोपड़ा) की एंट्री उनके सफर में नया रोमांच और भावनात्मक गहराई लेकर आती है।

आगामी एपिसोड्स में, पुष्पा एक रिटायर्ड चपरासी घनश्याम (मुकुल श्रीवास्तव) की मदद करने की ठान लेती हैं, लेकिन उनकी योजना उल्टी पड़ जाती है। इससे दिलीप (जयेश मोरे) और बापोदरा (जयेश भारभाया) की गिरफ्तारी हो जाती है। हालांकि, अंत में घनश्याम को पेंशन मिल जाती है। पुष्पा को कादंबरी (ब्रिंदा त्रिवेदी) के अप्रत्याशित आरोपों का सामना करना पड़ता है। कादंबरी को जुगल (अंशुल त्रिवेदी) से पुष्पा की बढ़ती नजदीकियों से खतरा महसूस होता है, और वह चुपचाप चिराग (दर्शन गुर्जर) के खिलाफ साजिश रचती है। इस भावनात्मक उथल-पुथल के बीच, प्रोफेसर राजवीर शास्त्री का कड़ा बयान – ₹कानून सिर्फ ताकतवरों के लिए होता है₹ – पुष्पा को झकझोर देता है। कॉलेज डिबेट में उनका टकराव और गहराता है, जहां पुष्पा की व्यावहारिक समझ को नजरअंदाज किया जाता है, लेकिन एक छात्र के समर्थन से शास्त्री के कठोर व्यवहार में दरार नजर आती है। जब पुष्पा मॉक जूरी में शामिल होती हैं, तो उन्हें एहसास होता है कि जिस केस पर चर्चा हो रही है, वह शास्त्री की छिपी हुई निजी पीड़ा से जुड़ा है। घनश्याम के संघर्ष और शास्त्री की भावनात्मक सच्चाई से प्रभावित होकर पुष्पा एक साहसी फैसला लेती हैं – वह कानून की पढ़ाई करेगी। यह उनके जीवन में एक परिवर्तनकारी अध्याय की शुरूआत है।

शो में पुष्पा का किरदार निभा रही करुणा पांडे कहती हैं कि पुष्पा की यात्रा का यह अब तक का सबसे शक्तिशाली और भावनात्मक पल है। कानून की पढ़ाई का उनका निर्णय केवल एक व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि हर उस महिला के लिए एक संदेश है जो सोचती है कि अब शुरूआत करने में देर हो चुकी है। पुष्पा ने हमेशा दिल, सहज बुद्धि और अपने हौसले से जीवन जिया है, लेकिन अब वह ज्ञान और कानून की समझ से खुद को सशक्त बना रही हैं। एक अभिनेत्री के तौर पर इस बदलाव को निभाना बेहद संतोषजनक अनुभव रहा। मैं दिल से मानती हूं कि चाहे आप २५ के हों या ५० के, नई शुरूआत के लिए कभी देर नहीं होती। पुष्पा की कहानी इसका प्रमाण है।

सामाजिक सरोकार की दिशा में प्रशासनिक पहल

बलरामपुर । जिले में सामाजिक सरोकार की दिशा में कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के मार्गदर्शन में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के द्वारा कार्यालय परिसर में जनहित कार्य के अंतर्गत वृद्धा आश्रम के बुजुर्ग माता-पिता एवं बाल गृह बलरामपुर के बच्चों के लिए विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा भी शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने उपस्थित बुजुर्गों एवं बच्चों से बड़ी आत्मीयता से मुलाकात कर उनका हाल-चाल जाना। कलेक्टर को अपने बीच पाकर बुजुर्गों एवं बच्चों में खुशी की झलक दिखाई दी।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में कलेक्टर श्री कटारा ने उपस्थित बुजुर्गों एवं बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम आपलोगों के लिए आयोजित किया गया है। इस दौरान उन्होंने बच्चों से कहा कि अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए मन और लगन से पढ़ाई करें और अच्छे से पढ़-लिखकर अपना बेहतर भविष्य बनाए। आप बच्चे जिस तरिके से पढ़ाई में मन लगाएंगे वही आपके आने वाले जीवन की दिशा तय करेगा।

इस दौरान उन्होंने बुजुर्गों से वृद्धा आश्रम में दी जा रही सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने बुजुर्गों से सीधा संवाद कर स्वास्थ्य जांच, दवाइयां, भोजन की गुणवत्ता सहित आश्रम की व्यवस्था के बारे में जाना। साथ ही कलेक्टर ने बुजुर्गों एवं बच्चों से वृद्धाश्रम व बाल गृह में आवश्यकताओं के बारे में भी जानकारी ली तथा संबंधितों को पूरा करने के निर्देश दिए। कार्यक्रम में कलेक्टर के द्वारा बच्चों एवं बुजुर्गों को विभिन्न सामग्रियों का वितरण किया गया। इस दौरान कार्यपालन अभियंता श्री पंकज पारस जैन, कार्यालयीन कर्मचारी, वृद्धाश्रम एवं बाल गृह के अधिकारी-कर्मचारी एवं अन्य नागरिक उपस्थित रहे।

जिले में पर्याप्त मात्रा में खाद-बीज का भण्डारण

बलरामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। जिले के कृषकों के लिए खरीफ वर्ष २०२५-२६ में समितियों के माध्यम से कृषकों को अब तक ७४७३.२ मीट्रिक टन खाद एवं १७७.६० क्विंटल बीज का वितरण किया जा चुका है।

कृषि विभाग उपसंचालक श्री रामचन्द्र भगत ने जानकारी दी है कि जिले में खरीफ मौसम के लिए विभिन्न फसलों का १६२७.५० क्विंटल बीज सहकारी समितियों में भण्डारण किया गया है। वर्तमान में कृषकों द्वारा १७७.६० क्विंटल बीज उठाव किया जा चुका है, जिसमें से १७७.६० क्विंटल धान बीज वितरण किया गया है। इसी प्रकार यूरिया, डी.ए.पी., एन.पी.के., एस.एस.पी. एवं एम.ओ.पी. के २३२७७.३७ मीट्रिक टन उर्वरक का भण्डारण जिले के सहकारी समितियों एवं निजी संस्थाओं में किया गया है, जिसमें से ७४७३.२ मीट्रिक टन उर्वरक का वितरण किसानों को किया जा चुका है।

इसमें विभिन्न समितियों द्वारा यूरिया ३७२८.५८ मीट्रिक टन, डी.ए.पी. ८६७.०९ मीट्रिक टन, एन.पी.के. ११७०.१० मीट्रिक टन, एस.एस.पी. १५७३.१०.३६ मीट्रिक टन, एम.ओ.पी. ११५.२१ मीट्रिक टन रासायनिक खाद कृषकों को वितरित किया गया है। इसी प्रकार समिति एवं निजी संस्थानों में ८३०६.७९ मीट्रिक टन यूरिया का भण्डारण किया गया है।

शिक्षा की गुणवत्ता सुधार हेतु राज्य शासन द्वारा युक्तियुक्तकरण की प्रभावी पहल

बलरामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं शिक्षा का अधिकार अधिनियम २००९ के तहत राज्य शासन के निदेर्शानुसार स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा विद्यालयों और शिक्षकों का युक्तियुक्तरण किया जा रहा है। विद्यालयों एवं शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण किये जाने से शिक्षा की गुणवत्ता में वृद्धि एवं शाला के संचालन में हो रहे परेशानियों से निजात मिलेगी। युक्तियुक्तकरण के द्वारा प्रदेश के विभिन्न स्तर के विद्यालयों में अतिरिक्त अतिशेष शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण हो जाने से छात्रों को अध्ययन लाभ भी मिलेगा।

जिला शिक्षा अधिकारी श्री डी. एन. मिश्रा ने बताया कि राज्य शासन की मंशा अनुसार विद्यालयों एवं शिक्षकों के युक्तियुक्तरण के माध्यम से दूरस्थ अंचल क्षेत्रों में शिक्षकों की कमी को दूर करने के साथ ही शिक्षा गुणवत्ता में सुधार करने एवं शाला संचालन में हो रहे परेशानियों से भी निजात मिलेगी। साथ ही छात्र-शिक्षक अनुपात में भी सुधार होगी तथा एकल शिक्षकीय एवं शिक्षक विहीन स्कूलों में पर्याप्त शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। पर्याप्त शिक्षक मिलने पर सभी विषयों की पढ़ाई भी सही ढंग से हो पायेगी। शैक्षणिक संसाधनों (लैब, पुस्तकालय, खेल सामग्री इत्यादि) का बेहतर उपयोग होगा। प्रभावी प्रशासकीय एवं निगरानी में सुगमता होगी। बच्चों को अच्छी शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराया जा सकेगा।

जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया है कि जिले में शिक्षा विभाग के अंतर्गत ई-संवर्ग के ०५ एवं टी-संवर्ग के ४०९ कुल ४१४ विद्यालयों का युक्तियुक्तकरण किया गया है। इसी प्रकार जिले में ई-संवर्ग के ५९ एवं टी-संवर्ग के ४९४ कुल ५५३ अतिशेष शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण के तहत जिला स्तरीय काउंसलिंग के माध्यम से पदस्थापना की कार्यवाही किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि प्राथमिक शाला के ३३३ शिक्षक, माध्यमिक शाला के ११८ एवं के १०२ व्याख्यताओं का युक्तियुक्तकरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्कूल युक्तियुक्तकरण एवं शिक्षक युक्तियुक्तकरण इसलिए आवश्यक था क्योंकि शहरी क्षेत्रों में वहां दर्ज संख्या के मान से अधिक शिक्षक कार्यरत थे। इसी प्रकार दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षकों की कमी थी। युक्तियुक्तकरण से जहां-जहां शिक्षकों की कमी थी वहां शिक्षकों की पूर्ति किया जाना संभव होगा।

चालीस लाख रु ठगी का आरोपी मजे से कर रहा था ड्यूटी, अब जेल दाखिल

बिश्रामपुर(अम्बिकावाणी समाचार)। अनपढ़ कॉलरी कर्मी को लोन दिलाने के नाम पर पहले उसके नाम से एसबीआई बिश्रामपुर शाखा से चेक बुक जारी कराया और बाद में अलग अलग फाइनेंस कंपनियों से चालीस लाख रु लोन निकाल राशि को हड़प लेने मामले में कॉलरी कर्मी रामधन पिता चमरू ५६ वर्ष जाति कंवर निवासी सुदामनगर चौकी करंजी की शिकायत पर आजाक पुलिस ने कॉलरी कर्मी होम दास दवंडे पिता स्व हीरालाल निवासी क्वार्टर नंबर ६७१ चोपड़ा कॉलोनी बिश्रामपुर व एक अन्य महिला सीमा प्रजापति निवासी हॉटमेन कॉलोनी थाना भटगांव के खिलाफ दो माह पूर्व धारा १२० बी,२९४,४२०,५०६ अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति(नृशंसता निवारण) अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था।घटना के बाद से कुछ दिनों तक आरोपी कॉलरी कर्मी फरार चल रहा था लेकिन कुछ दिनों बाद वह पुलिसिया मिलीभगत से रोजाना ड्यूटी कर रहा था इस दौरान उसने अग्रिम जमानत के लिए न्यायालय में आवेदन लगाया था लेकिन मंगलवार को न्यायालय ने उसके अग्रिम जमानत की अर्जी खारिज कर दी जिसके बाद बुधवार बड़े सबेरे आजाक पुलिस टीम ने उसे ड्यूटी के दौरान फिल्टर प्लांट से गिरफ्तार कर लिया है। अनपढ़ कॉलरी कर्मी से ठगी की घटना करीब तीन वर्ष पूर्व की बताई गई है।आजाक थाना सूरजपुर में दर्ज कराए गए रिपोर्ट में प्रार्थी रामधन राम पिता चमरू जो एसईसीएल बिश्रामपुर के रीजनल वर्कशॉप में टेंडल के पद पर कार्यरत है करीब तीन वर्ष पूर्व उसे पैसे की आवश्यकता महसूस होने पर उसने साथी कर्मी होमदास दवंडे जो पत्नी के नाम पर एसबीआई में बतौर कमीशन एजेंट के रूप में काम भी करता है उसके बैंक में अच्छी जान पहचान होना जान कर उसे लोन दिलाने की बात की जिस पर होम दास तैयार हो गया,होमदास ने पहले रामधन राम के एसबीआई बिश्रामपुर के बचत खाते से चेक बुक जारी कराया और बाद में उसे अंबिकापुर सूरजपुर स्थित अलग अलग फाइनेंस कंपनियों में ले जा कई दस्तावेजों में हस्ताक्षर करा लिया।

लोन पास होने के बाद से हर माह उसके खाते से बड़ी मात्रा में रकम कटने उसके खाते से रकम कम होने लगा तब उसने अपने साथी को खाते से पैसा कटने की जानकारी दी।साथी कर्मी शिवपूजन मिश्रा उसे लेकर बिश्रामपुर बैंक पहुंचा और बैंक प्रबंधन से पैसा कटने का कारण जाना तब पता चला कि उसके खाते से करीब चालीस लाख का लोन लिया गया है उसी लोन का ईएमआई हर माह कट रहा।जब रामधन को उसके खाते से चालीस लाख रु लोन निकलने की जानकारी मिली तो उसके होश उड़ गए और उसने सहकर्मी के साथ स्थानीय थाना पहुंच पुलिस को मामले की जानकारी दी। पुलिस ने मामला अनुसूचित जनजाति वर्ग का मामला होने से उच्च अधिकारियों को मामले की जानकारी दे उसे आजाक थाना भेज दिया।आजाक पुलिस द्वारा आवेदन की जांच उपरांत आरोपी कॉलरी कर्मी होम दास दवंडे पिता स्व हीरालाल ५५ वर्ष निवासी चोपड़ा कॉलोनी दूसरे आरोपी सीमा प्रजापति पिता खुलेशवर प्रजापति के खिलाफ आजाक पुलिस ने दो माह पूर्व अप्रैल के प्रथम सप्ताह में अपराध दर्ज किया था।शिकायत में बताया गया कि प्रार्थी अनपढ़ व्यक्ति है और वह केवल किसी तरह हस्ताक्षर कर लेता है इस बात को जान आरोपियों ने उसके खाते से चालीस लाख रु लोन निकाल अपने पास रख लिया।

मोटी रकम लेनदेन की चर्चा

बताया जाता है अनुसूचित जनजाति वर्ग के व्यक्ति के अनपढ़ होने का फायदा उठा चालीस लाख की ठगी जैसे गंभीर मामले में दो माह पूर्व अपराध दर्ज होने के बावजूद आजाक पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी न कर उसे ड्यूटी करने खुली छूट दे रखी थी खबर है कि पुलिस ने उसे अग्रिम जमानत करवाने के लिए बार बार मौके दे रही थी लेकिन एक दिन पहले अग्रिम जमानत की याचिका खारिज होने पर पुलिस को उसे अंततः गिरफ्तार करना पड़ा।गंभीर मामले में पुलिस की आरोपी के प्रति दरियादिली की खूब चर्चा हो रही है।आजाक डीएसपी पी डी कुजूर ने बताया कि मामले में शामिल दूसरे महिला आरोपी की गिरफ्तारी शेष है ।मुख्य आरोपी होम दास को आज गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया न्यायालय के आदेश पर आरोपी को जेल दाखिल करा दिया गया है।

छोटी खबरें

दिवाकर सिंह छत्तीसगढ़ स्टेट एलिजिबिलिटी टेस्ट में रैंक लाकर किया क्षेत्र का नाम रोशन

रामानुजगंज(अम्बिकावाणी समाचार)।
नगर के गौरी शंकर सिंह के पुत्र दिवाकर सिंह छत्तीसगढ़ स्टेट एलिजिबिलिटी टेस्ट में रैंक लाकर क्षेत्र का नाम रोशन किया।
शुरू से मेधावी रहे दिवाकर की पढ़ाई शिशु मंदिर हायर सेकेंडरी स्कूल, रामानुजगंज से हुई १२ वीं वाणिज्य से किया।बी. ए. अंग्रेजी साहित्य गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर से किया। दिवाकर ने बताया कि यह प्रेरणा मेरे गुरु मनोरंजन सिंह से मिला जिसके बाद एम. ए. अंग्रेजी साहित्य गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर से किया एम .ए . होने के बाद नीट जेआरएफ की तैयारी में लग गए। फिर सीजीएसईटी २०२४ (छत्तीसगढ़ स्टेट एलिजिबिलिटी टेस्ट) का फॉर्म इंग्लिश साहित्य में भरा जिसमें अनारक्षित कैटिगरी में १५३ रैंक आया है यह एग्जाम मेरे पूरे परिवार और मेरे शिक्षकों के सहयोग से संभव हो पाया है और अभी मेरा यूजीसी नीट जेआरएफ निकालने का लक्ष्य है।जिसके लिए अभी तैयारी जारी है आखिरी बार यह परीक्षा २०१९ में हुआ था फिर २०२४ की सीजी व्यापम द्वारा लिया गया है।

रेल कर्मचारियों से प्रत्यक्ष संवाद कर जानी समस्याएं

बिश्रामपुर(अम्बिकावाणी समाचार)।
दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मजदूर कांग्रेस के करंजी शाखा के पदाधिकारियों ने ब्रांच सेक्रेट्री पप्पू सिंह के नेतृत्व में सूरजपुर स्टेशन पहुंच रेल कर्मचारियों से प्रत्यक्ष संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना।इस दौरान रेल कर्मियों के सेवा संबंधित सहित कॉलोनी की कई समस्याएं सामने आई है जिसे कर्मियों ने लिखित रूप में दिया है।शिकायत में मुख्यतया कर्मचारियों के द्वारा क्वार्टर के दरवाजे टूटे होने फर्श की स्थिति खराब होने,कॉलोनी में सफाई व सेनिटेशन की व्यवस्था लचर होने,जल आपूर्ति नियमित नहीं होने,स्ट्रीट लाइट बंद होने कॉलोनी में असुरक्षा की स्थिति निर्मित होने,क्वार्टरो की वायरिंग खराब होने,कॉलोनी के ब्लॉक नंबर ग्यारह में सेप्टिक टैंक के चोक होने से कर्मियों को हो रही परेशानी की बात सामने आई है जिसे ब्रांच सेक्रेट्री ने संबंधित अधिकारी से चर्चा कर समस्या के समाधान हेतु आश्वस्त किया है।
इस दौरान सभी उपस्थित कर्मियों ने रेल कर्मियों के नई पेंशन स्कीम को नकारते हुए ओल्ड पेंशन स्कीम को सरकार से अविलंब बहाली की मांग की है।बता दें कि मजदूर कांग्रेस इन दिनों रेल कर्मचारियों से उनकी समस्या जानने अलग अलग स्टेशनों में संवाद कार्यक्रम आयोजित कर कर्मियों की समस्याएं सुन रही है।संगठन के ब्रांच सेक्रेट्री ने बताया कि अगर समस्याओं का समाधान रेल प्रबंधन एक माह के भीतर नहीं करती है तो सूरजपुर स्टेशन के समक्ष मजदूर कांग्रेस धरना प्रदर्शन करेगी।

दृष्टि एवं श्रवण बाधितार्थ विद्यालय में पहली से बारहवीं तक के लिए प्रवेश प्रक्रिया 16 जून से

जगदलपुर। शासकीय दृष्टि एवं श्रवण बाधितार्थ विद्यालय आड़ावाल, जगदलपुर, जिला-बस्तर में दृष्टि बाधित छात्र-छात्राएँ कक्षा-1 ली से 12वी एवं श्रवण बाधित छात्र-छात्राएं कक्षा-1ली से 10वी तक का शिक्षा ग्रहण किया जावेगा, जो कि बस्तर संभाग का एक मात्र दृष्टि बाधित उच्चतर माध्यमिक विद्यालय है। अब शासकीय दृष्टि एवं श्रवण बाधितार्थ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सह बालक छात्रावास जगदलपुर जिला-बस्तर में कक्षा पहली से बारहवीं तक के लिए नवीन शैक्षणिक सत्र 2025-26 में प्रवेश की प्रक्रिया 16 जून 2025 से प्रारंभ होगा।
विद्यालय में प्रवेश हेतु आवश्यक दस्तावेज जैसे की जन्म प्रमाण-पत्र (छायाप्रति), स्थानांतरण प्रमाण पत्र (टी.सी.) (मूल प्रति), यूडीआईडी कार्ड (छायाप्रति), दिव्यांगता प्रमाण पत्र (छायाप्रति), आय प्रमाण पत्र (मूल प्रति), जाति प्रमाण पत्र (छायाप्रति), निवास प्रमाण पत्र (छायाप्रति), आधार कार्ड (छायाप्रति), बैंक पासबुक (स्पष्ट छायाप्रति), राशन कार्ड (छायाप्रति), दस नग रंगीन पासपोर्ट साइज फोटो, 1 नग फूल साईज रंगीन फोटो। महत्वपूर्ण निर्देश दृष्टि एवं श्रवण बाधित दिव्यांग बच्चें के प्रथम प्रवेश पर अभिभावक को विद्यालय में आना अनिवार्य है, आधार कार्ड एवं बैंक पासबुक में विद्यार्थी का मोबाईल नम्बर लिंक होना अनिवार्य है, आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र अनिवार्यतः तहसीलदार, च्वाईस सेंटर से बनवाकर लाना होगा, बैंक पासबुक 12वीं की अंकसूची आधार कार्ड एवं यूडीआईडी कार्ड में विद्यार्थी का नाम एक समान हो। छात्रावास में निवासरत छात्र-छात्राओं को निःशुल्क भोजन, वस्त्र, बिस्तर, मनोरंजन, खेल सामग्रियों इत्यादि की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। अधिक जानकारी हेतु तोमेश्वर सिन्हा 9302129002, हीरालाल परते 9617044067 से संपर्क कर सकते हैं।

सुपर फुड मुनगा से कोकड़ी की महिलाओं को रही लाखों की कमाई

धमतरी। औषधीय गुणों से भरपूर सुपर फुड मुनगा की फसल लेकर धमतरी जिले के ग्राम कोकड़ी की महिलाएं अपनी आमदनी दुगुना कर रहीं हैं। मुनगा को सब्जी के तौर पर तो उपयोग किया ही जाता है। इसके साथ ही मुनगे की पत्तियों का पावडर मल्टीविटामिन सप्लीमेंट के साथ ब्लड शुगर, कोलेस्ट्रॉल और बीपी को कंट्रोल करने में भी मदद करता है। यही वजह है कि महिलाएं मुनगा की बिक्री ना केवल आसपास के बाजारों में कर रहीं हैं, बल्कि राजधानी रायपुर में भी इसकी सप्लाई कर रहीं हैं। इससे उन्हें दुगुनी आमदनी मिल रही है।
सरकार में मिल रही है मदद
धमतरी जिले के कुरूद विकासखण्ड स्थित ग्राम पंचायत कोकड़ी की जय मां लक्ष्मी स्व सहायता समूह की अध्यक्ष श्रीमती रामेश्वरी साहू बतातीं हैं कि उनके समूह में 12 सदस्य हैं, जो मिल-जुलकर मुनगे की खेती कर रहीं हैं। उन्होंने बताया कि गांव के खाली पड़े लगभग साढ़े तीन एकड़ से अधिक की भाठा जमीन पर मिश्रित खेती करने के लिए उन्हें महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत वर्ष 2022-23 में 11 लाख 44 हजार रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति मिली। इसके बाद महिलाओं ने इस भाठा जमीन पर साल भर मेहनत किया और उनके द्वारा लगाए गए पौधे लहलहाने लगे। इन पौधों में मुनगा के अलावा करौंदा, आंवला और नींबू के पौधे शामिल हैं। मुनगे के पेड़ों में फल जल्दी लगने लगे और साल में दो फसल मिलने लगी। इससे महिलाओं को दुगुनी आय मिल रही है। श्रीमती साहू बताती हैं

बालको ने पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्बन न्यूट्रैलिटी और वॉटर पॉजिटीविटी संकल्प को दोहराया

कोरबा अम्बिकावाणी- वेदांता समूह की इकाई भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सतत विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। कंपनी ने मिक्स रिन्यूबल एनर्जी के उपयोग, जल संरचनाओं के पुनरुद्धार और वृक्षारोपण के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। यह कंपनी के वर्ष २०३० तक च्नेट वाटर पॉजिटिविटीज और २०५० तक च्नेट जीरो कार्बन एमिशनज प्राप्त करने के लक्ष्य के अनुरूप हैं।
बालको ने अपने प्रचालन में मिक्स रिन्यूबल एनर्जी का उपयोग बढ़ाया है, जिससे वित्तवर्ष २०२५ में १.६ लाख टन से अधिक कार्बन उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी आई है। एनर्जी एफिशिएंसी बढ़ाने के लिए कंपनी ने अपने पॉटलाइन में एक उन्नत रीलाइनिंग डिजाइन को अपनाया है, जिससे प्रति मीट्रिक टन उत्पादन में ४०० किलोवाट-घंटे तक ऊर्जा की बचत हुई है। इसके साथ ही लॉजिस्टिक्स में डिजिटलीकरण को बढ़ावा देते हुए कच्चे माल और तैयार उत्पादों की आवाजाही को अधिक कुशलता से प्रबंधित किया गया, जिससे उत्सर्जन में और कमी आई है। जल संरक्षण के क्षेत्र में बालको ने ५.२० मिलियन क्यूबिक मीटर से अधिक जल का पुनर्चक्रण किया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में १७ प्रतिशत की वृद्धि दशार्ता है। कंपनी ने अपने आसपास के समुदाय में २८ जल संरचनाओं जैसे कि फार्म तालाब और सामुदायिक जलाशय

का पुनरुद्धार किया, जिनकी कुल संग्रहण क्षमता ३९,००० घन मीटर से अधिक है, जिससे भूजल में वृद्धि और कृषि को सहायता मिली है। बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक राजेश कुमार ने कहा कि सस्टेनेबिलिटी हमारी विकास नीति के केंद्र में है। पर्यावरणीय नेतृत्व, रिन्यूबल एनर्जी और सामुदायिक विकास के क्षेत्रों में हमारी केंद्रित पहल के माध्यम से हम एक लचीली पारिस्थितिकी तंत्र निर्मित करने की दिशा में कार्यरत हैं, जो सर्कुलर इकोनॉमी और औद्योगिक प्रगति के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण भी करे। कंपनी ने वनीकरण की अपनी पहल के अंतर्गत खनन क्षेत्रों, ऐश डाइक और समुदाय के आसपास ५२,००० से अधिक पौधा रोपण किया है। कंपनी अपने प्रचालन में इलेक्ट्रिक फोर्कलिफ्ट और टाउनशिप में कचरा प्रबंधन हेतु इलेक्ट्रिक वाहनों की तैनाती की है, जिससे स्वच्छ, ऊर्जा-कुशल और कार्बन फुटप्रिंट में कमी संभव हुए हैं। बालको ने च्ट्रांसफॉर्मिंग द प्लेनेटज संकल्प के तहत संचालन क्षेत्रों को ऐश-फ्री बनाए रखने के साथ-साथ फ्लाई ऐश का उपयोग ईंट व सीमेंट निर्माण, अधोसंरचना विकास, सड़क निर्माण और खदानों की भराई सहित कई क्षेत्रों में सफलतापूर्वक किया है। वित्तीय वर्ष २०२५ में अपने पर्यावरणीय दायित्व को और मजबूत करते हुए, बालको ने कई प्रमुख सस्टेनेबिलिटी विकास पहल को अपनाया है। इनमें संयंत्र परिसर में प्लास्टिक-मुक्त क्षेत्र का विकास, कर्मचारियों को इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग के लिए प्रोत्साहन स्वरूप सब्सिडी, स्थानीय जैव विविधता के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए नेचर वॉक और स्वच्छता अभियान का आयोजन, देशी और विदेशी पौधों की प्रजातियों को प्रोत्साहित करने हेतु बागवानी प्रतियोगिताएं तथा छत्तीसगढ़ की पारिस्थितिक समृद्धि को उत्सव के रूप में मनाते हुए सामुदायिक अभियान के माध्यम से पर्यावरणीय संवेदनशीलता को बढ़ावा देना शामिल है।

कृषि संकल्प अभियान के तहत सिमगा में कृषक शिविर आयोजित, विभिन्न विभागों के विशेषज्ञों ने दी उन्नत तकनीकों की जानकारी

कोरबा अम्बिकावाणी - विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत ०३ जून, मंगलवार को ग्राम सिमगा में एक दिवसीय कृषक शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य किसानों को आत्मनिर्भर बनाते हुए उन्नत कृषि पद्धतियों से जोड़ना रहा। शिविर में कृषि विज्ञान केंद्र कटघोरा से दीपक तंवर, उद्यानिकी विभाग से अमित सोनी, मत्स्य पालन विभाग से कमल किशोर सिंह, पशुपालन विभाग से डॉ. पटेल, मणिराम उइके व राम सरीमन तथा कृषि विभाग से सुरेश नागदेव और मनीष डिक्सेना उपस्थित रहे। इन विशेषज्ञों ने किसानों को विभागीय योजनाओं, नवीन तकनीकों, परंपरागत विधियों एवं कम लागत में अधिक उत्पादन संबंधी उपायों की जानकारी दी। कार्यक्रम में किसानों की खेती से जुड़ी समस्याओं पर सीधा संवाद कर समाधान प्रस्तुत किए गए और उनका फीडबैक भी प्राप्त किया गया।इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य विद्वान सिंह मरकाम, जनपद सदस्य भारत सिंह, जनपद पंचायत पोड़ी-उपरोड़ा की पशुपालन एवं मत्स्य सभापति गायत्री आयाम, सरपंच श्याम बाई बिंझवार, पूर्व सभापति संतराम श्याम सहित घोंसरा, सिमगा, जाम एवं कछार पंचायतों के अनेक कृषक बंधु उपस्थित रहे।शिविर में भाग लेकर किसानों ने इस पहल को सराहनीय बताया और ऐसी जानकारियों को भविष्य के लिए लाभदायक बताया।

प्रधानमंत्री आवास योजना बनी ग्रामीण महिला समूहों की आजीविका का आधार

रायगढ़। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अब सिर्फ आवास प्रदान करने तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि यह ग्रामीण महिलाओं के लिए आर्थिक सशक्तिकरण का सशक्त माध्यम बन रही है। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के पुसौर विकासखंड अंतर्गत बड़े हल्दी और मिड़मिड़ा की महिलाओं ने इस योजना को स्वरोजगार का जरिया बना लिया है। यहां की सुधा महिला ग्राम संगठन और चंद्रहासिनी महिला संकुल ने महिला स्व-सहायता समूहों के सहयोग से निर्माण कार्यों में उपयोग होने वाले सेंटरिंग सामान की खरीदी कर, उसे प्रधानमंत्री आवास निर्माण स्थलों में किराए पर उपलब्ध कराना शुरू किया है। इससे उन्हें नियमित आय प्राप्त हो रही है और उनके जीवनस्तर में भी उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है।
संगठन की शुरूआत वर्ष 2019 में केवल 10 समूहों के साथ हुई थी, जो अब बढ़कर 18 समूहों तक पहुंच गई है। इनसे लगभग 200 महिलाएं प्रत्यक्ष रूप से जुड़ चुकी हैं। संगठन ने 4 लाख 20 हजार रुपये का लोन लेकर सेंटरिंग सामग्री की खरीदी की है, जिसे पीएम आवास निर्माण में उपयोग किया जा रहा है। महिलाओं का कहना है कि बिहान योजना के अंतर्गत मिली सहायता और पीएम आवास की बढ़ती संख्या के कारण उन्हें रोजगार के स्थायी अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का आभार प्रकट करते हुए कहा कि शासन की योजनाओं ने उन्हें आत्मनिर्भर बनने की राह दिखाई है।

प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना बनी रजनीकांत के लिए वरदान

जांजगीर-चांपा। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ राज्य में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन किया जा रहा है। इस योजना ने प्रदेश के आम नागरिकों को अपनी छतों पर सोलर पैनल लगाकर खुद बिजली पैदा करने की सुविधा दी है, जिससे न केवल पर्यावरण को फायदा हो रहा है, बल्कि उपभोक्ताओं को आर्थिक रूप से लाभ पहुंच रहा है। घरों में रूफटॉप सोलन सिस्टम लगाए जाने से बिजली बिल शुन्य हो रहा है, इससे उपभोक्ता बिजली के लिए आत्मनिर्भर भी बन रहे हैं।
इसी योजना से लाभान्वित हुए हैं जांजगीर-चांपा जिले के चांपा नगर निवासी श्री रजनीकांत राठौर। उन्होंने अपने मकान की छत पर 3 किलोवाट क्षमता का रूफटॉप सोलर सिस्टम लगाया है, जिसकी कुल लागत 1.80 लाख रुपए रही। इसमें उन्हें सरकार की ओर से 78 हजार रुपए की सब्सिडी प्राप्त हुई। श्री राठौर ने बताया कि पहले उनका बिजली बिल काफी ज्यादा आता था, लेकिन अब बिल पूरी तरह शून्य हो गया है। उन्होंने इस योजना को आमजन के लिए आर्थिक रूप से राहत देने वाली और पर्यावरण हितैषी बताते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के अंतर्गत राज्य के पात्र उपभोक्ताओं को 78 हजार रूपए तक की सब्सिडी सीधे उनके बैंक खाते में प्रदान की जा रही है। योजनांतर्गत 0 से 105 यूनिट मासिक खपत के लिए 1 से 2 किलोवाट सोलर प्लांट पर 30 हजार से 60 हजार रुपए तक अनुदान, 150 से 300 यूनिट मासिक खपत के लिए 2 से 3 किलोवाट सोलर प्लांट पर 60 हजार से 78 हजार रुपए तक अनुदान, औसत मासिक विद्युत खपत 300 से अधिक यूनिट के लिए 3 किलो वॉट से अधिक रूफटॉप सोलर प्लांट क्षमता हेतु 78 हजार रूपए तक का अनुदान का प्रावधान है।

बिना दावा-आपत्ति आमंत्रण के की नियुक्ति, मेरिट को किया दरकिनार, आंगनबाड़ी चयन में अनियमितता से नाराज, विभाग की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

कोरबा अम्बिकावाणी - ग्राम पंचायत सतरेंगा के आश्रित ग्राम खोखराआमा में नवीन आंगनबाड़ी केंद्र के लिए कार्यकर्ता चयन में सामने आई गंभीर अनियमितताओं से ग्रामवासी एवं पूर्व सहायिका सरिता कंवर आक्रोशित हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जारी नियुक्ति प्रक्रिया में नियमानुसार दावा-आपत्ति आमंत्रण की प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया, जिससे पारदर्शिता पर गंभीर प्रश्नचिन्ह लग गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक ०२ सतरेंगा की सहायिका सरिता कंवर तथा आंगनबाड़ी मारगांव की सहायिका हरेलिया बाई कंवर ने कार्यकर्ता पद हेतु आवेदन प्रस्तुत किया था। विभाग द्वारा हरेलिया बाई का चयन कर उन्हें नियुक्ति पत्र प्रदान कर दिया गया, जबकि मेरिट, अनुभव, आयु और शैक्षणिक योग्यता जैसे प्रमुख मापदंडों में सरिता कंवर बेहतर थीं। सरिता कंवर ने पूरे प्रकरण की शिकायत जिला कलेक्टर से की है और निष्पक्ष जांच की माँग की है। उनका कहना है कि विभागीय अधिकारियों ने नियमों का स्पष्ट उल्लंघन किया है और प्रक्रिया को जानबूझकर अपारदर्शी रखा गया। स्थानीय ग्रामीणों और सामाजिक संगठनों ने भी इस मामले में आवाज उठाई है और दोषियों के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई की माँग की है। ग्रामीणों का कहना है कि महिला एवं बाल विकास विभाग की कार्यप्रणाली संदिग्ध प्रतीत हो रही है और यदि समय रहते हस्तक्षेप नहीं हुआ तो यह भविष्य में और भी विवादों को जन्म दे सकती है।

दर्री पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 3910 किलो अवैध कबाड़ सहित दो आरोपी गिरफ्तार

वाहन, कबाड़ और दस्तावेजों की जांच में खुली चोरी की आशंका

कोरबा अम्बिकावाणी - दर्री पुलिस ने अवैध कबाड़ परिवहन करते हुए दो आरोपियों को रंगे हाथ पकड़ा है। कार्यवाही के दौरान एक टाटा पिक-अप वाहन में लदा ३९१० किलोग्राम लोहे का कबाड़–जिसमें एंगल, रॉड, छड़, दरवाजे आदि शामिल थे–जब्त किया गया। साथ ही वाहन भी जब्ती में लिया गया। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नितीश ठाकुर के निर्देशन में दर्री डैम क्षेत्र में की जा रही नियमित पेट्रोलिंग के दौरान, सफेद रंग की पिक-अप (ष्टत्र१२ क्क॥ ९१२३) को रोककर जांच की गई।

पूछताछ में चालक विकास टंडन (निवासी- नीलगिरी बस्ती, दर्री) कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। वाहन में सवार दूसरा आरोपी बुधवार मंझवार (निवासी- ग्राम केंदई, थाना बांगो) भी कबाड़ से संबंधित कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। पूछताछ में यह भी सामने आया कि वाहन चालक के पास ड्राइविंग लाइसेंस और वाहन के वैध कागजात भी नहीं थे। ऐसे में जब्त माल और वाहन को धारा १०६(१) बीएनएसएस के अंतर्गत जप्त कर आगे की जांच की जा रही है। उक्त कार्रवाई में निरीक्षक ललित कुमार चंद्रा के नेतृत्व में प्रधान आरक्षक उदय कुमार सिंह, आरक्षक सरोज साहू, सतीश मरकाम एवं आशीष महादेवा की अहम भूमिका रही।

> पहाड़ जैसी विपत्ति को दूर करने के लिए सिर्फ थोड़ा सा साहस ही पर्याप्त है।
> 0 ब्रम्हकुमारी

संपादकीय

कैडर अफसरों को जायज हक

अदालत ने इन बलों में महानिरीक्षक स्तर तक के आईपीएस अधिकारियों की प्रतिनियुक्ति दो वर्षो में 'उत्तरोत्तरइ करने का आदेश दिया है ताकि कैडर अधिकारी अपने जायज हक से वंचित न हों और उन्हें पदोन्नति के अधिक अवसर मिलें। अपने ऐतिहासिक फैसले में सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने माना है कि सीएपीएफ में कैडर अधिकारियों की पदोन्नति में विलंब से उनके मनोबल पर प्रभाव पड़ सकता है।

सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने इन बलों की बहुप्रतीक्षित कैडर समीक्षा छह महीने में करने को कहा है जिस पर शीर्ष अदालत ने ही 2020 में रोक लगा दी थी। इन बलों के हजारों अधिकारियों ने गृह मंत्रालय से उनमें से प्रत्येक को संगठित समूह ए सेवा (ओजीएएस) के रूप में मानते हुए कैडर समीक्षा की मांग की थी, ताकि समय पर पदोन्नति में देरी से संबंधित उनके मुद्दे का समाधान किया जा सके।

पीठ ने कहा कि जब सीएपीएफ को ओजीएएस घोषित किया गया है, तो ओजीएएस को उपलब्ध सभी लाभ स्वाभाविक रूप से सीएपीएफ का भी मिलने चाहिए, यह नहीं हो सकता कि उन्हें एक लाभ दिया जाए और दूसरे से वंचित रखा जाए। याचिकाकताओं का तर्क था कि चूंकि भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (महानिरीक्षक रैंक) तक के पदों पर आसीन हैं, इसलिए उनकी पदोन्नति की संभावनाएं 'बाधितइ हो रही हैं, जिससे सेवा पदानुक्रम में ठहराव आ रहा है।

इसे स्वीकार करते हुए पीठ ने आदेश दिया, 'सभी सीएपीएफ में कैडर समीक्षा, जो वर्ष 2021 में होनी थी, आज से छह महीने की अवधि के भीतर पूरी की जाए।इ उम्मीद है कि इस फैसले से पांचों केंद्रीय पुलिस बलों- सीआरपीएफ, बीएसएफ, सीआईएसएफ, आईटीबीपी और एसएसबी के कैडर अफसरों को उनका जायज हक मिलेगा और उनकी कर्तव्य भावना और मजबूत होगी।

मंत्रालय ने अपने वकील के माध्यम से कहा कि चूंकि ये बल विभिन्न राज्यों में तैनात हैं, इसलिए आईपीएस अधिकारी सीएपीएफ के प्रभावी संचालन के लिए 'आवश्यकइ हैं, जिससे संबंधित राज्य सरकारों और उनके संबंधित पुलिस बलों के साथ सहयोग की सुविधा मिलती है, जिससे संघीय ढांचे को संरक्षित किया जा सकता है।

केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के कैडर अधिकारियों के मनोबल को बढ़ाने वाले फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने इन बलों में आईपीएस अधिकारियों की तैनाती में संतुलन रखने का रास्ता खोल दिया है।

युवा महिलाओं के जीवन की वास्तविक झलक प्रस्तुत करती जिद्दी गर्ल्स

हरिशंकर व्यास

कैंपस फिक्शन अपने आप में किस्सागोई के लिए एक बेहद दिलचस्प स्पेस है। चाहे ये कैंपस कॉलेज का हो या किसी यूनिवर्सिटी का, इसे कभी केंद्र तो कभी नेपथ्य में रख कर बहुत सी कहानियां, उपन्यास लिखे गए और फिल्में बनती रहीं हैं। इसी शृंखला में अब एक ताजातरीन वेब सीरीज आई है, जिद्दी गर्ल्सइ। फिल्म की कहानी दरअसल दिल्ली विश्वविद्यालय में लड़कियों के लिए मशहूर कॉलेज मिरांडा हाउसइ के इर्द गिर्द बुनी गई है, जिसका नाम तकनीकी और व्यावहारिक वजहों से मटिल्डा हाउसइ कर दिया गया है। साथ ही शुक्र है उस भूल चूक लेनी देनीइ की तख़्ती (डिस्क्लेमर) एडवांस में लगा देने वाले अनिवार्य चलन का, जिसकी वजह से यह सीरीज रिलीज के पहले उन विवादों में फंसने से बच गई, जो इसे इसके दर्शकों से दूर रख सकते थे।

तो चलिए आज के सिने-सोहबतइ में चर्चा की जाए मटिल्डा हाउसइ यानी मिरांडा हाउसइ यानी एमएचइ से जुड़ी इस कहानी पर बनी जिद्दी गर्ल्सइ की।

दरअसल, एमएचइ से मेरा निजी रिश्ता भी रहा है। तब मैं दिल्ली विश्वविद्यालय के कैंपस लॉ सेंटरइ (सीएलसी) में पढता था। करीब पच्चीस साल हो गए। जिंदगी की पहली घोषित गर्लफ्रेंड एमएच में थी और वो भी वहां के हॉस्टल में। गौरतलब है कि ये बताना उतना प्रासंगिक नहीं है कि अब वो मेरी पत्नी हैं लेकिन चूंकि समाज को प्रेम कहानियों का सुखांत देखना अच्छा लगता है इसलिए मैंने इसका जिक्र भी कर दिया है। तो होता ये था कि हर शाम उनसे मिलने जाता था। तब वहां रहने वाली लड़कियों के लिए विजिटर्स से मिलने का समय होता था शाम साढ़े चार से साढ़े सात। उसके बाद के वक़्त को कहते थे कर्फ्यू ऑवरइ। शाम साढ़े सात के बाद हॉस्टल की वो सभी सैकड़ों लड़कियां उस ऊंची गेट और उससे भी ऊंची दीवारों के पीछे गायब। जाहिर है किसी भी संस्थान और वहां के माहौल को सुरक्षित रखने के लिए सिस्टम्स बनाए जाते हैं और समय समय पर उनको बेहतर करने के इंटरनल और एक्सटर्नल संघर्ष चलते रहते हैं।

जिद्दी गर्ल्सइ कहानी है पांच जेन जी फ्रेशर्स की जो कॉलेज में आते ही गहरी दोस्ती, रोमांस और कैंपस की हवा के साथ साथ जिंदगी की ताप से भी गुजर.रही हैं।ज. जिद्दी गर्ल्सइ सीरीज का निर्देशन किया है शोनाली बोस ने, जबकि इसे रंगिता प्रीतिश नंदी और इशिता प्रीतिश नंदी ने क्रिएट किया है। और संकल्प जोशी शामिल हैं। कॉलेज की मस्ती, चुनौतियां और भावनात्मक उतार चढ़ाव को इसमें प्रामाणिक रूप से दशार्या गया है।

बहरहाल, अनुशासनइ और अलग अलग किस्म की आजादीइ के बीच का संघर्ष सदियों से चला आ रहा है लेकिन एमएचइ की लड़कियों की जो बात मुझे सबसे ज्यादा चकित करती रही कि वो है वहां के माहौल में देश भर से पढने.और खुद को गढने.आई लड़कियों में ऐसा कॉन्फिडेंस आता है कि वो अपनी पसंद की फील्ड में कुछ भी कर गुजरती हैं और वो भी अपनी शर्तों पर। चाहे वहां के थिएटर ग्रुप्स हों, या डिबेटिंग सोसाइटी या फिर स्टूडेंट्स यूनियन के चुनाव, चुनाव की प्रक्रिया और उनमें इन लड़कियों का बेधड़क भाग लेना, साइंस एक्जीबिशन हो या पोएट्री रेसाइटेशन अपनी पढ़ाई और स्पोर्ट्स के साथ साथ सबमें जूझना इन लड़कियों की जीवन शैली बन जाती है। इस कैंपस में हजारों लाखों सपने साकार किए हैं। हर क्षेत्र में लड़कियों ने नाम किए हैं। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित भी एक्स मिरांडीयन (मिरांडा हाउस की पूर्व छात्रा) थीं। बहरहाल, जिद्दी गर्ल्सइ कहानी है पांच जेन जी फ्रेशर्स की जो कॉलेज में आते ही गहरी दोस्ती, रोमांस और कैंपस की हवा के साथ साथ जिंदगी की ताप से भी गुजर.रही हैं। साथ ही वे अपने कॉलेज और वहां के माहौल को बाहरी खतरों से बचाने के लिए संघर्ष करना भी सीखती हैं। जिद्दी गर्ल्सइ की कहानी का प्लॉट शिक्षा के निजीकरणइ की साजिश को अमली जमा पहनाने की कोशिश और उसके खिलाफ वहां की लड़कियों और कुछ ऐसे शिक्षिकाओं और शिक्षकों के संघर्ष पर टिका है जो उस खुले और प्रगतिशील माहौल को बचाए रखना चाहते हैं। एक तरफ खुले माहौल से हो रही भारतीय संस्कृति के अपमान का कुतर्क और

कॉलेज के खुले माहौल पर अंकुश लगाने की कवायद चल रही होती है तो दूसरी तरफ समानता के अधिकारइ के तहत सबके लिए कम शुल्क में अच्छी शिक्षा को बरकरार रखने की कोशिश है। देश भर में जिस तेजी से शिक्षा का निजीकरणइ बढ़ रहा है उससे अमीर और गरीब बच्चों के बीच की खाई और भी चौड़ी होती जा रही है। नितांत आवश्यक है कि सरकारी स्कूलों, कॉलेजों और अन्य तकनीकी संस्थानों को बेहतर किया जाए ताकि हर तबके से आने वाले विधार्थियों को समान अवसर मिल सके। इस संदर्भ में मुझे छत्तीसगढ़ कैडर के अपने एक आईएएस अधिकारी मित्र अवनीश शरण का नाम इसलिए ध्यान में आ रहा है क्योंकि उन्होंने आईएएस रहते हुए अपनी बेटी की स्कूली शिक्षा के लिए उसका दाखिला शहर के एक सरकारी विद्यालय में करवाया था। लगभग सामंती समाज और उसकी री-पैकेजिंग के तौर पर नौकरशाही की ठसक वाले अपने इस देश के किसी भी छोटे शहर के लिए ये एक बहुत बड़ी घटना थी। उसके बाद अवनीश शरण के कई और साथी अफसरों और जूनियर्स ने भी ऐसा ही किया। फिर सरकारी अधिकारियों को ही राज्य सरकार के उस विद्यालय की स्थिति दुरुस्त करनी पड़ी. जिससे हर वर्ग से आने वाले बच्चों की सहूलियतें बढ़ गई। जरुरत है माइक्रो लेवल पर सबको अपना योगदान देने की ताकि अपने देश की शिक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए प्राइवेट प्लेयर्स ही आखिरी विकल्प न रहें। बढिया है कि जिद्दी गर्ल्सइ के माध्यम से समाज में शिक्षा के निजीकरण और उसके इर्द गिर्द भी विचार विमर्श हो कि अपने यहां किस अनुपात में क्या हो या क्या नहीं? जिद्दी गर्ल्सइ सीरीज का निर्देशन किया है शोनाली बोस ने, जबकि इसे रंगिता प्रीतिश नंदी और इशिता प्रीतिश नंदी ने क्रिएट किया है। प्रमुख भूमिकाओं में सिमरन, नंदिता दास, अनुप्रिया कैरोली, रेवती, अतिया तारा नायक, उमंग भड़ाना, जैन अली, दिया दामिनी, नंदीश सिंह संधू और संकल्प जोशी शामिल हैं। कॉलेज की मस्ती, चुनौतियां और भावनात्मक उतार चढ़ाव को इसमें प्रामाणिक रूप से दशार्या गया है। साथ ही, यह सीरीज दोस्ती, महत्वाकांक्षाओं और निजी संघर्षों के माध्यम से युवा महिलाओं के जीवन की वास्तविक झलक प्रस्तुत करती है। ये कहानी बखूबी दिखाती है कि कैसे ये लड़कियां अप्रासंगिकता को चुनाती देकर अपने भविष्य के लिए संघर्ष करती हैं। जिद्दी गर्ल्सइ के इस पहले सीजन.में कुल आठ एपिसोड हैं। अमेजन.प्राइम वीडियो पर है। देख लीजिएगा।(पंकज दुबे मशहूर बाइलिंग्वल उपन्यासकार और चर्चित यूट्यूब चैट शो, स्मॉल टाउन्स बिग स्टोरीज के होस्ट हैं।)

हर लड़की और महिला के जीवन का हिस्सा पीरियड्स

बंदना प्रेयसी

मासिक धर्म स्वच्छता, जिसे अब तक सार्वजनिक नीति और सामाजिक दायरे के बाहर रखा गया था, अब हमारे स्कूलों, सामुदायिक भवनों, सरकारी कार्यालयों और सबसे महत्त्वपूर्ण हमारे घरों में प्रवेश कर रही है। यह सिर्फ सैनिटरी पैड्स की उपलब्धता या शौचालयों की सुविधा की बात नहीं है-यह एक सामाजिक परिवर्तन है, जो हमारी बेटियों और महिलाओं के प्रति हमारे व्यवहार को सिरे से बदल रहा है। देश-समाज के लिहाज से इस बदलाव के बहुत मायने है। क्योंकि अगर लड़कियां गरिमा के साथ अपनी माहवारी को संभाल सकती हैं, तो वे स्कूल में आसानी से पठन-पाठन कर सकती हैं। जब महिलाओं को स्वच्छता की सुविधा मिलती है, तो वे पूरी क्षमता से कार्यस्थल, समाज और जीवन में अपने दायित्वों का निर्वाहन करती है।

जब समुदाय बेझिझक, बिना शर्म के मासिक धर्म पर खुलकर बातचीत करता है तो इसका सकारात्मक प्रभाव शिक्षा, स्वास्थ्य, लैंगिक समानता पर तो पड़ता ही है यह समाज बनने के रूप में भी फलीभूत होता है। दरअसल, यह केवल स्वच्छता की ही नहीं बल्कि न्याय की भी बात है। इस लिहाज से बिहार की प्रगति उल्लेखनीय है। भारत सरकार की मासिक धर्म स्वच्छता योजना और बिहार सरकार के समर्पित प्रयासों के तहत, राज्य में स्वच्छ तरीकों से माहवारी प्रबंधन करने वाली युवतियों की संख्या (एनएफएचएस-4) के 31 प्रतिशत से बढ़कर (एनएफएचएस-5) में लगभग 59 प्रतिशत हो गई है, यानी दोगुनी। यह प्रगति राष्ट्रीय औसत (57.6 प्रतिशत से 77.3 प्रतिशत) की तुलना में भी उल्लेखनीय है।

सदियों से एक लड़की की माहवारी ऐसा विषय रहा जिसे उसे छिपाना पड़ता था। फुसफुसाहटें, झिझक और चुप्पी–ये सब उस प्राकृतिक जैविक प्रक्रिया के साथ जुड़ गई, जो हर लड़की और महिला के जीवन का हिस्सा है, लेकिन आज बिहार में यह खामोशी टूट रही है–और उसकी जगह ले रही है एक सशक्त आवाज।

ये महज आंकड़ें नहीं हैं बल्कि हमारे सामूहिक प्रयासों की पहचान है। वे सामूहिक प्रयास जिसमें फ्रंटलाइन आशा कार्यकर्ता, शिक्षक, माता-पिता और खुद लड़कियों की सहभागिता से ही बदलाव संभव हुआ है। ये उपलब्धियां शानदार हैं, लेकिन अभी हमारा काम पूरा नहीं हुआ है। सुलभ सैनिटेशन मिशन के हालिया अध्ययन (2023-24) के अनुसार, खगडि ?ा और कटिहार में आधे से अधिक महिलाओं को अपने पिछले मासिक चक्र में आवश्यक साधन उपलब्ध नहीं थे, और 62 प्रतिशत के पास उन्हें सुरक्षित रूप से फेंकने की जगह तक नहीं थी। ये आंकड़े केवल सेवाओं की कमी को नहीं दशार्ते, बल्कि एक गहरे मसले को उजागर करते हैं: महिलाओं के पास अपनी सुविधा और जरूरत के अनुसार विकल्प चुनने की आजादी नहीं है, उन्हें गरिमा से जीने का अधिकार नहीं मिलता, और उनकी आवाज समाज में सुनी नहीं जाती।

इसीलिए बिहार का मासिक धर्म स्वास्थ्य प्रबंधन रोडमैप (202225) केवल एक नीति नहीं-यह एक वादा है। यह एक ऐसा समन्वित प्रयास है जिसमें मासिक धर्म को एक 'साइड इश्यूइ नहीं, बल्कि न्यायसंगत बिहार की परिकल्पना का मूल माना गया है। इसमें स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा से जुड़ता है, ग्रामीण विकास स्वच्छता के साथ मिलकर काम करता है। इसी का परिणाम है कि जमीनी स्तर पर वास्तविक परिवर्तन संभव हो पाया है। यूनिसेफ के सहयोग से स्कूलों में हमने 'सहेली कक्षइ की शुरूआत की है। सहेली कक्ष दरअसल ऐसा सुरक्षित स्थान है जहां लड़कियां विश्राम कर सकें, कपड़े बदल सकें और आत्मविश्वास के साथ अपनी माहवारी का प्रबंधन कर सकें।

अररिया और पूर्णिया के 50 से अधिक सरकारी स्कूलों में यह कक्ष बन चुके हैं, इसके अलावा अन्य स्कूलों में कक्ष बन रहे हैं, लेकिन सुरक्षित स्थान केवल दीवारों तक सीमित नहीं- वे शिक्षकों, सहपाठियों और समुदाय के नजरिए में भी परिलक्षित होना चाहिए। हमने मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना और राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरकेएसके) सरीखे कार्यक्रमों को भी मासिक धर्म स्वच्छता के लक्ष्यों से जोड ? का प्रयास किया है। इन योजनाओं की क्षमताएं असीमित हैं, लेकिन तभी जब अंतिम छोर तक जिम्मेदारी और संवेदनशीलता संग सेवाएं पहुंचे। नीति और जनता के बीच की दूरी कम होनी चाहिए। और यह केवल 'महिलाओं का मुद्दाइ नहीं है।

पुरुष और लड़के, पिता और भाई, शिक्षक और पंचायत प्रतिनिधि-हर आवाज महत्त्वपूर्ण है। जब वे आगे आते हैं, सुनते हैं, और साथ खड़े होते हैं, तो वे शर्म और संकोच के बंधन को तोड़कर विश्वास की डोर को मजबूत करते हैं। यही समावेशिता का असली चेहरा है। आगे बढ़ते हुए, यह सुनिश्चित करना होगा कि हर आंगनबाड़ी केंद्र में किशोरियों को सहयोग देने के लिए प्रशिक्षित कर्मचारी हों।

अब इसराइल के लोग भी नहीं चाहते कि गाजा में युद्ध हो, क्योंकि विश्व में अलग थलग पड़ने का खतरा

जिस तरह की खबरें आ रही हैं वह यह दशार्ती हैं कि इसराइली भी नहीं चाहते कि गाजा में युद्ध हो क्योंकि गाजा में अब जेनोसाइट, भुखमरी,हो रही है इसे कोई भी सभ्य समाज स्वीकार नहीं करेगा लेकिन इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू विश्व बिरादरी की छोड़ो अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की भी नहीं मान रहे हैं। जेनोसाइट माने नरसंहार बताया जाता है कि 2023 से हमास इसराइल युद्ध में 15000 पालिस्तीनी और 1500 इसराइल के लोग मारे गए हैं। जबकि हमास ने 52 इसराइली लोगों को बंधक बना रखा है। गाजा में भी पालिस्टिनियों को इसराइल की सेना ने गोलान पहाडि ?ों पर खदेड़ दिया है जबकि वे पूरी गाजा पट्टी में रहते थे। कुलमिलाकर पालिस्तीनी नागरिकों के लिए गोलान पहाड़ियों ही बच्ची बाकी पूरे देश पर इसराइल सेना का कब्जा है।अभी मानव अधिकारों का एक संगठन युद्ध क्षेत्र में गया और उसके साथ अंतरास्ट्रीय प्रेस भी थी लेकिन इसराइल सेना ने इस प्रतिनिधित्व को गाजा के उस भाग में नहीं जाने दिया गया है। बताया जाता है कि पूरा गाजा शहर भुतहा शहर बन गया है कोई भी इमारत बच्ची नहीं है। खंडहर बन गया है गाजा। इसराइल के पुर्व प्रधानमंत्री अलमारे ने कहा है कि अब इज ?ाइल को युद्ध रोक देना चाहिए उन्होंने कहा कि युद्ध कभी नियम, कायदे, कानून,होते हैं।दरअसल अब बिना किसी उद्देश्य के युद्ध लड़ा जा रहा है।जबकि यूएनओ, यूएसए, सहित अन्य इसराइल समर्थक देशों ने भी युद्ध समाप्त कर ने का सुझाव दिया है। इजरायली नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि अगर युद्ध बंद नहीं किया तो इसराइल में सैनिक विद्रोह हो सकता है। और विश्व में उसकी स्थिति ऐसी हो सकती है जैसे रंगभेद के समय 1991से पहले साउथ अफ्रीका की हो गई थी जिसमें सभी देशों ने साउथ अफ्रीका को अलग कर दिया था। आखिर नेल्सन मंडेला को जेल से रिहा करना पड़ा और नए चुनाव हुऐ, रंगभेद नीति खत्म हुई तब साउथ अफ्रीका बापिस मुख्य धारा में आया। गाजा में जो कुछ घटित हुआ है उसके लिए हमास भी जिम्मेदार है लेकिन गाजा में हुए जीनोसाइट से पश्चिमी देश, अमेरिका पल्ला नहीं झाड़ सकते क्योंकि इजरायल को हथियार तो इन देशों ने मुहैया कराए हैं। पूरी दुनियां में ईसाइयत के बाद इस्लाम के अनुयाई ही सबसे अधिक है। जबकि इसराइल यहूदी देश है।ईसाइयत और यहूदियों में अधिक अंतर नहीं है बताया जाता है कि ईशा मसीह की मां मेरी यहूदी थी।इस लिए पश्चिमी देशों का समर्थन इज ?ाइल को मिलता है। और इनके ही दम पर छोटा सा देश इज ?ाइल ने मध्य एशिया में मुस्लिम देशों जैसे लीबिया सीरिया लेबनान को पानी पिला दिया है। हालांकि पालिस्टिन भी कम जिम्मेदार नहीं है गाजा में जो युद्ध चल रहा है वह हमास ने ही शुरू किया था 2023 में एक दिन में 1000से अधिक इजरायलियों को हमला कर मौत के घाट उतार दिया गया था लेकिन इसके बाद इजराइल ने पूरे गाजा को खंडहर बना दिया और 15000 फलस्तीनी को मार डाला था।

0 अजय दीक्षित

अम्बिकावाणी-वर्गपहेली 1345

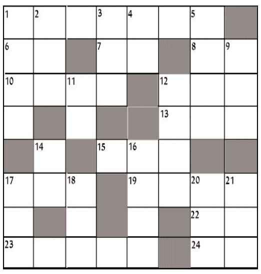

संकेत: बाएं से दाएं

1. भारत की क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान जिनका जन्म दिवस 7 जुलाई 1981 है, जिन्हें माही के नाम से जाना जाता है (7)
6. स्थिति, दशा, अवस्था (2)
7. विस्तार, काल, संबंध आदि के विचार से बहुत अंतर पर (2)
8. लालच, लोलुपता, लिप्सा (2)
10. नाना का घर, ननिहाल (4)
12. एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाने की दूरवर्ती क्रिया, प्रयाण, यात्रा (3)
13. भवसारग से पर होना, सद्गति प्राप्त करवाना (3)
15. शंका करने वाला, आशंकाशील, संदेहशील (3)
17. पुराणानुसार पाताल सात है, जिनमें यह दूसरा है, अगाध्य (3)
19. विवश, लाचार, बेबस (4)
22. तुरंत, जल्दी से, शीघ्रता, फुर्ती से (2)
23. निर्देशक मनमोहन देसाई की धर्मेंद्र, जीनत अमान और जीतेंद्र आदि की 1977 की एक फिल्म (5)
24. विविध, अनेक प्रकार के, मातामह (2)

ऊपर से नीचे(2)

1. उत्तमतमता, गौरव, सदाशयता (4)
2. लगभग 500 फिल्मों में नृत्य पेश कर चुकी ये नृत्यांगना अभिनेत्री (3)
3. ईंगुर, शिंगफ, श्रृंगारक (3)
4. विभाजक संख्या, अधिकारभागी (2)
5. कुमुद, नीलोत्पल, नीलकमल (4)
9. रिक्त स्थान की पूर्ति करना, क्षतिपूर्ति करना (3)
11. पार्श्वचर, पुरूष मित्र (2)
12. पंजाब की पांच नदियों में से एक जिसका पौराणिक नाम शतद्रु है (4)
14. पुत्र, बेटा (2)
16. काम से जी चुराने वाला, कमकस (4)
17. अथाह, बहुत गहरा, असमी (3)
18. रास, बागडोर, मुखरी, कुशा (3)
20. बुझौवल करना, बोध कराना (3)
21.याद करने के लिए बारंबार दोहराना (3)

वर्ग पहेली 1344 का हल

लं	द	न			दु	ब	ई
ब	ल	वा	न			ला	ख
त		ब	वा	सी	र		
डं			ग	र	म	ह	वा
ग	या		त		क	ल	म
	या	म		म	ना		न
बा	व	न	ग	जा		दा	
द	र		ति	क	ड़	मी	

एकदा

रेरा मकान खरीदारों को राहत नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने स्वागतयोग्य हस्तक्षेप किया है। न्यायमूर्तियों ने जो टिप्पणियां कीं, वे सबूत हैं कि रेरा मकान खरीदारों को तनिक भी राहत नहीं दिला पाया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के 'फिरौती वसूलीइ जा रही है।

पूर्व यूपीए सरकार के समय जब रियल एस्टेट विनियमन प्राधिकरण (रेरा) कानून पारित हुआ, तो उससे मकान खरीदारों में ऊंची उम्मीदें जगी थीं। कहा गया था कि अब आखिरकार ज्यादातर मध्य वर्ग के खरीदारों को बिल्डरों की तिकड़मों से मुक्ति मिलेगी।

मगर मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में जो जाहिर हुआ और उस पर न्यायमूर्तियों ने जो टिप्पणियां कीं, वे सबूत हैं कि रेरा मकान खरीदारों को तनिक भी राहत नहीं दिला पाया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के 'लाचार मकान खरीदारोंइ से फिरौती वसूली जा रही है। कोर्ट ने जो सवाल पूछे हैं, उनमें एक यह भी है कि खरीदारों को रेरा से क्या राहत मिली है? हालांकि कोर्ट में सुनवाई एनसीआर से जुड़े मामलों की हो रही थी, लेकिन अंदाजा लगाया जा सकता है कि जो हाल यहां है, बाकी जगहों के खरीदारों की स्थिति उससे बेहतर नहीं होगी। इसलिए सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों का संदर्भ बड़ा है। कोर्ट ने सीबीआई से कहा है कि वह बिल्डर-बैंक मिलीभगत की पूरी जांच करे। जजों ने इसके लिए विशेष जांच दल बनाने का आदेश दिया। अदालत ने कहा कि बिल्डरों और खरीदारों को कर्ज देने वाले बैंकों ने मिल कर खरीदारों के लिए मुश्किलें खड़ी की हैं।

राशिफल

ग्रह स्थिति- सूर्य-वृषभ, चंद्र-मीन, मंगल-वृषभ, बुध-मेष, गुरु-कन्या, शुक्र-मीन

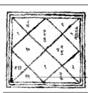

चौघड़िया

09 :03 से 10 :43 तक-चंचल
10 :43 से 12 :23 तक- लाभ
12 :23 से 14.04 तक- अमृत
20 :24 से 21.44 तक- लाभ

मेष राशि- आज आपका दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज परिवार के साथ समय बितायेंगें इससे घर में खुशियों का माहौल बनेगा। आज आपकी कड़ी मेहनत से आसपास के लोग प्रभावित होंगे और आपका अनुसरण करेंगे।

वृष राशि- आज के दिन भाग्य आपका पूरा साथ देगा। अगर आप नयी जमीन लेने का प्लान बना रहे हैं तो घर के बड़ों की राय जरूर लें। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन संतोषजनक रहेगा कुछ नया सीखने को मिलेगा। आप जीवनसाथी से अपने दिल की बात शेयर करेंगे इससे रिश्ते में मधुरता बनेगी।

मिथुन राशि- आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहेगा। व्यापार के मामलों में आपके पार्टनर से अनबन हो सकती है, बेहतर होगा संयमित रहें और सोच समझकर फैसला करेंगे। किसी बुजुर्ग की सेवा का अवसर मिलेगा इसे आप सौभाग्य के रूप में समझें।

कर्क राशि- आज आपका दिन आपके लिए नई खुशियां लाया है। राजनीति से जुडे लोगों के लिए दिन अच्छा है समाज हित में किये गये कामों की तारीफ हो सकती है। आज आपको उच्चाधिकारी के सामने बात रखने पर पॉजीटिव रिस्पॉन्स मिलेगा।

सिंह राशि- आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आज आपको कोई बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है जिन्हे आप बखूबी निभायेंगे। आप जिस काम को करने का प्रयास करेंगे, उस काम में आपको कामयाबी मिलेगी। आज आपको मेहनत का फल मिलेगा इससे आपका हौसला बढेगा।

कन्या राशि- आपका दिन सामान्य रहेगा। आज आपके सामने चुनौतियां भी आएंगी आप इनका डटकर मुकाबला करेंगे सफलता हासिल होगी। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन थोड़ा सामान्य रहेगा।

तुला राशि- आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। इस राशि की महिलाएं जो कोई बिजनेस करने की सोच रही है , उनके लिए आज का दिन अच्छा है। अपने बिजी शेड्यूल से थोड़ा समय ईश्वर की आराधना के लिए निकालने से आपका मन शांत रहेगा।

वृश्चिक राशि- आज का दिन सामान्य रहेगा। इस राशि के इंजीनियर्स के लिए आज का दिन फायदा देने वाला है। करियर में उतार-चढ़ाव से आप परेशान हो सकते हैं लेकिन किसी अनुभवी सीनियर्स की मदद से आपको थोड़ी राहत मिलेगी। आज घर में बच्चों के साथ आपका अच्छा टाइम बितेगा।

धनु राशि- आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। नौकरी कर रहे लोगो को आज पदोन्नती के अवसर मिलेंगे। ऑफिस में अच्छे परफोर्मेंस के लिए आपको सम्मानित किया जा सकता है। आज आपके तय किए काम समय से पूरे होते हुए नजर आयेंगे साथ ही कुछ काम वक्त से पहले पूरे करने की वजह से खुद के लिए खुशी मिलेगी।

मकर राशि- आपका दिन आज ठीक - ठाक रहेगा। इस राशि की महिलाओं के लिए आज का दिन बहुत ही खास है आप दिन का अधिक समय शॉपिंग में बिता सकती हैं। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को आज किसी कम्पनी से मेल आ सकती है।

कुम्भ राशि- आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। लोगों के विचार और आपके बारे में बोली गई बातों के कारण आप मन ही मन परेशान हो सकते है। इस राशि के स्टूडेंट आज अपनी पढाई को लेकर उत्साहित होंगे और ज्यादा समय पढाई में बीतेगा,

मीन राशि- आज आपका दिन खुशनुमा पल लेकर आया है। आज कोई बुजुर्ग या वरिष्ठ व्यक्ति आपको सही सलाह दे सकता है। आज आपको पुरानी बातें भी याद आ सकती हैं। आज व्यापारिक मामलों में आपकी व्यस्तता बढ़ेगी। आपकी आर्थिक स्थिति पहले से सामान्य होगी।

जर्मनी में विदेशी छात्रों को मिलती है कम कीमत में क्वालिटी एजुकेशन

दुनिया भर से पढ़ाई के लिए आने वाले छात्रों के लिए जर्मनी एक खुली और रंगबिरंगी सोसायटी है। अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए जर्मनी पहले ही हॉट स्पॉट बन चुका है और इसमें लगातार तेजी देखने को मिल रही है। जर्मनी में विदेशी छात्रों की संख्या बढ़कर 3.60 लाख पहुंच चुकी है यानी प्रत्येक सेमेस्टर में एक चौथाई छात्र विदेशी हैं।

दुनिया भर से पढ़ाई के लिए आने वाले छात्रों के लिए जर्मनी एक खुली और रंगबिरंगी सोसायटी है। अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए जर्मनी पहले ही हॉट स्पॉट बन चुका है और इसमें लगातार तेजी देखने को मिल रही है। जर्मनी में विदेशी छात्रों की संख्या बढ़कर 3.60 लाख पहुंच चुकी है यानी प्रत्येक सेमेस्टर में एक चौथाई छात्र विदेशी हैं।

जर्मनी में क्यों करें पढ़ाई

जर्मनी में पढ़ाई करने के कई कारण हैं जिसमें प्रमुख है शिक्षा की बेहतरीन गुणवत्ता, ट्यूशन फीस में छूट, शानदार करियर के मौके, इंगलिश में पढ़ाए जाने वाले इंटरनेशनल डिग्री प्रोग्राम आदि शामिल हैं। जर्मनी की यूनिवर्सिटिज की दुनिया में काफी प्रतिष्ठा है। टाइम्स हायर एजुकेशन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में जर्मनी की 47 यूनिवर्सिटिज दुनिया की सबसे अच्छी यूनिवर्सिटिज में शामिल हैं। आप इस बात पर विश्वास करें या नहीं लेकिन यह सच है कि जर्मनी की कई यूनिवर्सिटिज ट्यूशन फीस नहीं लेती हैं और यह बात विदेशी छात्रों पर भी लागू होती है। इसके अलावा यहां छात्रों के पास स्कॉलरशिप प्राप्त करने के भी कई मौके होते हैं खासतौर से जर्मन अकेडमिक एक्सचेंज सर्विस के जरिए। इसके भारत में कई ऑफिस हैं जो भारतीय छात्रों को उनकी जरूरत के हिसाब से कोर्स मुहैया कराती है।

भाषा

जर्मनी में विदेशी छात्र करीब 2 हजार ऐसे कोर्सेस में से अपनी पसंद का कोर्स चुन सकते हैं जिनकी पढ़ाई अंग्रेजी में कराई जाती है। इसलिए यहां जर्मन भाषा की समझ जरूरी नहीं है। हालांकि जर्मन भाषा को सीखना आगे आपके ही काम आएगा।

आइडिया का देश

जर्मनी शुरू से ही अविष्कारों का देश रहा है यहां प्रिंटिंग प्रेस से लेकर ऑटोमोबाइल और एमपी 3 फॉर्मेट का अविष्कार हुआ है। अभी तक करीब 80 जर्मन वैज्ञानिकों को नोबेल पुरस्कार मिल चुका है। वर्ल्ड इकोनॉमिक फॉरम की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक जर्मनी सबसे इनोवेटिव देश है। इसमें जर्मनी की यूनिवर्सिटिज अहम रोल निभाती है क्योंकि यहां रिसर्च काफी मजबूत है।

किसी जर्मन यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन करने के बाद छात्र 18 महीने जर्मनी में नौकरी ढूंढने के लिए रूक सकते हैं। जर्मनी इंडस्ट्रीयल इनोवेशन और मैनुफैक्चरिंग में वर्ल्ड लीडर है इसलिए यहां हर समय इंजिनियर्स की कमी रहती है। इसके अलावा यहां कई ऐसे शहर हैं जहां होली और दिवाली जैसे त्योहार मनाए जाते हैं जिसके कारण यह भारतीयों के लिए बेहतरीन डेस्टिनेशन है।

ये 5 वॉटर कोर्स दिलाएंगे विदेश जाने का मौका

अगर आप विदेश जाकर करियर बनाना चाहते हैं तो आपके लिए जरूरी आर्टिकल है। यहां पर हम यहां पर टॉप-5 वॉटर डिप्लोमैसी और डेवलपमेंट कोर्सेज के बारे में बता रहे हैं, जिनमें आप बेहतरी करियर बना सकते हैं। साथ ही लाखों-करोड़ों रुपये की कमाई भी कर सकते हैं।

पानी की कमी और खराब गुणवत्ता जैसी समस्याएं आज पूरी दुनिया में देखी जा रही हैं। सबसे बड़ी बात ये समस्याएं किसी एक देश की सीमाओं में नहीं सिमटी हैं। ऐसे में वैश्विक जल प्रबंधन के मुद्दों को सुलझाने के लिए कुशल रणनीतिकारों और विकास विशेषज्ञों की ज़रूरत है। दुनिया भर में कई देश अपने जल संसाधनों का प्रबंधन टिकाऊ तरीके से करने की चुनौती का सामना कर रहे हैं। इस क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए ऐसे लोगों की जरूरत है जिनके पास सही विशेषज्ञता और व्यावहारिक ज्ञान दोनों का मिश्रण हो।

क्रॉस कल्चरल कम्यूनिकेशन स्किल

वैश्विक स्तर पर टिकाऊ जल कूटनीति के लिए सबसे महत्वपूर्ण कारक विभिन्न संस्कृतियों के बीच संवाद स्थापित करना और वैश्विक भाषाई परिवेश में काम करना सीखना है। पेशेवर कूटनीतिज्ञों को कूटनीतिक वार्ता, हितधारकों को जोड़ने और नीतिगत पैरवी करते समय सावधानी और खुले दिमाग का परिचय देना चाहिए।

तकनीकी विशेषज्ञता

जल विज्ञान, जल प्रबंधन सिद्धांतों और पर्यावरण विज्ञान में मजबूत आधार होना इस पेशे की नींव है। जल मॉडलिंग, जीआईएस और डेटा विश्लेषण में विशेषज्ञता आमतौर पर हायर करने वाले ढूंढते हैं।

नीति विश्लेषण और विकास

जल क्षेत्र का मूल जल नीतियों का विश्लेषण करना, उनके लागू करने के परिणामों का अध्ययन करना और बेहतर, टिकाऊ जल संसाधन प्रबंधन रणनीतियों के विकास में शामिल होना है।

वार्ता और समाधान

जल पेशेवरों में कूटनीतिक स्किल मजबूत होनी चाहिए और उन्हें विवादों का समाधान करने में सक्षम होना चाहिए ताकि पानी तनाव और संघर्ष का कारण न बने।

कोर्सेज एंड ट्रेनिंग, वाटर डिप्लोमेसी एंड गवर्नेंस

अंतर्राष्ट्रीय जल कानून, सीमा पार जल प्रबंधन और कूटनीति पर बल देने वाले पाठ्यक्रम छात्रों को साझा जल संसाधनों के प्रबंधन में शामिल जटिल मुद्दों की बुनियादी समझ प्रदान करने के लिए डिजाइन किए गए हैं।

पर्यावरण नीति और रेगुलेशन

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वच्छ जल संसाधनों के लिए नियामक व्यवस्थाओं की जानकारी होना उचित कानून और रणनीतियां बनाने के लिए ज़रूरी है।

परियोजना प्रबंधन

बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को सफलतापूर्वक चलाने के लिए नेतृत्व क्षमता, बजट बनाने का कौशल, सहयोग और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों वाली टीम वर्क की आवश्यकता होती है।

जल विज्ञान और जल प्रबंधन

ऐसे तकनीकी पाठ्यक्रम मौजूद हैं जो जल विज्ञान मॉडलिंग, जलग्रहण क्षेत्र प्रबंधन और एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन जैसे विषयों पर पढ़ाते हैं। ये पाठ्यक्रम जल संसाधनों के टिकाऊ उपयोग के लिए व्यावहारिक शिक्षा प्रदान करते हैं।

अंतर-सांस्कृतिक संचार और वार्ता

इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम अंतर-सांस्कृतिक संचार और वार्ता कौशल पर केंद्रित होते हैं, जो वैश्विक जल क्षेत्र में विभिन्न हितधारकों के साथ सफलतापूर्वक बातचीत करने की क्षमता प्रदान करते हैं।

पेशेवर विकास कार्यक्रम

संयुक्त राष्ट्र, विश्व बैंक और क्षेत्रीय विकास बैंक जैसे संगठन अवसर जल संसाधन प्रबंधन और अंतर्राष्ट्रीय विकास के क्षेत्र में काम करने वाले व्यक्तियों के लिए पेशेवर विकास कार्यक्रम और प्रशिक्षण के अवसर प्रदान करते हैं।

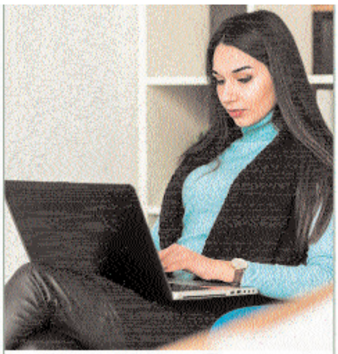

ये हैं देश की सबसे महंगी डिग्रियां, जानिए एवरेज फीस

समय के साथ देश में शिक्षा भी महंगी हो गई है। शायद यही वजह है कि अब कुछ डिग्रियों को प्राप्त करने के लिए युवाओं को ज्यादा पैसे खर्च करने पड़ते हैं। हालांकि, सरकारी कॉलेजों में फीस फिर भी कम है। लेकिन प्राइवेट कॉलेजों कई कोर्सेज के फीस बहुत ही ज्यादा है। ऐसे में आइए हम आपको बताते हैं देश की सबसे महंगी डिग्रियों के बारे में

भारत में मेडिकल, इंजीनियरिंग सहित कई कोर्स संचालित किए जाते हैं। कई कोर्स ऐसे होते हैं जिन्हें करने के बाद बढ़िया सैलरी भी मिलती है। हालांकि, ये डिग्रीयां महंगी भी होती हैं। ऐसे में आइए हम आपको बता दें कि देश की सबसे महंगी डिग्रियों के बारे में?

मेडिसिन

मेडिसिन की डिग्री भारत में महंगी डिग्री में एक है। मेडिसिन की पढ़ाई सरकारी कॉलेजों में सस्ती होती है। लेकिन अगर प्राइवेट कॉलेजों की बात करें तो मेडिसिन की डिग्री के लिए 50 लाख से 1 करोड़ रुपये तक खर्च करना पड़ सकता है।

इंजीनियरिंग डिग्री

भारत में इंजीनियरिंग डिग्री के लिए सरकारी स्कूलों में फीस एक वर्ष की 2 लाख रुपये तक है। लेकिन प्राइवेट कॉलेजों की बात करें तो इंजीनियरिंग के लिए 10 लाख रुपये या फिर उससे ज्यादा तक की फीस एक वर्ष के लिए देना पड़ सकता है।

बिजनेस डिग्री

बिजनेस मैनेजमेंट सहित अन्य कोर्सेज के लिए आईआईएम सहित अन्य सरकारी कॉलेजों को छोड़कर स्टूडेंट्स 20 से 25 लाख रुपये तक खर्च करना पड़ सकता है। हालांकि, प्राइवेट इंस्टीट्यूट में स्टूडेंट्स को कई तरह की स्कॉलरशिप भी दी जाती है।

लॉ कोर्सेज

लॉंग की डिग्री लेने के लिए प्राइवेट कॉलेजों में स्टूडेंट्स को कुल 10 लाख रुपये तक खर्च करने पड़ सकते हैं। बदलते दौर के साथ लॉ के क्षेत्र में करियर ऑप्शन भी बढ़ गए हैं। जिसके चलते बड़ी संख्या में हर वर्ष स्टूडेंट्स लॉ की पढ़ाई करते हैं। यही वजह है कि कई प्राइवेट कॉलेजों की तरफ से फीस भी बढ़ा दी गई है।

एविएशन

एविएशन की डिग्री भी देश की महंगी डिग्रियों में एक है। एविएशन की पढ़ाई के लिए स्टूडेंट्स को 5 लाख रुपये से 15-20 लाख रुपये की फीस एक वर्ष की देनी पड़ सकती है। हालांकि, एविएशन की पढ़ाई के बाद स्टूडेंट्स को बढ़िया सैलरी भी मिलती है।

डिजाइन

डिजाइन कोर्सेज की गिनती भी महंगी डिग्रियों में होती है। देश के कई संस्थानों से डिजाइन कोर्सेज को करने के लिए स्टूडेंट्स को 10 से लाख रुपये तक खर्च करने पड़ सकते हैं। हालांकि, डिजाइन कोर्स करने वाले स्टूडेंट्स को बढ़िया सैलरी भी मिलती है।

फूड स्टार्टअप्स में ऐसे बनाएं करियर

बदलते जमाने के साथ लोग परंपरागत कोर्सेज से हटकर कुछ ऐसे नए कोर्स कर रहे हैं, जिससे वे न सिर्फ पैसा कमा कर रहे हैं, बल्कि अपना सपना भी पूरा कर रहे हैं। इन्हीं फील्ड में फूड स्टार्टअप भी नया विकल्प बनकर उभरा है। जिसमें आप बेहतर करियर बना सकते हैं।

खाने की दुनिया लगातार बदल रही है और इस बदलाव में सबसे आगे चल रहे हैं फूड आंत्रप्रेन्योर्स। ये नई पीढ़ी के बिजनेस करने वाले लोग परंपरागत रेस्टोरेंट के तरीकों को तोड़ रहे हैं। ये ना सिर्फ खाने के बारे में हमारे नजरिए को बदल रहे हैं, बल्कि खाने से जुड़े स्टार्टअप्स में रोजगार के नए मौके भी पैदा कर रहे हैं। अगर आप भी इस रोमांचक फील्ड में करियर बनाने की सोच रहे है, तो सबसे पहले ये जानना जरूरी है कि फूड बिजनेस से जुड़े कौन-कौन से कोर्स हैं, करियर के कौन से विकल्प मौजूद हैं और आपको किन खासियतों की ज़रूरत होगी।

पाठ्यक्रम और शिक्षा

अच्छा खाना पकाने की शिक्षा के बिना ज्यादातर फूड एंटरप्रेन्योर्स अपना सपना पूरा नहीं कर पाते। वैसे तो कुकिंग स्कूल क्लासिकल और प्रैक्टिकल तरीके से खाना बनाना सिखाने के साथ-साथ किचन मैनेजमेंट भी सिखाते हैं, लेकिन फूड एंटरप्रेन्योरशिप कोर्स रेस्टोरेंट इंडस्ट्री में बिजनेस चलाने के बारे में पूरी जानकारी देते हैं। इन कार्यक्रमों में खासतौर पर फूड प्रोडक्ट डेवलपमेंट, मार्केटिंग और फाइनेंशियल मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में जानकारी दी जाती है। इससे भविष्य के फूड एंटरप्रेन्योर्स को बिजनेस में आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए जरूरी स्किल्स हासिल हो जाते हैं।

फूड स्टार्टअप्स में करियर विकल्प

शेफप्रेन्योर

जो लोग खाने के क्षेत्र में नयापन लाना चाहते हैं, उनके लिए शेफप्रेन्योर बनना एक बेहतरीन विकल्प है। ये क्रिएटिव फूड प्रोडक्ट डेवलपर होते हैं, जो अपने पाक कला के हुनर से ऐसे प्रोडक्ट्स बनाते हैं, जिनका स्वाद ग्राहकों के जहन में बस जाता है और उनकी ब्रांड प्रतियोगिता में अलग पहचान बनाती है।

फूड टेक्नोलॉजिस्ट

फूड टेक्नोलॉजिस्ट वो प्रोफेशनल्स होते हैं, जो खाने के सामान बनाने और उनकी खासियतों को बनाए रखने में माहिर होते हैं। फूड साइंस और टेक्नोलॉजी के ज्ञान का इस्तेमाल करते हुए ये प्रोडक्ट की क्वालिटी, सुरक्षा और शेल्फ लाइफ सुनिश्चित करते हैं, साथ ही नए प्रोडक्ट बनाने और मौजूदा प्रोडक्ट्स को बेहतर बनाने के अवसर तलाशते हैं।

मार्केटिंग और ब्रांडिंग स्पेशलिस्ट

फूड स्टार्टअप बाजार में सफलता के लिए अच्छी मार्केटिंग और ब्रांडिंग बहुत जरूरी है। मार्केटिंग प्रोफेशनल्स सोशल मीडिया, इनफ्लुएंसर कोलैबोरेशन और एक्सपीरियंसल मार्केटिंग कैम्पेन्स जैसे अलग-अलग मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए ब्रांड रिकॉल, लॉयल्टी और डिमांड पैदा करने के लिए अपने क्रिएटिव स्किल्स और रणनीतिक सोच का इस्तेमाल करते हैं।

सप्लाई चेन और ऑपरेशन्स मैनेजर

फूड स्टार्टअप की सफलता के लिए किसी भी काम की तरह सप्लाई चेन का सुचारू रूप से चलना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। सप्लाई चेन और ऑपरेशन्स मैनेजर सामान मंगवाने, प्रोडक्शन प्रोसेस को लागू करने और लॉजिस्टिक सपोर्ट का समन्वय करते हैं, जिससे पूरी सप्लाई चेन एक कुशल और पर्यावरण के अनुकूल तरीके से चलती है।

निधन
इंद्रा देवी बैद

कोरिया बैकुंठपुर (अम्बिकावाणी समाचार) / चरचा निवासी प्रतिष्ठित व्यवसाई सर्व मानिक चंद बैद की पत्नी इंद्रा देवी बैद का हदय गति रुक जाने के कारण निधन हो गया वे ७५वर्ष के थे उनका अंतिम संस्कार चरचा कालरी के मुक्ति धाम में किया गया मुखाग्नि बड़े पुत्र मनोज पंकज ने दी वे अपने पीछे २पुत्र२पुत्री का भरा पूरा परिवार छोड़ गए उनकी अंतिम यात्रा में काफी गणमान्य शामिल थे।

वर्षा ऋतु में संचालित होने योग्य मनरेगा कार्यों को प्राथमिकता

कोरिया बैकुंठपुर।(अम्बिकावाणी समाचार) / जिले में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के अंतर्गत वर्षा ऋतु के दौरान जरूरतमंद परिवारों को रोजगार उपलब्ध कराने हेतु जिला पंचायत ने कार्ययोजना तेज कर दी है। इस क्रम में ऐसे कार्य चयनित किए जा रहे हैं जो वर्षा काल में भी संचालित हो सकें, ताकि श्रमिकों को सतत रोजगार मिलता रहे।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने जिले के बैकुण्ठपुर एवं सोनहत जनपद पंचायतों व कार्यक्रम अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि विगत वर्षों के अधूरे पक्के कार्य, जिन्हें वर्षा काल में पूर्ण किया जाना संभव है, उन्हें प्राथमिकता देते हुए शीघ्रता से पूर्ण कराया जाए। दूसरी ओर, मिट्टी से संबंधित ऐसे कार्य, जिनका वर्षा काल में सटीक मापन संभव नहीं होता, उन्हें किसी भी स्थिति में संचालित न करने के निर्देश जारी किए गए हैं।

सभी तकनीकी अमले को निर्देशित किया गया है कि प्रगतिरत अथवा हाल ही में पूर्ण हुए मिट्टी कार्यों का मूल्यांकन एवं सत्यापन, वर्षा प्रारंभ होने से पूर्व अनिवार्य रूप से किया जाए। साथ ही, प्रत्येक कार्य की फोटोग्राफी भी सुनिश्चित की जाए, जिससे कार्यों की पारदर्शिता एवं गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके।

तकनीकी दिशा-निर्देश जारी

अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए गए हैं कि वर्षा ऋतु में महात्मा गांधी नरेगा के प्रावधानों के अनुसार कार्यों की तकनीकी उपयुक्तता को ध्यान में रखते हुए ही उन्हें मंजूरी दी जाए। साथ ही मनरेगा के महत्वपूर्ण संकेतकों जैसे मजदूरी भुगतान समय-सीमा, मानव दिवस सृजन, कार्यस्थल प्रबंधन आदि पर नियमित रूप से समीक्षा कर रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों एवं तकनीकी कर्मचारियों से अनुरोध किया है कि वे वर्षा ऋतु के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), नवीन पंचायत भवन, आंगनबाड़ी भवन, खाद्यान्न भंडारण भवन, बकरी, मुर्गी, पशु, सुअर शेड निर्माण, नाडेप कम्पोस्ट संरचना, वर्मी कम्पोस्ट संरचना का निर्माण, श्मशान घाट निर्माण के अलावा नर्सरी तैयार एवं ब्लॉक, सड़क किनारे एवं तटीय किनारे, बंजर भूमि के किनारे आदि पर वृक्षारोपण किया जाएगा। वर्षा काल में भी मनरेगा के माध्यम से जरूरतमंद श्रमिकों को राहत मिल सके और योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन हो सके।

पेनाल्टी शूट आउट में कोरबा ने मनेंद्रगढ़ को फाइनल में दी शिकस्त

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। प्रेसीडेंट क्लब फ्लड लाइट फुटबाल टूनार्मेंट का फाइनल मैच मनेंद्रगढ़ और कोरबा के मध्य खेला गया। रोमांचक मुकाबले में कोरबा की टीम ने मनेंद्रगढ़ को पेनाल्टी शूट आउट में हराकर खिताब अपने नाम किया। फाइनल मैच का लुत्फ उठाने के लिए बड़ी संख्या में खेलप्रेमी दर्शक ग्राउंड में उपस्थित रहे।

रेलवे ग्राउंड मनेंद्रगढ़ में नगर पालिका मनेंद्रगढ़ व रेलवे इंस्टीट्यूट के संयुक्त तत्वावधान में एक सप्ताह तक चले प्रेसीडेंट क्लब फुटबॉल टूनार्मेंट का खेलप्रेमियों ने भरपुर लुत्फ उठाया। ३ जून को टूनार्मेंट का फाइनल मैच मनेंद्रगढ़ और कोरबा की टीम के मध्य खेला गया। रोमांचक मुकाबले में दोनों टीमों की ओर से १-१ गोल करने के बाद कोरबा की टीम ने पेनाल्टी शूट आउट में मनेंद्रगढ़ को ५-३ से शिकस्त देकर विजेता ट्रॉफी अपने नाम की। विजेता टीम को नपाध्यक्ष प्रतिभा यादव एवं उप विजेता टीम को रेलवे सहायक मंडल अभियंता अजय कुमार गुप्ता ने पुरस्कृत किया। विशेष पुरस्कार सरसंघ चालक नीरज अग्रवाल ने दिया। सभी अतिथियों ने दोनों विजेता एवं उप विजेता टीम के खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। आयोजन समिति ने टूनार्मेंट को सफल बनाने में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग प्रदान करने वालों के प्रति आभार व्यक्त किया।

शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण से शिक्षा व्यवस्था होगी सुदृढ़

अतिशेष शिक्षकों के समायोजन से शिक्षकों की कमी होगी पूरी

कोरिया बैकुंठपुर (अम्बिकावाणी समाचार) / कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी की अध्यक्षता में जिला पंचायत के मंथन कक्ष में समिति के सदस्यों की उपस्थिति में शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण किया गया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर अरुण कुमार मरकाम, जिला शिक्षा अधिकारी जितेंद्र गुप्ता व विकासखंड शिक्षा अधिकारी भी उपस्थित थे।

शासन के निर्देश के तहत शालाओं एवं शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण किए जाने से शिक्षा की गुणवत्ता में वृद्धि होगी। इसके साथ ही विद्यार्थियों के परीक्षा परिणाम भी अच्छा होगा। प्रदेश के विभिन्न स्तर के शालाओं में अतिरिक्त अतिशेष शिक्षकों को अतिरिकत शिक्षकों को युक्तियुक्तकरण किए जाने से विद्यार्थियों को अध्ययन में लाभ मिलेगा। इसी तरह स्कूलों के युक्तियुक्तकरण से फायदा मिलेगा।

जिला शिक्षा अधिकारी जितेंद्र गुप्ता ने बताया कि कोरिया जिले में सहायक शिक्षक के ८१, शिक्षक के ३३ तथा व्याख्याता के ७ पदस्थापना आदेश आज काउंसलिंग उपरांत जारी की गई है। उन्होंने बताया कि युक्तियुक्तकरण स्कूल के साथ-साथ शिक्षकों के लिए इसलिए आवश्यक था, क्योंकि बहुत सारे स्कूल जो शहरी क्षेत्रों में है, वहां दर्ज संख्या के मान से ज्यादा शिक्षक कार्यरत हैं। दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षकों की कमी है। स्कूल युक्तियुक्तकरण एवं शिक्षक युक्तियुक्तकरण से जहां-जहां शिक्षकों की कमी है, वहां शिक्षकों की पूर्ति किया जाना संभव हुआ। उन्होंने बताया कि शिक्षकों का समायोजन से निश्चित रूप से परीक्षा परिणाम में भी बेहतर सुधार होगा और शिक्षक युक्तियुक्तकरण से इसकी कमी की पूर्ति की जा सकेगी और जिले की शिक्षा व्यवस्था को और बेहतर किया जा सकेगा। पूरी पारदर्शिता के साथ युक्तियुक्तकरण किया गया है।

जिला जेल बैकुण्ठपुर में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन

कोरिया बैकुंठपुर (अम्बिकावाणी समाचार) / जिला जेल बैकुण्ठपुर में जेल प्रशासन एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में परिरूद्ध बंदियों के लिए विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव श्रीमती अमृता दिनेश मिश्रा द्वारा की गई। शिविर में पैनल अधिवक्ता अजय सिंह एवं के.बी. नामदेव द्वारा बंदियों को भारतीय न्याय प्रणाली, भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) एवं विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा प्रदत्त निःशुल्क विधिक सहायता संबंधी जानकारी प्रदान की गई।कार्यक्रम में कुल १४९ बंदियों ने भाग लिया एवं लाभान्वित हुए।

इस अवसर पर सहायक जेल अधीक्षक एस. के. आबिद रजा ने बताया कि जेल प्रशासन द्वारा जेल मुख्यालय एवं शासन के निदेर्शों के अनुरूप निरंतर रूप से निशक्त एवं असहाय बंदियों को विधिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है ताकि वे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होकर न्यायिक प्रक्रिया का लाभ उठा सकें।

जनकपुर में फर्जी डिग्री इंस्टीट्यूट की शिकायत पर संस्था सील

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। जिले के नगर पंचायत जनकपुर में संचालित डॉ. भीमराव अंबेडकर एजुकेशन इंस्टीट्यूट के नाम पर बीसीए/एमसीए/पीजीडीसीए डिग्री देने वाली फर्जी संस्था का खुलासा हुआ है, जिसे प्रशासन ने जांच उपरांत सील कर दिया है।

इस संबंध में शिकायतकर्ता सुनील पांडेय द्वारा कलेक्टर को की गई शिकायत के आधार पर एसडीएम भरतपुर के द्वारा की गई जांच में उक्त संस्था गैर मान्यता प्राप्त और फर्जी पाई गई। जांच के बाद प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए संस्थान को तत्काल सील कर दिया है। बताया गया है कि यह फर्जी संस्था पिछले एक वर्ष से संचालन में थी, जिसका संचालन प्रदीप कुमार वर्मा पिता मथुरा प्रसाद द्वारा किया जा रहा था। संचालक ने रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी, महर्षि दयानन्द कंप्यूटर साक्षरता संस्थान, एशियाई इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी जैसी संस्थाओं से मान्यता प्राप्त डिग्री देने का झूठा दावा करते हुए फजीर्वाड़ा किया। कलेक्टर के निर्देश पर तहसीलदार भरतपुर द्वारा भरतपुर के कोटाडोल तिराहा के निकट स्थित इस फर्जी केंद्र का बोर्ड उतरवाकर संस्थान को सील कर दिया गया।

भारत विरोधी बयानबाजी पर फिर घिरे बिलावल भुट्टो, पत्रकार ने याद दिलाया भारत का जवाब

न्यूयॉर्क ,04 जून। पाकिस्तान को एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर असहज स्थिति का सामना करना पड़ा है। न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी अपने भारत विरोधी प्रोपेगैंडा वाले बयान के कारण सवालों के घेरे में आ गए। हालांकि, उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच आतंकवाद से मिलकर लड ? और खुफिया जानकारी साझा करने का सुझाव भी दिया, जिस पर फिलहाल भारत की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

वायरल हो रहे एक वीडियो में बिलावल भुट्टो मंच पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस दौरान एक पत्रकार ने उनके हालिया बयान का जिक्र किया, जिसमें उन्होंने कश्मीर में हुए आतंकवादी हमले को राजनीतिक हथियार के तौर पर इस्तेमाल करने और भारत में मुसलमानों को शैतानों की तरह दिखाने की बात कही थी।

पत्रकार ने बिलावल भुट्टो को याद दिलाया कि उन्होंने दोनों देशों की ब्रीफिंग देखी है और उन्हें स्पष्ट रूप से याद है कि भारत की ओर से ब्रीफिंग देने वाली सैन्य अधिकारियों में एक मुस्लिम महिला भी शामिल थीं। दरअसल, यह प्रतिक्रिया भारत द्वारा पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में 7 मई को पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों पर किए गए हमले के बाद दी गई ब्रीफिंग के संदर्भ में थी। इस ऑपरेशन सिंदूर की ब्रीफिंग कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने की थी। विंग कमांडर सिंह भारतीय वायुसेना में हेलीकॉप्टर पायलट हैं। ब्रीफिंग के दौरान उनके साथ विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री भी मौजूद थे।

दाई-बाबा दिवस पर जिले में हेल्थ मेला आयोजित

बुजुर्गों के स्वास्थ्य की हुई विशेष जांच

कोरिया बैकुंठपुर (अम्बिकावाणी समाचार) / जिले में बुजुर्गों के सम्मान और स्वास्थ्य सुरक्षा को समर्पित 'दाई-बाबा दिवस' के अवसर पर आज जिले के आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में हेल्थ मेला का आयोजन किया गया। यह आयोजन कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी के निर्देशन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रशांत सिंह के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

' हम अपने बड़ों का ध्यान कैसे रखें' इस थीम पर आधारित इस विशेष शिविर का उद्देश्य वृद्धजनों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना, उन्हें बीमारियों के प्रति जागरूक करना तथा आयुष्मान भारत योजना से जोड़ना रहा।

मेले का शुभारंभ ग्रामीण बुजुर्गों, पंचायत प्रतिनिधियों और जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में हुआ। शिविर में बड़ी संख्या में बुजुर्गों ने भाग लिया। उन्हें प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। साथ ही।उच्च रक्तचाप और रक्त शर्करा (शुगर), मोतियाबिंद एवं हड्डियों की जांच की गई। मानसिक स्वास्थ्य परामर्श, वृद्धावस्था पोषण संबंधित जानकारी तथा आयुष आधारित चिकित्सा व सुझाव दी गई।

इसके साथ ही जिन बुजुर्गों के पास आयुष्मान भारत कार्ड नहीं थे, उनके कार्ड बनाए गए और उन्हें डिजिटल हेल्थ आईडी से जोड़ा गया। इससे वे आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत निःशुल्क स्वास्थ्य लाभ ले सकेंगे।कार्यक्रम में बुजुर्गों ने स्वास्थ्य सेवाओं को उपयोगी बताया और जिला प्रशासन के प्रयासों की सराहना की।

पाकिस्तान में सुरक्षा बलों का बड़ा अभियान, 14 आतंकवादी ढेर

पेशावर ,04 जून। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान के अफगानिस्तान सीमा से सटे एक कबायली जिले में बड़ी कार्रवाई की है। बुधवार को सैन्य मीडिया विंग ने जानकारी दी कि खुफिया सूचना के आधार पर चलाए गए इस अभियान में 14 आतंकवादियों को मार गिराया गया है। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (ढ्ढस्क्कक्र) की ओर से जारी बयान के अनुसार, यह अभियान 2 और 3 जून, 2025 को उत्तरी वजीरिस्तान जिले के दत्ता खेल में चलाया गया, जहाँ आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी। ढ्ढस्क्कक्र के बयान में कहा गया कि सुरक्षा बलों ने इलाके में एक आतंकवादी ठिकाने पर छापा मारा। इस दौरान हुई भीषण गोलीबारी में 14 आतंकवादी मारे गए। बयान में यह भी कहा गया कि क्षेत्र में अन्य आतंकवादियों का सफाया करने के लिए अभियान अभी भी जारी है। पाकिस्तानी सुरक्षा बल देश से आतंकवाद के खतरे को पूरी तरह से खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और लगातार काम कर रहे हैं।

यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई है जब हाल ही में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (ञ्जञ्जक्क) के कम से कम 41 आतंकवादी अफगानिस्तान से पाकिस्तान में घुसपैठ की कोशिश के दौरान उत्तरी वजीरिस्तान के कबायली जिले बिबक घर इलाके के पास मुठभेड़ में मारे गए थे। मारे गए आतंकवादियों में से अधिकांश अफगान नागरिक थे। गौरतलब है कि टीटीपी की जड़ें अफगानिस्तान के तालिबान आंदोलन से जुड़ी हुई हैं, लेकिन यह संगठन पाकिस्तान में स्वतंत्र रूप से सक्रिय है।

शिवपुर चर्चा के गौरव पथ से जनमानस त्रस्त

० जर्जर सड़क पर निर्माण सामग्री का ढेर ...... ० आवागमन हुआ बाधित.....

चर्चा कॉलरी.......प्रदेश शासन द्वारा शहरी क्षेत्रों में नागरिकों के लिए आवागमन को सुगम, सरल एवं गौरवपूर्ण बनाने की मंशा से प्रत्येक नगरीय निकाय में ₹गौरव पथ₹ का निर्माण कराया गया था। इसका उद्देश्य यह था कि नागरिक जब इन मार्गों पर चलें तो उन्हें गर्व का अनुभव हो। किंतु नगर पालिका शिवपुर चर्चा का गौरव पथ आज खुद उपेक्षा का प्रतीक बन गया है। गौरव पथ पर अनेक स्थानों पर सड़क की परतें उखड़ चुकी हैं। कई स्थानों पर सड़कें पूरी तरह से जर्जर हो चुकी हैं, जिससे वाहन चालकों व पैदल चलने वालों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। वर्तमान में गौरव पथ में विगत कई दिनों से कुछ लोगों द्वारा मनमाने ढंग से निर्माण सामग्री जैसे रेत, गिट्टी, ईंटें आदि निर्माण सामग्री सड़क के बीचोंबीच गिराया गया हैं। इससे न केवल रास्ता बाधित होता है बल्कि कई लोग सड़क पर पड़ी रेत से फिसलकर घायल भी हो चुके हैं।

विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि गौरव पथ के लिए डामरीकरण (डामर रोड निर्माण) का कार्य प्रस्तावित था और इसके लिए राशि का निर्धारण कर निदा भी लगभग छह महापुरुष निकल गई थी किंतु दुर्भाग्यवश आज तक यह कार्य लंबित है। निधि स्वीकृत होने के बावजूद काम की शुरूआत न होना प्रशासनिक उदासीनता और पारदर्शिता की कमी को दशार्ता है कुछ दिनों के पश्चात बारिश का मौसम है ऐसी स्थिति में यह सड़क और भी जानलेवा साबित होगी स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि पालिका प्रशासन तत्काल इस दिशा में ठोस पहल करे। सड़क की मरम्मत, डामरीकरण कार्य की शुरूआत, अतिक्रमण हटाने तथा निर्माण सामग्री के अनियंत्रित भंडारण पर रोक लगाने के लिए उचित कार्यवाही की जाए, जिससे आम जन को राहत मिल सके

₹₹सड़क पर निर्माण सामग्री गिराने वालों के प्रति कार्रवाई की जाएगी, इसके अतिरिक्त गौरव पथ के डामरीकरण हेतु संबंधित ठेकेदार को कई बार नोटिस दिया गया है₹₹

वशिष्ठ कुमार ओझा
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
शिवपुर चर्चा

आम बागवानी के हितग्राहियों का एकदिवसीय भ्रमण

कोरिया बैकुंठपुर, ४ जून २०२५: वाटर संस्था के द्वारा अंधेरी हिलफे के सहयोग से किसानों के लिए एक दिवसीय आम बागवानी के प्रदर्शन भ्रमण का आयोजन मध्य प्रदेश के कोतमा अंतर्गत बसखली गांव में प्रगतिशील कृषक श्री स्वामी लाल एवं श्री शिवदास सिंह के बगान में किया गया। जिसमें बैकुंठपुर के सोंस नरकेली एवं मुरमा क्लस्टर के ६० हितग्राही किसानों ने भाग लिया। जहाँ प्रतिभागियों ने आधुनिक बागवानी तकनीकों, उन्नत किस्मों, सिंचाई व्यवस्था, और कीट-प्रबंधन जैसे विषयों पर व्यावहारिक जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम में श्री उमेश मौर्या, दीपक सकत एवं सूरज ने आम की किस्मों जैसे दशहरी, लंगड़ा, चौसा और अम्रपाली की विशेषताओं पर प्रकाश डाला साथ ही, जैविक खाद, ड्रिप सिंचाई, रोग नियंत्रण व कटाई-छँटाई की विधियों का भी प्रदर्शन किया गया। श्री उमेश मौर्या ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि ₹ऐसे प्रदर्शन भ्रमण किसानों के लिए सीखने का उत्कृष्ट माध्यम हैं। इससे उन्हें नई तकनीकों को देखने और अपनाने की प्रेरणा मिलती है।₹ कार्यक्रम के अंत में किसानों ने प्रश्नोत्तर सत्र में भाग लिया और अपने अनुभव साझा किए। आयोजन के लिए सभी प्रतिभागियों ने आयोजकों का आभार व्यक्त किया।

कमल हासन की ठग लाइफ का तीसरा गाना ओ मारा हुआ रिलीज

यूनिवर्सल हीरो कमल हासन की गैंगस्टर एक्शन ड्रामा फिल्म ठग लाइफ का प्रमोशन जोरों पर है, जिसका निर्देशन मणिरत्नम कर रहे हैं। ट्रेलर को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली, जबकि पहले दो गाने म्यूजिक चार्ट में सबसे ऊपर रहे। आज, निमार्ताओं ने तीसरे सिंगल- ओ मारा का लिरिकल वीडियो जारी किया। वॉल्यूम बढ़ाएँ। एआर रहमान की रचना आपको एड्रेनालाईन से भरपूर सवारी प्रदान करती है जिसे आप कभी नहीं भूलेंगे। जो मधुर शुरू होता है वह जल्दी ही एक संक्रामक बीट में बदल जाता है जो आपको पूरी तरह से बांध लेता है। प्रत्येक छंद के साथ, ऊर्जा बढ़ती जाती है,

जो फिल्म में एक गैंगस्टर के रूप में सिम्बू के साहसी और लापरवाह चरित्र को पूरी तरह से दर्शाती है।

आरसीबी बनी चैंपियन, पंजाब को हराकर जीता पहला आईपीएल खिताब

0-17 सालों का सूखा खत्म कर ट्रॉफी की अपने नाम 0-विराट कोहली रहे मैच के हीरो

अहमदाबाद,04 जून। आईपीएल 2025 की चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बन गई है. आरसीबी ने पंजाब किंग्स को फाइनल मुकाबले में 6 रनों से हराकर अपनी पहली आईपीएल ट्रॉफी जीती है. आईपीएल के 18 सालों के इतिहास में पहली बार है जब आरसीबी ने आईपीएल का टाइटल जीता है. ये आरसीबी का चौथा फाइनल था जिसे जीतकर उसने अपना पहला खिताब उठाया है. इससे पहले 2009, 2011 और 2106 में उसे फाइनल में हार का सामना करना पड़ा था.

इस फाइनल मुकाबले में पंजाब किंग्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया. इसके बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 190 रन बनाए हैं. पंजाब किंग्स जीत के लिए मिले 191 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट गंवाकर 184 रन ही बना पाई और 6 रनों से मैच हार गई. इसके साथ ही पंजाब किंग्स के चैंपियन बनने और अपना पहला आईपीएल खिताब जीतने का सपना पूरी तरह से टूट गया.

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से जीत के लिए मिले 191 रनों के लक्ष्य का पीछा करने के लिए पंजाब किंग्स की ओर से पारी की शुरूआत प्रभसिमरन सिंह और प्रियांश आर्य ने की. इन दोनों ने पहले विकेट के लिए 4.6 ओवर में 43 रनों की साझेदारी की. पंजाब को पहला झटका प्रियाश के रूप में लगा. प्रियांश 19 बॉल में 4 चौकों के साथ 24 रन बनाकर जोश हेजलवुड की बॉल पर फिल साल्ट के हाथों बाउंड्री लाइन पर कैच आउट हुए. इसके बाद पंजाब को दूसरा झटका प्रभसिमरन सिंह के रूप में लगा. प्रभसिमरन सिंह 26 रनों के निजी स्कोर पर क्रुणाल पांड्या की गेंद पर पॉइंट पर मौजूद भुवनेश्वर कुमार को कैच दे बैठे.

पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर को 1 रन के निजी स्कोर पर रोमारियो शेफर्ड ने जितेश शर्मा के हाथों विकेट के पीछे कैच आउट करा दिया. इसके बाद जोश इंग्लिस भी पवेलियन लौट गए.पंजाब को चौथा झटका जोस इंग्लिस के रूप में लगा. उन्हें क्रुणाल पांड्या के लियाम लिविंगस्टोन के हाथों लॉग ऑन पर कैच आउट कराया. जोस इंग्लिस ने 23 बॉल में 1 चौके और 4 छक्कों के साथ 39 रनों की पारी खेली.

इसके बाद पंजाब किंग्स के लिए नेहाल वढेरा 15, मार्कस स्टोइनिस 6, अजमतुल्लाह उमरजई 1 बनाकर आउट हो गए और पंजाब के जीतने की उम्मीद लगभग खत्म हो गईं. अंत में पंजाब के लिए शशांक सिंह ने शानदार पारी खेली. शशांक ने 30 बॉल में 3 चौके और 6 छक्कों के साथ 60 रनों की नाबाद पारी खेली और मैच के टॉप स्कोरर रहे. आरसीबी के लिए क्रुणाल पांड्या और भुवनेश्वर कुमार ने 2-2 विकेट चटकाए जबकि यश दयाल, जोश हेजलवुड और रोमारियो शेफर्ड ने 1-1 विकेट हासिल किया.

इससे पहले आरसीबी के लिए इस मैच पारी की शुरूआत करने के लिए फिल साल्ट और विराट कोहली आए. साल्ट 16 रन बनाकर पवेलियन लौट गए. इसके बाद मयंक अग्रवाल 24 और रजत पाटीदार 26 रन बनाकर पवेलियन लौट गए. आरसीबी के लिए में सबसे ज्यादा रन विराट कोहली ने बनाए. विराट ने 35 बॉल में 3 चौकों के साथ 43 रनों की पारी खेली. टीम के लिए जितेश शर्मा ने 10 बॉल में 2 चौके और 2 छक्कों के साथ 24 रनों की पारी खेली. इन दोनों के अलावा लियाम लिविंगस्टोन ने 15 बॉल 25 बनाए.

पंजाब किंग्स के लिए काइल जैमीसन और अर्शदीप सिंह ने सबसे ज्यादा विकेट हासिल किए. जैमीसन ने 4 ओवर में 48 रन देकर 3 विकेट हासिल किए. तो वहीं अर्शदीप सिंह ने आरसीबी के अंतिम ओवर में 3 विकेट चटकाए. उन्होंने रोमारियो शेफर्ड 17, क्रुणाल पांड्या 4 और भुवनेश्वर कुमार 1 को आउट किया. जैमीसन के अलावा अजमतुल्लाह उमरजई, युजवेंद्र चहल और विजयकुमार वैश्यक ने 1-1 विकेट चटकाया.

छोटी खबरें

आरसीबी की खिताबी जीत के बाद फूट-फूटकर रोए विराट कोहली, वीडियो हुआ वायरल

अहमदाबाद,04 जून। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली का 18 साल का इंतजार आखिरकार मंगलवार को खत्म हो गया. जब अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में आरसीबी ने इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के फाइनल मुकाबले में पंजाब किंग्स को 6 रनों से हराकर अपना मेडन खिताब जीता. आईपीएल 2025 फाइनल में जब यह स्पष्ट हो गया कि आरसीबी अपनी पहली आईपीएल ट्रॉफी जीतेगी, तो आरसीबी की रीढ़ स्टार बल्लेबाज विराट कोहली रो पड़े. कोहली के फूट-फूटकर रोने का यह वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है. खिताबी जीत के बाद उन्होंने अपने पूर्व साथी और दक्षिण अफ्रीकी दिग्गज एबी डिविलियर्स को गले लगाया, जो आरसीबी द्वारा पंजाब किंग्स के खिलाफ 6 रन से फाइनल जीतने के बाद मैदान में आए थे. आधिकारिक प्रसारकों से बात करते हुए, विराट की भावनाएं, जिनकी वाइफ, अभिनेत्री अनुष्का शर्मा, स्टैंड से उन्हें चियर्स कर रही थीं, स्पष्ट थीं. कोहली ने कहा, मैंने कभी नहीं सोचा था कि यह दिन आएगा. यह एक अद्भुत एहसास है. मेरे पास ऐसे क्षण हैं जब मैंने इसके विपरीत सोचा. मेरा दिल बैंगलोर के साथ है. आरसीबी के लिए बल्लेबाजी की शुरूआत करने वाले कोहली ने कहा, यह जीत प्रशंसकों के लिए है ! मैंने इस टीम को अपनी युवावस्था, अपना सर्वश्रेष्ठ और अपना अनुभव दिया है. यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है. इसके लिए अपना सबकुछ देने के बाद, आखिरकार आईपीएल जीतना... यह एक शानदार एहसास है. इस मैच में विराट कोहली, रजत पाटीदार की अगुवाई वाली टीम के लिए शीर्ष स्कोरर थे, क्योंकि उन्होंने 43 रन बनाए, जिससे आरसीबी को 190 रन बनाने और उसे बचाने में मदद मिली. बता दें कि, कोहली ने अपने युवा दिनों के दौरान, अपने सर्वश्रेष्ठ समय में, और अब सबसे वरिष्ठ खिलाड़ी होने के नाते, आरसीबी के लिए सब कुछ किया. जब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) शुरू हुआ, तब उन्होंने एक युवा खिलाड़ी के रूप में इस टीम के साथ शुरूआत की थी, और 18 साल बाद, वह सबसे अनुभवी खिलाड़ी थे. कोहली ने खेल के बाद दर्शकों को छुआ और उनकी आंखों में आंसू आ गए, वे खुशी के आंसू थे.

आईपीएल ट्रॉफी जीतने के बाद विराट कोहली ने शेयर किया पहला पोस्ट

0-आरसीबी फैंस के लिए कही ये खास बात

अहमदाबाद,04 जून। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने मंगलवार को महामुकाबले में पंजाब किंग्स को 6 रनों से हराकर अपनी मेडन इंडियन प्रीमियर लीग ट्रॉफी जीत ली. कप्तान रजत पाटीदार की अगुवाई में आरसीबी ने अपना पहला खिताब जीत लिया. आरसीबी के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने टीम के साथ 18 साल बाद अपनी पहली आईपीएल ट्रॉफी हासिल की. जिसके बाद वो मैदान पर भावुक हो गए. इस खिताबी जीत के बाद सुपरस्टार बल्लेबाज कोहली ने आज सुबह पहला पोस्ट शेयर किया है.

विराट कोहली ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए पहली आईपीएल ट्रॉफी जीतने के बाद अपनी भावनाओं को डाई हार्ड फैंस के सामने जाहिर करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया. इस दौरान उन्होंने खिताब जीतने के बाद स्पेशल मोमेंट की कुछ खास तस्वीरों के साथ इंस्टाग्राम पर आज पहली पोस्ट शेयर की.

आईपीएल ट्रॉफी उठाने के लिए पिछले 18 सालों से इंतजार कर रहे विराट कोहली ने कुछ तस्वीरें शेयर करते हुए इंस्टाग्राम पर अपनी भावनाओं को व्यक्त किया. उन्होंने लिखा, इस टीम ने सपने को संभव बनाया, एक ऐसा सीजन जिसे मैं कभी नहीं भूल पाऊंगा. हमने पिछले 2.5 महीनों में इस सफर का भरपूर आनंद लिया है. आरसीबी के दिग्गज ने यह ट्रॉफी उन वफादार आरसीबी फैंस को समर्पित की, जो हर मुश्किल समय में फ्रैंचाइज के साथ खड़े रहे. विराट ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में कहा, यह ट्रॉफी उन आरसीबी फैंस के लिए है, जिन्होंने कभी भी सबसे बुरे समय में हमारा साथ नहीं छोड़ा. यह उन सभी वर्षों के दिल टूटने और निराशा के लिए है. यह इस टीम के लिए मैदान पर किए गए हर प्रयास के लिए है. जहां तक आईपीएल ट्रॉफी की बात है- आपने मुझे आपको उठाने और जश्न मनाने के लिए 18 साल तक इंतजार करवाया है, मेरे दोस्त, लेकिन यह इंतजार बिल्कुल सार्थक रहा.

अदाणी एयरपोर्ट्स ने विकास के अगले चरण के लिए 750 मिलियन अमेरिकी डॉलर का वैश्विक फंड जुटाया

अहमदाबाद। भारत के सबसे बड़े निजी हवाई अड्डे के ऑपरेटर और अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड की सहायक कंपनी अदाणी एयरपोर्ट्स होल्डिंग्स लिमिटेड (एएएचएल) ने अंतर्राष्ट्रीय बैंकों के एक समूह से ७५० मिलियन अमेरिकी डॉलर की फंडिंग जुटाई है। यह फंडिंग ईसीबी के माध्यम से की गई है। इस फंडिंग का नेतृत्व फर्स्ट अबू धाबी बैंक, बार्कलेज पीएलसी और स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक ने किया है।

इस फंडिंग का उपयोग ४०० मिलियन डॉलर के पुराने कर्ज को चुकाने और अहमदाबाद, लखनऊ, मंगलुरु, जयपुर, गुवाहाटी और तिरुवनंतपुरम हवाईअड्डों में इन्फ्रास्ट्रक्चर और सुविधाओं को बेहतर बनाने में किया जाएगा। साथ ही, रिटेल, फूड एंड बेवरेज, ड्यूटी फ्री और अन्य सेवाओं जैसे गैर-एविएशन बिजनेस को भी मजबूत किया जाएगा।

वित्त वर्ष २०२४-२५ में एएएचएल ने ९४ मिलियन यात्रियों को सेवा दी, जबकि इसकी कुल क्षमता ११० मिलियन यात्रियों की है। इसके अलावा कंपनी का लक्ष्य चरणबद्ध विकास के माध्यम से २०४० तक इसे बढ़ाकर ३०० मिलियन यात्रियों सालाना तक पहुंचाना है। इस योजना का एक अहम हिस्सा नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट है, जो जल्द ही चालू होगा। पहले चरण में इसकी क्षमता २० मिलियन यात्रियों की होगी, जिसे बाद में चरणबद्ध तरीके से बढ़ाकर ९० मिलियन तक किया जाएगा, जिससे मुंबई क्षेत्र के एविएशन इंफ्रास्ट्रक्चर को काफी बढ़ावा मिलेगा।

अदाणी एयरपोर्ट्स के सीईओ अरुण बंसल ने कहा, ₹दुनिया की प्रमुख वित्तीय संस्थाओं ने हम पर जो भरोसा जताया है, वह भारत के एविएशन इन्फ्रास्ट्रक्चर की दीर्घकालिक क्षमता और महत्व को दर्शाता है। एएएचएल बेहतरीन कस्टमर एक्सपीरियंस देने के अपने लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है। हम तकनीक का उपयोग कर संचालन को आसान बना रहे हैं और अपने एयरपोर्ट नेटवर्क में सतत विकास और सामुदायिक भागीदारी को प्राथमिकता दे रहे हैं। हमारी यह यात्रा जारी है और एएएचएल 'गेटवे टू गुडनेस' के अपने वादे पर कायम है। हम ग्राहक-केंद्रित समाधान दे रहे हैं और ऐसी विश्वस्तरीय हवाईअड्डा संरचना बना रहे हैं, जो सेवा और स्थायित्व के क्षेत्र में वैश्विक मानक तय करे।₹

राणा दग्गुबाती की राणा नायडू की रिलीज तारीख से उठा पर्दा, 13 जून से नेटफ्लिक्स पर होगा प्रीमियर

वेंकटेश दग्गुबाती और राणा दग्गुबाती की वेब सीरीज राणा नायडू को काफी पसंद किया गया था। एक्शन से भरपूर यह सीरीज 10 मार्च, 2023 को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी और इसमें कुल 10 एपिसोड थे।

राणा नायडू के दूसरे सीजन का ऐलान पहले ही हो चुका है और इसका टीजर भी रिलीज हो गया है।

अब निमार्ताओं ने राणा नायडू 2 की रिलीज तारीख से पर्दा उठा दिया है।

आइए जानें आप यह सीरीज कब और कहां देख पाएंगे।

राणा नायडू 2 का प्रीमियर 13 जून, 2025 से नेटफ्लिक्स पर होगा। सीरीज का पहला पोस्टर भी सामने आ गया है, जिसमें तमाम सितारों की झलक दिख रही है।

निमार्ताओं ने पोस्टर साझा करते हुए लिखा, जब बात परिवार की हो, राणा हर लाइन क्रॉस करेगा।

इस सीरीज में सुचित्रा पिल्लई, रजनी बसुमतारी, गौरव चोपड़ा, अर्जुन रामपाल और सुरवीन चावला जैसे सितारे भी नजर आएंगे।

राणा नायडू 2 के निर्देशन की कमान सुपर्ण वर्मा और करण अंशुमान ने संभाली है।

राणा नायडू का दूसरा सीज? एक जरूर देखने वाली सीरीज बनने जा रहा है, इसकी मनोरंजक कहानी, जटिल किरदार और उच्च-दांव वाले ड्रामा के साथ। निमार्ताओं ने और अधिक विश्वासघात, हिसाब-किताब और ड्रामा का वादा किया है, और प्रतिभाशाली कलाकारों और क्रू के साथ, उम्मीदें बहुत अधिक हैं। 13 जून के लिए अपने कैलेंडर पर निशान लगाएँ, और राणा नायडू की दुनिया में वापस गोता लगाने के लिए तैयार हो जाएँ, सिर्फ नेटफ्लिक्स पर।

---------------------------- व्यापार----------------------------

अदाणी पोर्ट्स ने मई में कार्गो हैंडलिंग का नया रिकॉर्ड बनाया

अहमदाबाद ,04 जून। मई का महीना देश के लॉजिस्टिक्स सेक्टर के लिए ऐतिहासिक रहा है। अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन (एपीएसईजेड) ने वैश्विक मानकों पर देश की क्षमता को प्रदर्शित करते हुए 4.18 करोड़ टन कार्गो हैंडलिंग का नया बेंचमार्क स्थापित किया, जो कंपनी के लिए सर्वकालिक रिकॉर्ड है।

पिछले साल की तुलना में 17 प्रतिशत की वृद्धि केवल एक आंकड़ा नहीं है झ यह देश में तेजी से विकसित हो रहे आर्थिक ढांचे और बुनियादी ढांचे के विकास की मजबूत नींव का प्रमाण है।

अदाणी पोर्ट्स के शानदार प्रदर्शन के मुख्य चालक कंटेनर ट्रैफिक (साल-दर-साल आधार पर 22 प्रतिशत की वृद्धि) और ड्राई कार्गो (साल-दर-साल 17 प्रतिशत की वृद्धि) थे।

वैश्विक बंदरगाह कंपनियां जब मंदी और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं से जूझ रही हैं, एपीएसईजेड ने न केवल स्थिरता बनाए रखी है, बल्कि तेजी से विस्तार भी किया है।

कंपनी ने इस साल मई तक कुल 7.93 करोड़ टन कार्गो हैंडलिंग की है, जो साल-दर-साल 10 प्रतिशत की वृद्धि को दशार्ता है। कंटेनर हैंडलिंग में 21 प्रतिशत की वृद्धि एपीएसईजेड की परिचालन दक्षता और तकनीकी उन्नयन को उजागर करती है।

मई में अदाणी लॉजिस्टिक्स ने 0.6 लाख टीईयू रेल वॉल्यूम (साल-दर-साल 13 प्रतिशत की वृद्धि) और 20.1 लाख टन जीपीडब्ल्यूआईएस (जेनरल पर्पस वैगन इंवेस्टमेंट स्कीम) वॉल्यूम (साल-दर-साल चार प्रतिशत की वृद्धि) दर्ज किया।

इस साल अब तक रेल वॉल्यूम 1.2 लाख टीईयू (साल-दर-साल आधार पर 15 प्रतिशत की वृद्धि) और जीपीडब्ल्यूआईएस वॉल्यूम 38 लाख टन रहा। यह स्पष्ट रूप से इंगित करता है कि मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर पर कंपनी का रणनीतिक फोकस ठोस परिणाम दिखाने लगा है।

देश के अन्य प्रमुख बंदरगाहों जैसे कि जेएनपीटी और पारादीप पोर्ट झ ने मई में क्रमशः लगभग सात प्रतिशत और नौ प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। वहीं, एपीएसईजेड ने 17 प्रतिशत की छलांग के साथ बढ़त हासिल की, जो प्रतिस्पर्धा पर अपनी बढ़त का संकेत देता है।

अदाणी पोर्ट्स न केवल देश का सबसे बड़ा निजी बंदरगाह संचालक है; यह देश की वैश्विक व्यापार रणनीति का एक स्तंभ भी बन रहा है। एपीएसईजेड की भूमिका और भी महत्वपूर्ण होने वाली है। मल्टीमॉडल हब, स्मार्ट पोर्ट, ग्रीन एनर्जी और डिजिटल ट्रैकिंग सिस्टम के जरिए कंपनी लॉजिस्टिक्स के भविष्य को आकार दे रही है।

मई के आंकड़े देश के लॉजिस्टिक्स और इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में हो रहे बदलावों की झलक दिखाते हैं। अदाणी पोर्ट्स ने यह साबित कर दिया है कि जब रणनीति, निवेश और इनोवेशन एक साथ काम करते हैं, तो भारत न केवल आत्मनिर्भर बन सकता है, बल्कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में नेतृत्व की भूमिका भी निभा सकता है।

आरबीआई की बैठक आज से शुरू, रेपो रेट में हो सकती है 0.25 प्रतिशत की कटौती

नई दिल्ली ,04 जून। ब्याज दरों की समीक्षा के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति कमेटी (एमपीसी) की बैठक बुधवार से शुरू हो गई है। अर्थशास्त्री और इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स का मानना है कि केंद्रीय बैंक रेपो रेट में 25 आधार अंक या 0.25 प्रतिशत की कटौती कर सकता है। आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा 6 जून को एमपीसी के फैसलों का ऐलान करेंगे। इससे पहले की दो एमपीसी बैठकों में केंद्रीय बैंक द्वारा रेपो रेट में 50 आधार अंक की कटौती की जा चुकी है, जिसके कारण रेपो रेट घटकर 6 प्रतिशत पर आ गया है। अर्थव्यवस्था में ब्याज दर कटौती की सकारात्मक परिस्थितियों के कारण बाजार के जानकार मान रहे हैं कि इस बार केंद्रीय बैंक रेपो रेट में 25 आधार अंक की कटौती कर सकता है, जिससे यह घटकर 5.75 प्रतिशत पर आ जाएगी, जो कि फिलहाल 6 प्रतिशत है।

हेडलाइन महंगाई दर आरबीआई के मध्यम अवधि के लक्ष्य 4 प्रतिशत से लगातार नीचे बनी हुई है, जबकि हाल ही में अमेरिकी नीतिगत कदमों जैसे बाहरी झटकों के कारण जीडीपी वृद्धि में नरमी दिख रही है। कई रेटिंग एजेंसियों और वैश्विक संस्थानों ने वित्त वर्ष 26 के लिए भारत के जीडीपी विकास अनुमानों को घटा दिया है।

घरेलू यात्रियों में वृद्धि से भारत का टूरिज्म सेक्टर 2035 तक 42 लाख करोड़ रुपए का हो जाएगा: रिपोर्ट

नई दिल्ली ,04 जून। भारत के ट्रैवल और टूरिज्म सेक्टर का योगदान देश की अर्थव्यवस्था में 2035 तक बढ़कर 42 लाख करोड़ रुपए पहुंचने का अनुमान है। वर्ल्ड ट्रैवल एंड टूरिज्म काउंसिल (डब्ल्यूटीटीसी) की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

रिपोर्ट में बताया गया कि देश को प्रतिस्पर्धी बने रहने और इस सेक्टर की विकास की गति को बनाए रखने के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर और डेस्टिनेशन मार्केटिंग में अधिक निवेश करने की आवश्यकता है।

रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में अंतरराष्ट्रीय यात्रियों द्वारा देश में किया जाने वाला खर्च प्री-कोविड स्तर को पीछे छोड़ते हुए ऑल-टाइम हाई 3.1 लाख करोड़ रुपए रहा था। इस दौरान घरेलू यात्रियों ने करीब 15.5 लाख करोड़ रुपए खर्च किए थे, जो कि 2019 के मुकाबले 22 प्रतिशत अधिक है।

इसके अतिरिक्त, डब्ल्यूटीटीसी की ओर से बताया गया कि भारत के ट्रैवल और टूरिज्म सेक्टर में 2035 तक नौकरियों की संख्या बढ़कर 6.4 करोड़ तक पहुंच जाएगी, जो कि फिलहाल 4.65 करोड़ पर है।

हाल ही में राष्ट्रीय राजधानी में सीआईआई 'एनुअल बिजनेस समिट 2025झ में केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा था कि ग्लोबल इकोनॉमी में 10 प्रतिशत योगदान टूरिज्म सेक्टर का होता है और मुझे यकीन है कि ग्लोबल पैरामीटर के तहत 2030 तक हमारा पर्यटन क्षेत्र भी देश की जीडीपी में 10 प्रतिशत का योगदान देगा। हम इस विजन पर तेजी से काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, भारत के टूरिज्म सेक्टर को प्रमोट करने और वैश्विक स्तर पर देश की क्षमता को बढ़ाने के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर क्रिएशन पहली जरूरत थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में सड़कें, एक्सप्रेसवे और डेढ़ लाख किलोमीटर के हाइवे बने, नया मॉडर्न रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार हुआ। नए एयरपोर्ट्स बने।

उन्होंने आगे कहा, हालांकि, अभी भी बहुत से काम किए जाने बाकी हैं। फ्लाइट्स की संख्या बढ़ाए जाने की जरूरत है। भविष्य में 3,000 एयरक्राफ्ट्स आने वाले हैं। एयरक्राफ्ट्स की बढ़ती संख्या इस बात का संकेत है कि दुनिया का भारत को देखने का नजरिया बदल रहा है।

ड्यूटी में लापरवाही, 5 पुलिस कर्मी सस्पेंड

जशपुर। पुलिस वाहन से आरोपी के फरार होने के मामले में एसएसपी शशि मोहन सिंह ने ड्यूटी में लापरवाही बरतने वाले प्रधान आरक्षक समेत 5 पुलिस कर्मियों को सस्पेंड कर दिया है। इसके साथ ही एसएसपी ने इनके खिलाफ विभागीय जांच के आदेश भी दे दिए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार आरोपी रितेश को दो जून को कुनकुरी न्यायलय में पेश किया गया था, लौटने के दौरान पुलिस वाहन में 6 अन्य आरोपी भी मौजूद थे। सतर्कता में चूक होने का फायदा उठाकर आरोपी चलती वाहन से हथकड़ी खोलकर फरार हो गया, इसकी जानकारी लगते ही पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। इस घटना के बाद एसएसपी शशि मोहन सिंह ने ड्यूटी में गंभीर लापरवाही बरतने वाले 5 पुलिस कर्मियों को प्रधान आरक्षक सुनसाय एक्का, आरक्षक लव कुश पैंकरा, जनक साय, डायमंड तिग्गा, पुतूरु राम को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड करते हुए सभी को रक्षित केन्द्र जशपुर भेज दिया है। इस दौरान उन्हें जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा।

राजधानी को अपराध और अपराधियों से मुक्त कराएं - कन्हैया

नशे के सौदागर,सट्टेबाजों ने नाबालिगों को भी बनाया अपराधी

रायपुर। राजधानी रायपुर अपराधियों की राजधानी बनती जा रही है, रायपुर नशे के धंधे का गढ़ बन गया है। रायपुर शहर में होने वाले 90 प्रतिशत अपराध नशे के धंधे में कब्जे या नशा करने वाले लोगों के द्वारा किए जा रहे हैं। राजधानी रायपुर को नशे के सौदागरों और सट्टेबाजी में लिप्त छोटे-बड़े सभी अपराधियों से मुक्त कराने के लिए कांग्रेसजनों ने प्रदेश महामंत्री कन्हैया अग्रवाल के नेतृत्व में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ लाल उमेद सिंह को ज्ञापन दिया।

कन्हैया अग्रवाल ने कहा कि रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के साथ ही रायपुर शहर के लगभग प्रत्येक हिस्से में सट्टा लिखने का काम बड़े पैमाने पर हो रहा है, गली-गली में गांजा की पुडि ?ा, अवैध शराब, सुखा नशा और सिरप टैबलेट जैसी चीज उपलब्ध कराई जा रही है। कालीबाड़ी, नेहरू नगर, दानी स्कूल परिक्रमा मार्ग के पीछे गली, संतोषी नगर, संजय नगर, मारवाड़ीशमशान क्षेत्र, टिकरापारा, संतोषी नगर, संजय नगर, काशीराम नगर, आमापारा, ईदगाह भाटा, ब्रह्मपुरी, चंगोराभाठा, तेलीबांधा सहित शहर के लगभग हर हिस्से में नशे के अवैध कारोबारी और सट्टेबाजों ने अपनी गिरफ्त बना ली है। गोल बाजार से प्रतिबंधित मुनक्का गोलियों का भी भारी संख्या में विक्रय हो रहा है। इन अवैध धंधों को करने के लिए अपराधी नाबालिक बच्चों का भरपूर उपयोग कर रहे हैं । ये नाबालिक बच्चे नशे के धंधे और सट्टा लिखने का काम बेखौफ होकर कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अवैध धंधे में कब्जे और क्षेत्र कब्जे को लेकर होने वाले झगड़ों के कारण आए दिन चाकू बाजी - हत्या जैसी घटनाएं हो रही है। नशा रायपुर के युवाओं में इस कदर परोसा जा रहा है कि नशे में डूबे बालिग - नाबालिक युवक रोज अपराधिक घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। विधानसभा अध्यक्ष के निवास के समीप हत्या का प्रयास बुढ़ापारा में हत्या काशीराम नगर में हत्या के साथ ही चैन स्नेचिंग,पर्स - मोबाइल लूट ,छोटी-छोटी बातों पर मारपीट,चाकू बाजी , हत्या जैसी घटनाओं को बुलंद हौसलों के साथ अंजाम दे रहे हैं। प्रतिनिधि मंडल में प्रमुख रूप से प्रदेश कांग्रेस कमेटी के संयुक्त महामंत्री शारिक रईस खान, मनोज सोनकर, समस्या निवारण प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद सिद्दीक ,नंदकुमार पटेल, सुरेश बाफना, राजेश केडिया, दाऊ गोस्वामी, मोहम्मद आसिफ (असू) रवि शर्मा, राजेश त्रिवेदी, देवेंद्र पवार, मुनेश गौतम, श्रेयांश शुक्ला, नितिन ठाकुर, पिंटू बैद,प्रतीक तिवारी ,अजय दास सहित कांग्रेस जन उपस्थित थे।

न्यूज गैलरी

रामजी हलवाई मार्ग में आदेश्वर काम्प्लेक्स के पीछे 79 शराब की बोतलों के साथ प्रॉपर्टी डीलर गिरफ्तार

रायपुर। मुखबिर की सूचना पर रामसागर पारा अंतर्गत रामजी हलवाई मार्ग में आदेश्वर काम्प्लेक्स के पीछे आयल मिल रोड में एक व्यावसायिक परिसर में आबकारी विभाग के संयुक्त दल ने छापामार कार्यवाही करते हुए आरोपी अनिल जैन के आधिपत्य के किराए के कमरे से मध्यप्रदेश प्रान्त की 21 नग बोतल ब्लेंडर प्राइड अल्ट्रा व्हिस्की , 27 नग बोतल रॉयल चैलेंज व्हिस्की , 22 नग रॉयल स्टैग व्हिस्की एवं 09 नग बोतल मैकडॉवेल नंबर वन व्हिस्की , कुल 79 बोतल अवैध मदिरा मात्रा 59.25 बल्क लीटर मूल्य 75060 रुपये को जब्त किया। आरोपी अनिल जैन प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करता है , जिसकी आड़ में अवैध मदिरा के कारोबार से भी जुड़ा होना पाया गया। आरोपी के कमरे से ट्रवेल बैग, मदिरा की खाली पेटियां और दर्जनों की संख्या में मदिरा की खाली बोतलें भी बरामद हुई हैं। अवैध मदिरा के इस कारोबार में अन्य कौन-कौन संदिग्ध शामिल हैं इसकी जांच करने के लिए आरोपी के मोबाइल फोन को जप्त किया गया है और नौकरों से पूछताछ की जा रही है। आरोपी के विरुद्ध छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2), 36, 59 (क) के तहत आबकारी उपनिरीक्षक विक्रम ठाकुर द्वारा प्रकरण पंजीबद्ध कर मामला विवेचना में लिया गया है।

तनिष्क एंटरप्राइजेज के मुंशी से लूटपाट करने वाले दो आरोपी चंद घंटों में धरे गए

रायपुर। तेलघानी नाका स्थित तनिष्क एंटरप्राइजेज के मुंशी से बदमाशो ने गुढियारी थाना क्षेत्र के नया तालाब इलाके में बीती रात 8 लाख 75 हजार 800 की नगदी लूटपाट कर फरार हो गए थे लेकिन पुलिस ने चंद घंटो के अंदर ही दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया लूटी गई पूरी रकम के साथ स्कूटी और हथियार को भी जप्त किया। प्रार्थी सूरज साहू ने पुलिस को बताया कि वह उक्त रकम अपने इलेक्ट्रिक स्कूटी की डिक्की में रखकर कार्यालय से सेठ के घर (नया तालाब, गुढियारी) जा रहा था। इसी दौरान नया तालाब के पास स्कार्फ से मुंह ढंके हुए दो अज्ञात युवकों ने उसे ओवरटेक कर स्कूटी रोक ली और चाकू दिखाकर उसे धक्का देकर गिरा दिया और स्कूटी सहित डिक्की में रखे पूरे रुपये लेकर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही गुढि ?ारी थाना और क्राइम ब्रांच की टीम मौके पर पहुंची और तत्काल कार्रवाई शुरू की।

त्वरित जांच व सटीक सूचना के आधार पर दोनों आरोपियों को चंद घंटों के अंदर ही गिरफ्तार कर लिया गया।

बस्तर: द नक्सल स्टोरी के निर्देशक सुदीप्तो सेन ने नक्सलवाद के खात्मे को लेकर की नई फिल्म बनाने की घोषणा

जगदलपुर। 'द केरला स्टोरी' और 'बस्तर: द नक्सल स्टोरी' के निर्देशक सुदीप्तो सेन ने छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में नक्सलवाद के खात्मे को केंद्र में रखकर एक नई फिल्म बनाने की घोषणा की है । जगदलपुर में बस्तर शांति समिति द्वारा आयोजित 'बीजिंग से बस्तर तक' संवाद कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे सुदीप्तो सेन ने बताया कि लगभग 40 वर्षों से नक्सलवाद का दंश झेल रहा बस्तर अब नक्सल मुक्त होने की कगार पर है । इस बदलाव को पर्दे पर उतारने के लिए वे जल्द ही एक नई फिल्म की शूटिंग शुरू करने जा रहे हैं। सुदीप्तो सेन ने कहा कि उनकी आगामी फिल्म बस्तर में नक्सलवाद के खिलाफ चल रही लड़ाई को दर्शाएगी, जिसमें नक्सल मोर्चे पर तैनात जवानों और सरकार के प्रयासों को प्रमुखता से दिखाया जाएगा। इस फिल्म की खास बात यह होगी कि इसमें स्थानीय कलाकारों को मौका दिया जाएगा और पूरी शूटिंग बस्तर में ही की जाएगी।

उन्होंने बताया कि फिल्म की स्क्रिप्ट तैयार हो चुकी है, हालांकि अभी तक फिल्म का शीर्षक तय नहीं किया गया है। कार्यक्रम के दौरान सुदीप्तो ने बस्तर के बदलते स्वरूप पर खुशी जताई । उन्होंने कहा, ₹बस्तर अब शांति की ओर बढ़ रहा है । यहां के लोगों की कहानियां और जवानों की बहादुरी को दुनिया के सामने लाना जरूरी है । हमारी फिल्म इस क्षेत्र की सच्चाई और सकारात्मक बदलाव को उजागर करेगी । यह फिल्म न केवल नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई को दर्शाएगी, बल्कि बस्तर की संस्कृति और स्थानीय लोगों के संघर्ष को भी सामने लाएगी।₹ सुदीप्तो सेन की पिछली फिल्म 'बस्तर: द नक्सल स्टोरी' ने नक्सलवाद के मुद्दे को राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में लाया था । इस फिल्म को दर्शकों और समीक्षकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली थी, लेकिन इसने बस्तर के हालात को समझने में अहम भूमिका निभाई । उनकी नई फिल्म की घोषणा से स्थानीय लोगों में उत्साह है, क्योंकि यह न केवल क्षेत्र की कहानी को वैश्विक मंच पर ले जाएगी, बल्कि स्थानीय प्रतिभाओं को भी अवसर प्रदान करेगी । यह फिल्म बस्तर के लिए एक नई उम्मीद की किरण बन सकती है, जो नक्सलवाद के अंधेरे से निकलकर शांति और समृद्धि की ओर बढ़ रहा है।

मद्दी 7 को सम्हालेंगे बेवरेजेस कॉर्पोरेशन का अध्यक्ष पद

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के नेता श्रीनिवास मद्दी का 7 जून को छत्तीसगढ़ बेवरेजेस कॉर्पोरेशन के नवनियुक्त अध्यक्ष के तौर पर पदभार ग्रहण समारोह रखा गया है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहेंगे और विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। छत्तीसगढ़ बेवरेजेस कॉर्पोरेशन के नवनियुक्त अध्यक्ष श्री मद्दी के पदभार ग्रहण के सुबह 10.30 बजे पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम (साइंस कॉलेज परिसर) में होने वाले इस कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव, उप मुख्यमंत्री द्वय अरुण साव व विजय शर्मा, कैबिनेट मंत्रीगण रामविचार नेताम, केदार कश्यप, ओ.पी. चौधरी, श्याम बिहारी जायसवाल, लक्ष्मी राजवाड़े व टंकराम वर्मा, सांसद द्वय बृजमोहन अग्रवाल व महेश कश्यप, विधायकगण लता उसेण्डी, राजेश मूणत, अमर अग्रवाल, सुनील सोनी, पुरंदर मिश्रा, मोतीलाल साहू, चैतराम अटामी व विनायक गोयल तथा महापौर द्वय संजय पाण्डेय व मीनल चौबे विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगीं।

संरक्षा के सजग प्रहरी को महाप्रबंधक तरुण प्रकाश ने सम्मानित किया

बिलासपुर। रेल परिचालन में संरक्षा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सजगता एवं बेहतर संरक्षा कार्य में सहभागिता निभाने वाले रेल संरक्षा के सजग प्रहरी कर्मचारियों का सम्मान महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के द्वारा हर माह आयोजित संरक्षा बैठक के दौरान किया जाता है। इसी कड़ी मे 3 जून को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में कार्यरत संरक्षा कोटि के 1 कर्मचारी को उनके उत्कृष्ट एवं सराहनीय संरक्षा सबंधी कार्य निष्पादन के लिए महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश के द्वारा सम्मानित किया गया।

बिलासपुर रेल मण्डल के यातायात सहायक - श्री भगवती प्रसाद झारिया/ट्रैक मेंटेनर-ढ्ढ/लोहरा/बिलासपुर ने दिनांक 09/05/2025 को यूएमआर-एलओए खण्ड के मध्य कार्य के दौरान देखा कि अप लाइन में जाने वाली एक गाड़ी संख्या एन/एसटीपीबी में इंजन से सातवीं वैगन के आगे वाली ट्रॉली में हॉट एक्सल के कारण आग लगी हुई है। इन्होने तुरंत इसकी सूचना उस गाड़ी के ट्रेन मैनेजर को दी। तत्पश्चात, गाड़ी को रोक कर बालू - रेत से आग को बुझाया गया फिर आगे की कार्यवाही कर ट्रेन को सुरक्षित रवाना किया गया।संरक्षा कोटि के कर्मचारी को सम्मानित किए जाने के अवसर पर अपर महाप्रबंधक, प्रधान मुख्य संरक्षा अधिकारी अन्य विभागाध्यक्ष सहित अधिकारीगण उपस्थित थे।

राहुल गांधी कोई राजनीतिक पार्टी नहीं बल्कि घोड़े की खेती कर बढ़ा रहे नॉलेज - चंद्राकर

रायपुर। पूर्व मंत्री व विधायक अजय चंद्राकर ने राहुल गांधी के बयान पर जमकर निशाना साधते हुए कहा कि राहुल गांधी जी कोई राजनीतिक पार्टी नहीं चला रहे हैं, बल्कि ऐसा प्रतीत होता है कि वह कोई स्टड फार्म चला रहे हैं और ₹घोड़े की खेती₹ कर रहे हैं। वे घोड़ों के बारे में नॉलेज बढ़ा रहे हैं। उन्हें तो कांग्रेस पार्टी का नाम बदलकर ₹स्टड फार्म₹ गांधी परिवार प्राइवेट लिमिटेड₹ कर देना चाहिए।

उन्होने कहा कि जिस तरह चुनावों में कांग्रेस के प्रदर्शन को देखा जाए, खासकर राहुल गांधी के सक्रिय राजनीति में आने के बाद उनका प्रदर्शन देखे तो, तो सा$फ दिखता है कि वह स्वयं पार्टी के लिए एक ₹लंगड़े घोड़े₹ साबित हुए हैं। छत्तीसगढ़ में राहुल गांधी के सभी घोड़े ₹बीमार₹ हो गए हैं। छत्तीसगढ़ के सभी कांग्रेस नेताओं को किसी स्टड फार्म में भर्ती कर देना चाहिए, जहां बीमार घोड़ों के इलाज और देखरेख के लिए अस्पताल होता है – अब वे वहीं रखने लायक हो गए हैं। अंबानी जी ने जामनगर में पशुओं के देखरेख के लिए जो 'वनतारा' बनाया है, छत्तीसगढ़ के कांग्रेसियों को वहीं भेज देना चाहिए।

महाप्रभु जगन्नाथ की मौसी माता गुंडीचा का घर बनाने नये सामुदायिक भवन के निर्माण का हुआ भूमिपूजन

रायपुर। रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा ने खम्हारडीह पुलिस थाना के समीप महाप्रभु जगन्नाथ स्वामी की मौसी माता गुण्डीचा का घर बनाने विधायक निधि मद से 24 लाख रुपए की स्वीकृत लागत से नये सामुदायिक भवन का निर्माण एवं विकास कार्य का श्रीफल फोडकर और कुदाल चलाकर भूमिपूजन किया। पुरंदर मिश्रा ने जोन 3 जोन कमिश्नर रमेश जायसवाल को महाप्रभु जगन्नाथ जी की मौसी जी माता गुण्डीचा का घर बनाने नया सामुदायिक भवन तैयार करने का कार्य जोन स्तर पर सतत मॉनिटरिंग करते हुए उच्च स्तरीय गुणवत्ता सहित प्राथमिकता के साथ दिसम्बर 2025 तक शत - प्रतिशत पूर्ण करवाने के निर्देश दिये, ताकि वर्ष 2026 के श्री रथ यात्रा महापर्व में महाप्रभु श्री जगन्नाथ अपने गायत्री नगर धाम से पौराणिक परंपरा अनुसार निकलकर अपनी मौसी जी माता गुण्डीचा के निवास में पहुंचकर विश्राम कर समस्त भक्तजनों, आम जनता पर कृपा रायपुर शहर में बरसायें। उत्तर विधायक ने कहा कि वर्ष 2003 के बाद से महाप्रभु श्री जगन्नाथ की मौसी माता गुण्डीचा का घर बनाने प्रयास सतत जारी रहा। तत्कालीन मुख्यमंत्री और वर्तमान छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के निर्देश पर राज्य शासन द्वारा इस हेतु भूमि का आबंटन किया गया।

उसके बाद आज उक्त सामुदायिक भवन निर्माण हेतु कार्य का प्रारंभ किया गया है। इस हेतु उत्तर विधायक श्री पुरंदर मिश्रा ने मंच में अपने गुरूजी पंडित छगन लाल तिवारी का दुपट्टा प्रदत्त कर सम्मान करते हुए आशीर्वाद प्राप्त किया। भूमिपूजन कार्यक्रम का सम्पूर्ण संचालन नेताजी सुभासचंद्र बोस वार्ड के पार्षद प्रतिनिधि श्री रोहित साहू एवं अंत में आभार प्रदर्शन नगर निगम जोन 3 जोन कमिश्नर श्री रमेश जायसवाल ने किया।

आयुक्त, रेलवे सेफ्टी मिश्रा ने किया जामगा-कोतरलिया विद्युतीकृत नई चौथी लाइन का निरीक्षण

बिलासपुर। इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास तथा ट्रेनों के गतिशील परिचालन हेतु मंडल में नई रेललाइन, दोहरी लाइन तीसरी लाइन एवं चौथी लाइन का कार्य व्यापक स्तर पर कराये जा रहे हैं। इसी कड़ी में दक्षिण पूर्व मध्य रेल्वे बिलासपुर मंडल के अंतर्गत बिलासपुर-झारसुगुड़ा स्टेशनों के मध्य 206 किमी विद्युतीकृत चौथीलाइन का निर्माण कार्य किया जा रहा है इस कार्य को चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जा रहा है 7 इस कार्य के अंतर्गत जामगा-कोतरलिया स्टेशनों के मध्य 8.402 किमी विद्युतीकृत नई चौथी लाइन के निर्माण उपरांत इंटरलाकिंग सहित सम्पूर्ण कार्य पूरा होने के पश्चात एसई सर्कल के आयुक्त, रेलवे सेफ्टी श्री बी.के.मिश्रा द्वारा आज इस नई चौथी लाइन का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण कोतरलिया स्टेशन से प्रारंभ हुई।आयुक्त द्वारा स्टेशन केबिन पैनल रूम तथा यार्ड का निरीक्षण किया गया तथा अधिकारियों से चर्चा की।इसके पश्चात उन्होने निरीक्षण टीम के साथ इस चौथी नई लाइन का जामगा स्टेशन तक मोटर ट्राली निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान उन्होंने इंटरलाकिंग, क्रासिंग, पाइंट, ओएचई लाइन, ब्रिज, सिग्नलिंग उपकरण के साथ ही साथ परिचालन एवं संरक्षा से जुडे सभी पहलुओं का गहन अध्ययन तथा निरीक्षण किये तथा अधिकारियों के साथ चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश भी दिये। इसके पश्चात जामगा स्टेशन से कोतरलिया स्टेशन तक आब्जर्वेशन कार से स्पीड ट्रायल किया गया। आयुक्त, रेलवे सेफ्टी से अनुमति मिलने के बाद इस नई चौथी लाइन पर निर्बाध रूप से सवारी एवं मालगाडियों का परिचालन प्रारम्भ होगा जिससे परिचालन में गतिशीलता आएगी।उनके साथ गए निरीक्षण टीम में मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) श्री आलोक तिवारी, मंडल रेल प्रबंधक बिलासपुर श्री राजमल खोईवाल सहित निर्माण विभाग, मंडल तथा मुख्यालय के संबंधित विभागों के अधिकारीगण शामिल थे।

मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण योजना ने बदली पार्वती मिझी की जिंदगी, बेटियों के सपनों को मिली उड़ान

रायपुर। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के शांत और खूबसूरत गांव धमधा में सूरज तप रहा था और दोपहर के समय हर कोई अपने घरों में आराम कर रहा था, लेकिन 40 वर्षीय पार्वती मिझी और उनके पति काम में लगे हुए थे। पार्वती ने अपने सिर को दुपट्टे से ढका, अपनी कमीज को साड़ी के ऊपर से नीचे किया और काम जारी रखा। काम के बीच उन्होंने एक पल अपनी पांच बेटियों के बारे में सोचने के लिए निकाला। वे अच्छी लड़कियां हैं, उन्होंने सोचा, मुझे यकीन है कि वे अपना स्कूल का काम पूरा कर रही होंगी। यह सोचते ही उनके चेहरे पर एक मुस्कान आ गई।

पार्वती ने खुद गरीबी में जीवन बिताया था और उन्हें कभी अवसर नहीं मिले, लेकिन उन्होंने अपनी बेटियों को इस दलदल से बाहर निकालने का दृढ़ निश्चय कर रखा था। जब उनकी दो बड़ी बेटियों ने 12वीं की बोर्ड परीक्षा अच्छे अंकों से पास की, तो पार्वती ने फैसला किया कि उन्हें न्याय मिलना ही चाहिए। जब उन्हें पंचायत द्वारा समर्थित श्रम संसाधन केंद्र के बारे में पता चला, तो वह बिना देर किए संभावित वित्तीय सहायता योजनाओं के बारे में पूछताछ करने के लिए दौड़ पड़ीं। पार्वती और उनके पति ने तब राहत की सांस ली, जब उन्हें मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण योजना के बारे में जानकारी मिली। यह योजना पंजीकृत भवन और अन्य निर्माण श्रमिकों के बच्चों को वित्तीय सहायता प्रदान करती है। पार्वती ने सारी आवश्यक जानकारी जुटाई और अपने पति के साथ मिलकर आवेदन की प्रक्रिया पूरी की।

पार्वती को वह खबर मिली जिसका उन्हें बेसब्री से इंतजार था - उनका आवेदन स्वीकृत हो गया था! उनकी बेटियों को वाणिज्य में स्नातक की डिग्री हासिल करने के लिए वित्तीय सहायता मिल गई थी। यह खबर सुनते ही उनके चेहरे पर एक बड़ी मुस्कान आ गई, क्योंकि अब उनकी बेटियों का भविष्य उज्ज्वल दिख रहा था।

पार्वती की कहानी इस बात का सशक्त उदाहरण है कि कैसे सामाजिक संरक्षण तंत्र जीवन में परिवर्तनकारी प्रभाव डाल सकता है। यह गरीबी की बेडि ?ों को तोड़कर एक आरामदायक और सार्थक जीवन सुनिश्चित करने में मदद करता है। यूएनडीपी जैसी संस्थाएं ऐसे सिस्टम डिजाइन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं जो जोखिमों और अनिश्चित भविष्य के प्रति संवेदनशील होते हैं, और भुगतान व योगदान को सुव्यवस्थित करने के लिए डिजिटलीकरण का लाभ उठाते हैं, खासकर अनौपचारिक क्षेत्र के श्रमिकों के लिए। इन पहलुओं को मजबूत करके, ऐसे लचीले समाज विकसित किए जा सकते हैं जो चुनौतियों का दृढ़ता से सामना करने में सक्षम हों। पार्वती की कहानी इस बात पर जोर देती है कि किस प्रकार सामाजिक संरक्षण तंत्र परिवर्तनकारी प्रभाव सुनिश्चित कर सकता है, गरीबी की बेडि ?ां तोड़ सकता है तथा आरामदायक और सार्थक जीवन सुनिश्चित कर सकता है।

स्वामी, मुद्रक प्रकाशक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, नरेन्द्र सिंह टुटेजा द्वारा टुटेजा मीडिया पब्लिकेशन, नमनाकला, अम्बिकापुर, सरगुजा (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित, 0 प्रधान संपादक-महेन्द्र सिंह टुटेजा,Mo. 8223000155, 94252 56303, 98261 83780 ■ RNI No. 50247/89 ■ Postal Regn No./ छ.ग./रायगढ़/009/2016 से 2018 ■ Email- ambikavanisurguja@gmail.com

गंगा दशहरा आज...सरगुजा अंचल में जल संरक्षण का है यह त्यौहार ... कराया जाता है कठपुतली विवाह

गंगा दशहरा - जल प्रतिष्ठा का त्यौहार है - अजय कुमार चतुर्वेदी

अम्बिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)।

भारत में गंगा, गोदावरी, यमुना, सरस्वती, ब्रम्हपुत्र आदि महत्वपूर्ण नदियाँ हैं, जिन्हें प्राणदायनी माना जाता है। इनमें देव नदी गंगा भारतीयों के जीवन में धार्मिक आस्था से जुड़ी हुई है। और इसी से जुड़ा है गंगा दशहरा का पर्व और दशहरा मेला। सरगुजा अंचल में गंगा दशहरा पर्व बिल्कुल ही अनूठे ढंग से मनाया जाता है। इस अवसर पर यहाँ पांच दिनों तक मेला लगता है। यह पर्व यहाँ की लोक संस्कृति को समझने में सहायक है।

राजा भगीरथ ने अपने पूर्वजों की अस्थियों को विसर्जित करने के लिए कठोर तपरस्या कर गंगा को पृथ्वी पर अवतरित किया था। शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को गंगा, पृथ्वी लोक में अवतरित हुई थीं। इसलिए इस दिन गंगा दशहरा का पर्व, देवी गंगा को समर्पित त्योहार के रूप में मनाया जाता है। गंगा दशहरे के दिन से वर्षा का आगमन होने लगता है और दसों दिशाओं में हरियाली छाने लगती है। अतः इस दिन, वर्षा आगमन का स्वागत करते हुए खुशियां जाहिर की जाती हैं।

छत्तीसगढ़ के सरगुजा अंचल में गंगा दशहरा का पर्व धूम-धाम से मनाया जाता है। सरगुजा वासियों की मान्यता है कि गंगा दशहरे के दिन पुरइन (कमल) के पत्ते से युक्त जलाशय में गंगा विराजती हैं। इसलिए इसी जलाशय को गंगा तुल्य मानकर इसकी पूजा-अर्चना की जाती है।

गंगा दशहरे के दिन किसी स्थानीय जलाशय में, साल भर आयोजित शुभ कार्यों से सम्बंधित सामान जैसे- विवाह का मौर, कक्कन, कलश, बच्चे के जन्म के समय का नाल व छटठी का बाल आदि को विसर्जित किया जाता है। इस दिन बैगा (पुरोहित) पूजा-अर्चना करवाता है। गंगा पूजन नारियल, सुपारी, फल-फूल और अगरबत्ती से किया जाता है।

गंगा दशहरे के दिन, दान का विशेष महत्व है इसलिए विसर्जित करने जाने के पूर्व गांव में सगे-संबधियों को निमंत्रित कर उन्हें तेल, कपड़ा, रोटी और यथाशक्ति रुपए दान देकर दशहरा मेला देखने जाने के लिए कहा जाता है। जलाशय में पुरइन (कमल) की जड़ के नीचे, बच्चे के जन्म के समय की नाल को गाड़ा जाता है। यह कार्य गांव का बैगा, पूजा करवाकर करता है। घर का जो व्यक्ति विसर्जित करने जाता है, वह उपवास रखता है। विसर्जित कर घर लौटने पर संगे-सबंधियों को भोज पर आमंत्रित किया जाता है। ग्रामीणों का कहना है कि च्हम लोग अपने धार्मिक अनुष्ठानों के चीजों को गंगा में सेराना (विसर्जित करना) पुण्य मानते हैं किन्तु गंगा दूर है इसलिए किसी भी जलाशय को गंगा तुल्य मानकर, पूजा-अर्चना कर, शुभ कार्यों के सामान को विसर्जित कर पुण्य लाभ लेते हैं।

गंगा दशहरा और कठपुतली विवाह

कठपुतली का मंचन, प्राचीन मनोरंजक कार्यक्रमों में से एक है। सरगुजा अंचल में भी गंगा दशहरे के अवसर पर कठपुतली विवाह करने की प्रथा प्राचीन समय से है, जिसमें लकड़ी (काष्ठ) से गुडडे-गुड़िया बनाये जाते हैं और उनका विवाह संपन्न कराया जाता है।

सरगुजा अंचल में प्रति वर्ष जेठ मास शुक्ल पक्ष की दशमी को गंगा दशहरा के अवसर पर गांव की कुंवारी लड़कियां घर वालों के सहयोग से कठपुतली का विवाह करती हैं। लकड़ी के गुड्डा-गुड्डी बनाकर तीन दिनों तक विवाह के सभी रस्मों का पालन करते हुए कठपुतली विवाह का आयोजन किया जाता है। इस आयोजन में घर के बड़े-बुजुर्ग विवाह के सभी रस्मों (मण्डप गाड़ने से विदाई तक) को बताने में सहयोग करते हैं। गांव की कुंवारी लड़कियां गुड्डे-गुड्डी की मां और लड़के, पिता की भूमिका अदा करते हैं। इस आयोजन का उद्देश्य घर के बच्चों को विवाह संस्कार की जानकारी देना और मनोरंजन करना है। कठपुतली विवाह के उपरांत गंगा दशहरे के दिन इन कठपुतलियों को जलाशय में विसर्जित कर दिया जाता है।

गंगा दशहरा मेला और दसराहा गीत

जिला पुरातत्व संघ सूरजपुर के सदस्य राज्यपाल पुरस्कृत व्याख्याता अजय कुमार चतुर्वेदी ने अताया कि सरगुजा अंचल में गंगा दशहरा - जल प्रतिष्ठा का मेला है।सरगुजा अंचल में गंगा दशहरा कोच्गंगा दसराहाच् के नाम से जाना जाता है। सरगुजा अंचल में गंगा दशहरा के अवसर पर ५ दिनों तक मेले का आयोजन किया जाता है। दसराहा मेला मे पान

की दुकानों का विशेष आकर्षण रहता है। क्योंकि इस दिन पान खाने का विशेष महत्व समझा जाता है। युवक-युवतिया पान खा कर छाता ओढ़कर दसराहा गीतों का गायन करती हैं।

दसराहा गीतों में सवाल-जवाब किया जाता है। दसराहा गीत को धंधा गीता और उधुवा गीता भी कहा जाता है। यह सरगुजा अंचल के गंगा दशहरा मेले का विशेष आकर्षण होता है। दसराहा गीतों में पान का उल्लेख सुनने को मिलता है। गंगा दशहरा का त्यौहार आदिवासी लोग बड़े ही धूमधाम से मनाते हैं इस त्यौहार के माध्यम से किसी जलाशय को गंगा तुल्य मानकर पूजा अर्चना करते हैं और अपने बच्चों को कठपुतली विवाह के माध्यम से परंपरा की जानकारियां भी देते हैं।

09 जून को प्लेसमेंट कैंप का आयोजन

बलरामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।

जिले के शिक्षित बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए ०९ जून २०२५ को जनपद पंचायत बलरामपुर के सभाकक्ष में प्रातः ११ से प्लेसमेंट कैंप का आयोजन किया जाएगा। आयोजित प्लेसमेंट कैंप में स्वतंत्र माइक्रोफिन, री-इंडिया स्कील्स रिलेटेड ऑफ एजुकेशन(मित्रा ग्रुप ऑफ कम्पनी) एवं एस.बी.आई. लाईफ इन्सोरेन्स सीओ. लिमिटेड कम्पनी उपस्थित होंगे। प्लेसमेंट कैंप में फिल्ड ऑफिसर के २०, कलेक्शन ऑफिसर के १०, सुपरवाईजर के २०, सर्वेयर के २००, लाईफ मित्र के ६३

ये युक्तिकरण नहीं बच्चों के भविष्य से खिलवाड़,युक्तिकरण प्रक्रिया को बंद करें सरकार-सिंहदेव

पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा सेवा देना सरकार का काम, धन कमाना नहीं

अंबिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)।

भाजपा सरकार द्वारा युक्तिकरण की नयी नीति को लेकर छत्तीसगढ़ के पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंह देव ने बुधवार को राजीव भवन में पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि सरकार का कम पैसे बचाना नहीं अच्छी शिक्षा देना है,सेवा देना सरकार का काम है धन कमाना नहीं।भाजपा सरकार का ये युक्तिकरण नहीं बल्कि बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है, इस संपूर्ण युक्तिकरण प्रक्रिया को सरकार तत्काल बंद करें।

श्री सिंह देव ने आगे कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार के द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किये जा रहे युक्तियुक्तकरण से पूरे प्रदेश में शिक्षा की गुणवत्ता पर असर पड़ने के साथ ही साथ रोजगार के अवसर पर भी आघात पहुँचेगा। प्रदेश सरकार की इस जनविरोधी नीति के विरुद्ध प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने शिक्षा-न्याय के नाम से एक चरणबद्ध आंदोलन का निर्णय लिया है।

श्री सिंह देव ने कहा कि छत्तीसगढ के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने च्मोदी की गारंटीज् के

नाम पर जो घोषणापत्र जारी किया था, उसमें प्रदेश की जनता, विशेषतौर पर बेरोजगारों से यह वादा था कि प्रदेश में शिक्षकों के ५७००० पद भरे जायेंगे। यह भी वादा था कि, शिक्षा की गुणवत्ता को बढाने के लिये बंद पडे स्कूलों को खोला जायेगा। अपने इन वादों पर प्रदेश की भाजपा सरकार ने आज तक कोई कदम नहीं उठाया है। इसके विपरीत सरकार शिक्षा विभाग में नये सेटअप के नाम पर युक्तियुक्तकरण की नयी नीति लेकर आ गई है, जिससे प्रदेश में १०४६३ स्कूल सीधे तौर पर बंद हो जायेंगे।करीब ४५००० से अधिक शिक्षकों के पद समाप्त हो जायेंगे। स्कूलों के बंद होने से न केवल शिक्षकों के पद समाप्त हो रहे हैं, साथ ही साथ स्कूलों में कार्यरत रसोईया, भृत्य, स्वीपर, महिला समूहों के रोजगार पर भी ग्रहण लगेगा। सरकार ने प्राथमिक स्कूलों के कक्षा १ से ५ तक के लिये मात्र २ शिक्षकों के सेटअप को मंजूरी दी है।

सरकार के इस अदूरदर्शितापूर्ण निर्णय से पूरे प्रदेश में शासकीय स्कूलों में अध्ययन की गुणवत्ता भी प्रभावित होगी। छत्तीसगढ एक गरीब राज्य है। यहां की अधिकांश आबादी शिक्षा के लिये शासकीय स्कूलों पर आश्रित है। शासकीय स्कूलों की खराब गुणवत्ता की वजह से छत्तीसगढ के गरीब निवासी अपने बच्चों की शिक्षा के लिये मजबूरन निजि शिक्षा संस्थानों की ओर अग्रसर होंगे, जिससे उनपर बेवजह का आर्थिक भार पडेगा।

प्रदेश सरकार की इस जनविरोधी निति के विरोध में प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने च्शिक्षा-न्यायज् के नाम से चरणबद्ध आन्दोलन चलाने का निर्णय लिया है। इसके तहत दिनांक ५ से ७ जून तक पूरे प्रदेश में जिलास्तरीय प्रेसवार्ता होगी। ९ से ११ जून तक विकासखंड स्तर पर ब्लॉक शिक्षा कार्यालय का घेराव एवं १६ से २५ जून तक जिला शिक्षा अधिकारी के कार्यालय का घेराव कार्यक्रम रखा गया है। एक से १० जुलाई तक बंद होने वाले स्कूलों के सामने कांग्रेसजन प्रदर्शन करेंगे।

डेढ़ लाख रुपए की कीमत का 850 नग नशीला इंजेक्शन बरामद, विक्रेता गिरफ्तार

अम्बिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)।

संभागीय आबकारी उड़नदस्ता टीम की जिला सरगुजा में नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है ।गांधीनगर निवासी बंटी राव को ८५० नग नशीली इंजेक्शन के साथ गिरफ्तार कर जेल दाखिल किया गया है ।आबकारी आयुक्त श्याम धावड़े सर के निदेर्शानुसार तथा आबकारी उपायुक्त विजय सेन शर्मा के मार्गदर्शन एवं सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता के नेतृत्व में आबकारी उड़नदस्ता टीम नशे के सौदागरों के विरुद्ध ताबड़तोड़ कार्रवाई कर रही है। ४ जून को

आबकारी उड़न दस्ता टीम को नशीले इंजेक्शन के विरुद्ध बड़ी कामयाबी हाथ लगी। थाना गांधीनगर निवासी बंटी राव जो कि नशीले इंजेक्शन के व्यापार के लिए चर्च पारा ठाकुरपुर में किराए का मकान लिया हुआ था। इसी मकान में मुखबिर की सूचना पर सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता ने आज सुबह-सुबह दबिश दी, परंतु आरोपी बंटी राव किराए के मकान में उपलब्ध नहीं था तो उसे उसके मूल मकान गांधीनगर से पड़कर उसके किराए के मकान चर्च पारा ठाकुरपुर में लाया गया। गवाहों के समक्ष उसके किराए के मकान की तलाशी में कुल ८५० नग इंजेक्शन और वायल जप्त किया गया।। उक्त आरोपी को एनडीपीएस एक्ट की धारा २२ (सी) के तहत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय अंबिकापुर में पेश किया गया। जहां से माननीय न्यायालय ने जेल दाखिल का आदेश प्रदान किया।

सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता ने बताया कि आबकारी उड़नदस्ता टीम की आबकारी विभाग में पूरे छत्तीसगढ़ राज्य में नशीले इंजेक्शन के खिलाफ यह अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई है। उक्त कारवाई सहायक जिला आबकारी रंजीत गुप्ता के द्वारा की गई ।।उक्त कार्यवाही में मुख्य आरक्षक कुमारु राम रमेश दुबे ,अशोक सोनी ,नगर सैनिक गणेश पांडे, रणविजय सिंह, ओम प्रकाश गुप्ता, महिला सैनिक राजकुमारी एवं अंजू तथा वाहन चालक कुशल खुटे का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा।

झोला छाप डॉक्टरों पर की जा रही कार्यवाही,

बलरामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के द्वारा जिले में अवैध रूप से संचालित क्लिनिक/पैथोलैब/नर्सिंग होम एवं मेडिकल स्टोर में उपचार करने वालों झोला छाप डॉक्टरों के विरुद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये हैं। जिसके परिपालन में निरीक्षण कर अवैध रूप से उपचार करने वाले संस्थाओं पर नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व वाड्रफनगर श्री नीरनिधी नंदेहा के मार्गदर्शन में राजस्व एवं स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम द्वारा ग्राम कछिया एवं ओदारी में अवैध रूप से संचालित क्लिनिक की जांच कर सील कर दिया गया।

वन विभाग द्वारा बेदखली के नोटिस पर आक्रोशित ग्रामीणों ने किया विरोध

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।

नगर से लगे ग्राम तकिया स्थित वन भूमि में अतिक्रमण करके अवैध रूप से रह रहे ३९ घरों को वन विभाग ने बेदखली का नोटिस जारी कर दिया है. जिसके बाद आक्रोशित ग्रामीण इस का विरोध करने अम्बिकापुर वन विभाग कार्यालय पहुंचे और जमकर नारेबाजी की. बताया जा रहा है ३ दिवस के अंदर नोटिस का जवाब नहीं दिया गया तो वनविभाग वन विभाग की भूमि पर बने सभी घरों को तोड़ने की कार्यवाही करेगी.

दरअसल अम्बिकापुर नगर सीमा से लगे ग्राम पंचायत तकिया स्थित वन भूमि पर तकरीबन ३९ से ज्यादा ग्रामीण परिवार लगभग ४० वर्षों से रह रहे हैं इन ग्रामीणों को प्रधानमंत्री आवास योजना, जल एवं विद्युत, सड़क सहित तमाम सुविधाएं शासन की ओर मुहैया हो रही है. लेकिन कुछ लोगों के द्वारा वनविभाग में शिकायत दर्ज कराई गई की थी उक्त भूमि वनभूमि की है.जिसके बाद वनविभाग के द्वारा अब इसे खाली करवाने के लिए नोटिस जारी कर दिया गया है. वही ग्रामीणों का आरोप है कि वन विभाग के द्वारा एक धर्म विशेष के कारण बिना जांच के आनन-फानन में कार्रवाई किया जा रहा है। ग्रामीणों का यह कहना है कि बरसात आने को है ऐसे में अगर उनका घर तोड़ दिया जाता है तो बरसात में अपने परिवार कहां जाएंगे. वही दूसरी ओर वनविभाग के डीएफओ अभिषेक का कहना है कि ग्राम तकिया स्थित वन भूमि पर अवैध तरीके से अतिक्रमण करने का मामला सामने आया है जिसके तहत उक्त भूमि को खाली करने का नोटिस जारी किया गया है ।उसी के संबंध में कुछ ग्रामीण अपना पक्ष रखने के लिए कार्यालय आए थे। उनसे जब पूछा गया कि उक्त भूमि पर कितने घर बने हैं तो उन्होंने कहा इसकी जानकारी उन्हें नहीं है।

हरियाली पसंद थी तो जुनून ने क्वार्टर को नर्सरी में बदला,यहीं पौधे तैयार कर खड़े कर दिए सैकड़ों वृक्ष

(विनय पांडेय)

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
प्रकृति से जुड़ाव और कुछ कर गुजरने की लालसा ने दो लोगों को पर्यावरण मित्र बना दिया।अब तक दोनों के प्रयास से कोयलांचल समेत आसपास इलाको में सैकड़ों हरे भरे वृक्ष जगह जगह लह लहा रहे हैं।दोनों के इस प्रयास की जमकर सराहना भी हो रही है।हम बात कर रहे हैं एसईसीएल बिश्रामपुर के वित्त विभाग के एकाउंटेंट सैलेश चौबे और रेलवे में पदस्थ स्टेशन प्रबंधक एसएन सिंह कि जो सैलेश चौबे गत चार दिनों पूर्व ३१ मई को कंपनी की सेवा से सेवानिवृत हो गए हैं।श्री चौबे विगत दस पंद्रह वर्षो से पर्यावरण मित्र का दायित्व निभा रहे हैं।हरियाली उन्हें पसंद है सो उन्होंने अपने वन बी कॉलोनी स्थित कंपनी आवास को नर्सरी में बदल दिया और यही तैयार किए गए पौधों को आवास के बाजू डीएवी विद्यालय के चाहर दिवारी से लगे खाली क्षेत्र में दर्जन भर से अधिक पीपल,बरगद नीम,गुलर,कदम के पौधे लगा दिए और खुद के पैसे से सभी पौधों में ट्री गार्ड भी लगवाया और सभी की नियमित देखभाल की यही पौधे अब विशाल वृक्ष का रूप ले लिए हैं।इसी दौरान देश में कोरोना महामारी का दौर शुरू हुआ और ऑक्सीजन की कमी से कई लोगों की सांसे थम गई सैलेश चौबे ने बताया कि कोरोना काल के समय ऑक्सीजन को लेकर देश भर में हाहाकार मचा था कई लोग ऑक्सीजन के आभाव में असमय काल के गाल में समा गए कई बच्चे अनाथ हो गए इस दौरान उन्हें अपने द्वारा रोपित किए गए पौधों को देख काफी सुकून मिलता था कि उनके प्रयास से आने वाली पीढ़ी जरूर लाभान्वित होगी जिसके बाद तो उन्होंने पौधे लगाने की गति और तेज कर दी।उन्होंने वीरान पड़े एकता स्टेडिम के पास बड़ी संख्या में पौधे रोपित कराए पौधों की सुरक्षा के लिए फेंसिंग कराई अब सभी पौधे बड़े हो चुके है एकता स्टेडिम में सभी पौधे अब वृक्ष बनकर स्टेडियम पहुंचने वालो को हरियाली का संदेश दे ही रहा साथ में सुकून भी दे रहा।इसके अतिरिक्त चौबे एसईसीएल कॉलोनी के अलग अलग जगहों पर लोगों को प्रेरित कर पौधा लगवा रहे हैं।उन्होंने पौधों को तैयार करने घर में नर्सरी बनाई हुई है।नर्सरी में तैयार पौधों को वे गमलों में लगा उन्हें दो तीन साल रख कम से कम पांच फीट तक तैयार कर रोपित कराते हैं।

प्रकृति प्रेमियों के प्रयासों की लोग कर रहे सराहना

इस अभियान में उन्होंने आमजनो को भी जोड़ना शुरू कर दिया है।परिचित लोगों के विशेष अवसरों पर श्री चौबे उनसे उनके हाथों पौधे रोपित कराते हैं और पौधों के बढ़ते तक उनकी देखभाल के लिए उन्हें प्रोत्साहित भी करते हैं।पौधे लगाने के समय के अतिरिक्त पौधों के बड़े होते तक खाद पानी उसकी सम्पूर्ण देख रेख वे अपने बच्चों की तरह करते हैं वे कहते हैं कि इससे उन्हें बड़ा आनंद मिलता है ये आने वाली पीढ़ी के लिए धरोहर हैं उन्हें इस कार्य के लिए कई मौकों पर पुरस्कृत भी किया जा चुका है।श्री चौबे की तरह रेलवे में बतौर स्टेशन मास्टर सेवा दे रहे सच्चिदानंद सिंह का पर्यावरण से गहरा जुड़ाव और प्रकृति से प्रेम अनोखा है।वे अपने ड्यूटी और परिवार से समय निकाल बाकी का समय पौधों की देखरेख में लगाते हैं।सच्चिदानंद सिंह दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के वर्तमान में चिरीमिरी स्टेशन प्रबंधक हैं।अपने अंबिकापुर,कमलपुर,बिश्रामपुर स्टेशन में पदस्थापना के दौरान पचासों पौधे खुद से रोपित किए और उनकी नियमित देखभाल की जिससे आज तीनों स्टेशनों में उनके लगाए गए पौधे लोगो को राहत और सुकून दे रहे हैं सभी पौधों ने अब विशाल रूप ले लिया है।वर्तमान में वे चिरिमिरी स्टेशन में स्टेशन प्रबंधक के पद पर पदस्थ हैं यहां उन्होंने गार्डन तैयार किया है जो लोगों को बरबस आकर्षित कर रहे हैं।उनकी प्रेरणा आमजनो और सहकर्मियों को खासा प्रेरित भी कर रहा। एसएन सिंह ने बताया कि विकास के इस अंधे दौड़ में पर्यावरण और प्रकृति पर सबसे अधिक मार पड़ रही है।खदान खोलने सड़क बनाने बड़े बड़े प्रोजेक्ट खोलने से पहले हजारों लाखों पेड़ो की बलि दी जाती है जिससे पर्यावरण तेजी से बिगड़ रहा है ऐसे में पर्यावरण पूरी तरह असंतुलित हो रहा है यदि हम आज भी नहीं चेते तो इसका खामियाजा हमारी आने वाली पीढ़ी को भुगतना पड़ेगा।उन्होंने कहा कि केवल पर्यावरण दिवस पर बड़ी बड़ी बातें होती है लेकिन दूसरे दिन हम फिर उसी ढर्रे पर फिर से चलने लगते हैं, हम सबको इस विषय में सोचना होगा ।

विश्व पर्यावरण दिवस पर अणुव्रत समितियों का विशेष आह्वान,दोपहर 2 से 4 बजे तक रखें एसी बंद

अम्बिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)।
अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी के तत्वावधान में चल रहे पर्यावरण जागरूकता अभियान के अंतर्गत देशभर की अणुव्रत समितियाँ व मंच विश्व पर्यावरण दिवस (५ जून) के अवसर पर एक महत्वपूर्ण जन-जागरूकता पहल कर रही हैं।

समितियों ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे अपने संस्थानों, दुकानों एवं कार्यालयों, घरों में आगामी ५ जून को दोपहर २:०० से ४:०० बजे तक अपने एयर कंडीशनर बंद रखें, ताकि ऊर्जा संरक्षण और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता को बढ़ावा दिया जा सके।

इस अभियान का नेतृत्व अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रताप सिंह दुग्गड़ कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि यह अभियान जलवायु संतुलन की दिशा में एक छोटा परन्तु महत्वपूर्ण प्रयास है। देशभर में हजारों अणुव्रत कार्यकर्ता पर्यावरण संरक्षण हेतु विविध जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन कर रहे हैं। सोसायटी के महामंत्री श्री मनोज सिंघवी ने बताया कि जनभागीदारी से छोटे छोटे प्रयोग, बड़े एवं सकारात्मक जनजागरूकता की दिशा में एक सशक्त प्रयास होंगे ।

अणुविभा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पर्यावरण प्रभारी विनोद कोठारी ने बताया कि यह पहल केवल एक प्रतीकात्मक कार्य नहीं, बल्कि हर नागरिक को पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनाने की एक ठोस पहल है। छोटे-छोटे प्रयास जब सामूहिक बनते हैं, तो बड़े परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

अणुव्रत समिति के अध्यक्ष राजरूप छाजेड,मंत्री धनपत महनोत एवं राज्य प्रभारी ..ममोल कोचेटा. ने बताया कि अपने स्थानीय स्तर पर भी विविध आयोजन करेगी जिसमें इको-फ्रेंडली कैरी बैग का वितरण, पौधरोपण,पर्यावरण प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, पर्यावरण जागरूकता संगोष्ठियाँ एवं संवाद सत्र,वृक्षारोपण एवं पौधों का वितरण आदि अनेकों पर्यावरण संरक्षण सम्बन्धित गतिविधियों का समावेश होगा। राष्ट्रीय पर्यावरण संयोजिका डॉ.नीलम जैन ने बताया कि अणु विभा के निर्देशन में पूरे देश की अणुव्रत समितियां, अणुव्रत मंच एवं विविध समवैचारिक संस्थाओं के माध्यम से वृहद स्तर पर जन भागीदारी से यह अभियान सफल हो सकेगा।

तलाकशुदा महिला के साथ हुए दुष्कर्म के मामले में लखनपुर पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

लखनपुर(अम्बिकावाणी समाचार)।
थाना क्षेत्र अंतर्गत टपरकेला जंगल में तलाकशुदा महिला के साथ हुए दुष्कर्म के मामले में लखनपुर पुलिस ने आरोपी युवक को बिलासपुर जिले से गिरफ्तार करते हुए माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया है। ४ जून दिन बुधवार की शाम लगभग ४:०० बजे लखनपुर पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक प्राथीर्या ने लखनपुर थाना पहुंच रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह बाजारों में सब्जी बेचने का कार्य करती है इसी दौरान उसकी जान पहचान ऑटो चालक योगेश कुमार साहू से हुई। और दोनों एक दूसरे को पसंद करने लगे। जून माह

२०२१ में आरोपी योगेश कुमार साहू प्रार्थिया को बोला मैं तुम्हें पसंद करता हूं और शादी करना चाहता हूं और चांदो साप्ताहिक बाजार से लौटने के दौरान रात लगभग ९ बजे टपरकेला जंगल ले जाकर शादी करने का झांसा देकर तलाकसुदा महिला के साथ जबरन दुष्कर्म घटना कारीत किया। आरोपी लगातार शादी का झांसा देकर तलाकशुदा महिला के साथ जबरन दुष्कर्म करता रहा जब महिला ने शादी करने के लिए बोली तो वह आनाकानी करने लगा इसके बाद लखनपुर थाना पहुंच तलाकशुदा महिला ने रिपोर्ट दर्ज कराया लखनपुर पुलिस धारा ३७६(२)(ढ) भादवि एवं ३(२)(वी) एससीएस टी एक्ट के तहत अपराध दर्ज करते हुए आरोपी योगेश कुमार साहू पिता कामती प्रसाद साहू उम्र २६ वर्ष छतौना बिलासपुर हाल मुकाम राइस मिल चौक भीट्टी कला थाना मणिपुर को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है इस पूरी कार्रवाई लखनपुर थाना प्रभारी शशिकांत सिन्हा, प्रधान आरक्षक पीतांबर सिंह आरक्षक चित्रसेन प्रधान, दशरथ राजवाड़े,दिलसुख लकड़ा पुलिस स्टाफ सक्रिय रहा।

सरगुजा बास्केटबॉल लीग के दूसरे दिन 6 मैच का हुआ शानदार प्रदर्शन.

अंबिकापुर(अम्बिकावाणी समाचार)।
सरगुजा जिला बास्केटबॉल संघ द्वारा सरगुजा जिला में बास्केटबॉल लीग का प्रतियोगिता के दूसरे दिन ६ मैचों का मुकाबला खेला गया।

जिसमें दूसरे दिन सुबह मुख्य अतिथि के रूप में नगर निगम सभापति हरविंदर सिंह टिन्नी एमआईसी मेंबर मनीष सिंह, एमआईसी मेंबर विपिन पांडे, एमआईसी मेंबर जितेंद्र सोनी, इंजी. सोमनाथ सिंह, पार्षद शैलेश सिंह (शैलु) उपस्थित थे। शाम को मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत सदस्य दिव्या सिंह सिसोदिया , पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष फुलेश्वरी सिंह, दीपक सिंह तोमर,निशांत सिंह गोल्डी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय कोच राजेश प्रताप सिंह ने बताया कि खिलाड़ियों का बेहतर प्रदर्शन चल रहा है। ऐसे प्रतियोगिता से खिलाड़ी अपने प्रतिभा का प्रर्दशन अच्छे से कर पाएंगें। भविष्य में संभाग स्तरीय प्रतियोगिता कराने की तैयारी चल रही है। आज के मैच में सरगुजा शुटर, सरगुजा ब्लास्टर, रॉयल चैलेंजर, चैंपियन गर्ल्स, ग्रीन फाइटर, सरगुजा फाइटर टीम विजेता रही है। जिनका कल सुबह क्वार्टर फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। प्रतियोगिता में मुख्य निर्णायक के रूप में रजत सिंह, कृष्णकांत, आकाश गुप्ता, प्रिया जायसवाल,खुशबू गुप्ता ,स्नेहा उपस्थित हैं।

अतिशेष शिक्षकों की काउंसलिंग में 554 शिक्षकों को मिली नई पोस्टिंग

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
शिक्षा के क्षेत्र में संतुलन और गुणवत्ता सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत राज्य शासन के निदेर्शों के अनुरूप युक्तियुक्तीकरण २०२५ अंतर्गत शिक्षकों के स्थानांतरण हेतु तीन दिवसीय काउंसलिंग का आयोजन १ से ३ जून तक किया गया। यह प्रक्रिया शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बिश्रामपुर में सम्पन्न हुई। इस आयोजन में जिले के विभिन्न स्कूलों से अतिशेष शिक्षकों जिनमें सहायक शिक्षक, प्रधान पाठक प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक, शिक्षक व व्याख्याता ने भाग लिया। इस प्रक्रिया के अंतर्गत शिक्षकों को उनकी योग्यता, आवश्यकता और रिक्त पदों के आधार पर नई पदस्थापनाएं प्रदान की गई।काउंसलिंग की संपूर्ण प्रक्रिया पारदर्शी और शांतिपूर्ण

वातावरण में सम्पन्न हुई। काउंसलिंग के प्रत्येक चरण में प्रशासन द्वारा सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाया गया।

तीसरे और अंतिम दिन कलेक्टर एस. जयवर्धन स्वयं काउंसलिंग स्थल पर पहुंचकर युक्तियुक्तकरण काउंसलिंग प्रक्रिया पश्चात नई पोस्टिंग प्राप्त ५५४ शिक्षकों को पदस्थापना आदेश पत्र प्रदाय किया गया।इस दौरान उन्होंने शिक्षकों से संवाद भी किया।कलेक्टर एस जयवर्धन ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था को संतुलित और प्रभावी बनाना हम सबकी प्राथमिकता है। शिक्षकों की नई पदस्थापनाएं उनके अनुभव और क्षेत्र की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर की गई हैं, जिससे विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण प्राप्त हो सके।

घरेलू विवाद के बाद विवाहिता ने की खुदकुशी

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत सतपता दरीर्पारा में बुधवार दोपहर विवाहिता ने घरेलू विवाद के बाद घर से कुछ दूर स्थित सरई पेड़ में चढ़ दुपट्टे से फांसी लगा खुदकुशी कर ली। मृतिका की पहचान सावित्री राजवाड़े पति सुखल राजवाड़े २५ वर्ष के रूप में हुई है, जो ग्राम सतपता दरीर्पारा की निवासी थी।

बिश्रामपुर टीआई अलरिक लकड़ा ने बताया कि ग्राम पंचायत सतपता दरीर्पारा निवासी सावित्री की अपने पति सुखल राजवाड़े से बुधवार को किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। मामूली दिखने वाली तकरार कब इतना बड़ा रूप ले लेगी, इसका अंदाजा किसी को नहीं था। टीआई ने बताया कि मनमुटाव के कुछ ही

समय बाद सावित्री घर से लगभग १५० मीटर दूर एक पेड़ पर चढ़कर वहीं फांसी के फंदे से झूल गई।इस हृदयविदारक घटना से सबसे ज्यादा प्रभावित सावित्री के दो छोटे मासूम बच्चे हुए हैं।सावित्री का पति सुखल राजवाड़े मूलतः जयनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत कैलाशपुर निवासी है जो ससुराल में ही घर जमाई के रूप में रह रहा है।घटना की सूचना मिलते ही बिश्रामपुर थाना प्रभारी टीआई अलरिक लकड़ा और पिलखा की नायब तहसीलदार मीना सिंह तत्काल दलबल के साथ मौके पर पहुंच मामले की विवेचना कर रही है।फिलहाल पुलिस आत्महत्या का केस मानकर जांच कर रही है, लेकिन सवाल उठ रहे हैं कि क्या यह केवल एक साधारण कहासुनी थी या इसके पीछे कोई और कारण है।

मोर गांव मोर पानी महाअभियान के तहत जल संरक्षण के लिए हुआ क्लस्टर स्तरीय प्रशिक्षण

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
कलेक्टर श्री विलास भोस्कर के निर्देशन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री विनय कुमार अग्रवाल के मार्गदर्शन में च्मोर गांव मोर पानी महाअभियानच्ः जिलेभर में संचालित किया जा रहा है। इस महाअभियान अंतर्गत बारिश के जल को अधिक से अधिक संरक्षित कर जल संवर्धन को बढ़ावा देना है।

जन समुदाय की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न ग्राम पंचायतों में श्रमदान, दीवाल लेखन, नारालेखन एवं जनजागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से जल संरक्षण का संदेश प्रसारित किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत जिले में २ जून से ६ जून २०२५ तक क्लस्टर स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

आज जनपद पंचायत अंबिकापुर के दरिमा क्लस्टर की २७, सीतापुर के बनेया क्लस्टर की ११, लुंड्रा के उदारी क्लस्टर की ३३, बतौली के बिलासपुर क्लस्टर की १२, लखनपुर के कुन्नी क्लस्टर की २०, मैनपाट के कमलेश्वरपुर क्लस्टर की १६ तथा उदयपुर के खमरिया क्लस्टर की १७ ग्राम पंचायतों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में संबंधित क्षेत्र के कार्यक्रम अधिकारी एवं तकनीकी सहायक उपस्थित रहे, जिन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को जल संरक्षण एवं संचयन को नैतिक जिम्मेदारी मानते हुए कार्य करने हेतु प्रेरित किया।

प्रशिक्षण में जल संरचनाओं का चयन, सूखा प्रभावित क्षेत्रों के उपचार, भूजल स्तर बढ़ाने हेतु उपाय, उपयुक्त स्थानों पर संरचनाओं का निर्माण तथा पूर्व निर्मित जल संरचनाओं के पुनः उपयोग एवं संरक्षण हेतु जन भागीदारी को केंद्र में रखते हुए विस्तृत जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण के दौरान सभी प्रतिभागियों को जल शपथ दिलाई गई, जिसमें पानी की एक-एक बूंद बचाने एवं जल संरचनाओं को सहेजने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर संबंधित पंचायतों के सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक, ग्राम संगठन की महिलाएं एवं विभिन्न विभागों के कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

कलेक्टर के निर्देश पर अवैध शराब के विरूद्ध लगातार हो रही कार्यवाही

बलरामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के निर्देश पर शराब की अवैध बिक्री पर प्रतिबंध लगाने के लिए जिला आबकारी अधिकारी श्री एस.के. सुर्यवंशी के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग द्वारा जिले में लगातार छापेमारी की कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में माह मई २०२५ में ११ प्रकरणों पर टीम ने कार्यवाही करते हुए ४१ हजार ८२ रुपये के ३६.२३ लीटर विदेशी शराब एवं १४९ लीटर महुआ शराब व १ ट्रक को जब्त किया है।

जिला आबकारी अधिकारी श्री सूर्यवंशी ने बताया है अवैध शराब के निर्माण, विक्रय, परिवहन तथा सार्वजनिक जगहों पर मदिरापान और राष्ट्रीय एवं राजकीय राजमार्गों के किनारे संचालित होटल, ढाबा में शराब रखने, पीने एवं पिलाने वालों के विरूद्ध कार्यवाही की जा रही है।

रामगढ़ महोत्सव के सफल आयोजन हेतु आयोजित हुई बैठक

11 एवं 12 जून को आयोजित होगा दो दिवसीय रामगढ़ महोत्सव

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
आषाढ़ माह के प्रथम दिवस के अवसर पर ११ एवं १२ जून को रामगढ़, उदयपुर स्थित रामवनगमन पर्यटन स्थल में रामगढ़ महोत्सव २०२५ का आयोजन किया जा रहा है। इस महोत्सव की पूर्व तैयारियों को लेकर आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक में अंबिकापुर विधायक श्री राजेश अग्रवाल, महापौर श्रीमती मंजूषा भगत, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरूपा सिंह, सभापति श्री हरविंदर सिंह टिन्नी, स्थानीय प्रतिनिधि, कलेक्टर श्री विलास भोसकर, जिला पंचायत सीईओ श्री विनय कुमार अग्रवाल, अपर कलेक्टर श्री सुनील कुमार नायक, एस डी एम श्री बनसिंह नेताम, श्री नीरज कौशिक सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में

रामगढ़ राम जानकी मंदिर का जीर्णोद्धार , परिसर में हाई मास्टर लाइट लगाने , यात्री प्रतीक्षालय निर्माण करने, राम जानकी मंदिर परिसर में चारो तरफ रेलिंग लगाने, राम जानकी मंदिर के आसपास के प्रमुख स्थल रामजानकी कुंड (तालाब) ,बड़े तुर्रा,चंदन मिट्टी स्थलों का मरमत करने कहा गया। सीता बेंगरा गुफा से राम जानकी मंदिर तक सड़क के दोनों किनारे में लाइट एवं बिजली व्यवस्था एव एक-दो स्थलों में शेड निर्माण कराने का निर्णय लिया गया। रामगढ़ में शोधकताओं के लिए शोध केंद्र की स्थापना एवं संचालन,रामगढ़ में बने राम वन गमन परिसर में बने कॉटेज एवं डॉरमेट्री केंद्रों का संचालन महिला समूह या वन प्रबंधन समिति के द्वारा किए जाने के संबंध में चर्चा की गई। महोत्सव के दौरान मेला मड़ई लगाने, पुरातात्विक स्थल देवटिकरा,सतमहला,देवगढ़, महारानीपुर के संरक्षण एवं संवर्धन के कार्य करने का निर्णय लिया गया। बैठक में कला एवं संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए स्थानीय कलाकारों को अवसर देने सुझाव दिए गए।

हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट के लिए 05 जून को शिविर आयोजित

बलरामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। जिला परिवहन अधिकारी श्री यशवंत यादव ने बताया है कि जिले के २०१९ से पहले के पंजीकृत वाहनों में हाई सिक्योरिटी नंबर लगवाने हेतु फॉर्म भरने के लिए परिवहन विभाग द्वारा ०५ जून २०२५ को जिला परिवहन कार्यालय बलरामपुर, तहसील कार्यालय शंकरगढ़ एवं तहसील कार्यालय बलरामपुर में शिविर का आयोजन किया जा रहा है। ऑनलाइन फॉर्म भरने के लिए वाहन का पंजीयन प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, रजिस्टर्ड मोबाईल नंबर लाना आवश्यक है। इसके लिए शुल्क भी निर्धारित किया गया है। दो पहिया वाहन के लिए ३६६ रुपये, तीन पहिया वाहनों के लिए ४२८ रुपये, चार पहिया वाहनों के लिए ६५७ रुपये तथा भारी माल वाहनों के लिए ७०६ रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है। इसके अलावा परिवहन सुविधा केन्द्र में फॉर्म भरने पर ५० रुपये अतिरिक्त शुल्क देय होगा।

25 दिनों से नर हाथी का आतंक, ग्राम पुरुषोत्तमपुर रहवासी सहमें, पेज 09

कलेक्टर ने जनमन योजना अंतर्गत निमार्णाधीन सड़कों का किया निरीक्षण

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
कलेक्टर श्री विलास भोसकर ने आज लूण्ड्रा विकासखंड के अंतर्गत जनमन योजना के तहत प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना (पीएमजेएसवाई) के निमार्णाधीन सड़कों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति का अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों को कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करने एवं निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने गेरसा से चितालता मार्ग के जिसकी कुल लंबाई २.३७५ किलोमीटर की सड़क है। वर्तमान में इस मार्ग पर घाट कटिंग एवं ड्डरूरू कार्य प्रगतिरत है। कलेक्टर ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर जोर देते हुए निर्धारित समयावधि निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

वहीं कलेक्टर ने टी-१३ मेन रोड मोहरा से धमनापारा मार्ग जिसकी १.२७५ किलोमीटर लंबाई है, यहां डामरीकरण कार्य पूर्ण हो चुका है तथा सीसी (कांक्रीट) सड़क निर्माण का कार्य प्रगति पर है। वहीं टी-१६ सुमेरपुर से कहुआपानी मार्ग इस

मार्ग की कुल लंबाई १.७०० किलोमीटर है, यहां डामरीकरण और सीसी सड़क निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है, जबकि शोल्डर (सड़क किनारे भराव) कार्य जारी है।

कलेक्टर श्री भोसकर ने निर्देशित करते हुए कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप ग्रामीण सड़कों का निर्माण उच्च गुणवत्ता के साथ समयबद्ध ढंग से होना चाहिए, ताकि स्थानीय नागरिकों को सुगम एवं सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल सके।

उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों की सतत निगरानी करें एवं मानकों से कोई समझौता नहीं की जाएगी, लापरवाही बरतने पर सख्त कार्रवाई होगी। कलेक्टर निरीक्षण के दौरान पीएमजेएसवाई एवं निर्माण एजेंसी के अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रयास आवासीय विद्यालयों में प्रवेश हेतु आयोजित प्राक्कयन परीक्षा के परिणाम जारी

बलरामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग ने जानकारी दी है कि शिक्षण सत्र २०२५-२६ में प्रयास आवासीय विद्यालयों में कक्षा ९वीं प्रवेश हेतु जिले में २० अप्रैल २०२५ को प्राक्कयन परीक्षा आयोजित की गई थी। प्राक्कयन परीक्षा उपरांत परिणाम विभागीय वेबसाईट एकलव्य डॉट सीजी डॉट एनआईसी डॉट इन पर ०४ जून को अपलोड की गई है। मेरिट सूची का प्रकाशन पृथक से किया जाएगा। आवेदक वेबसाईट पर परीक्षा परिणाम में अपना नाम एवं रोल नम्बर का मिलान कर लेवें। किसी प्रकार की त्रुटि होने पर आवेदक, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास बलरामपुर कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर कार्यालयीन समय में दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। डाक द्वारा दावा-आपत्ति स्वीकार नहीं किया जावेगा। दावा आपत्ति की अंतिम तिथि १० जून २०२५ निर्धारित की गई है। अंतिम तिथि समाप्ति पश्चात दावा आपत्ति मान्य नहीं किया जाएगा।

प्राकृतिक आपदा से बचाव एवं राहत व्यवस्था हेतु कंट्रोल रूम स्थापित

बलरामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
आगामी मानसून २०२५ में जिले में प्राकृतिक आपदा से बचाव एवं राहत व्यवस्था हेतु कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के द्वारा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये हैं। कलेक्टर श्री कटारा ने अधिकारियों को जिले में वर्षा ऋतु में प्राकृतिक आपदा से बचाव एवं राहत व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए कहा है। उन्होंने समस्त तहसील केन्द्रों में वर्षा मापक यंत्र के उचित संधारण, जिला एवं विकासखण्ड स्तर पर कंट्रोल रूम की स्थापना, पहुंचविहीन क्षेत्रों में बाढ़ की स्थिति में पहुंचना संभव नहीं हो पाता है वहां पर्याप्त मात्रा में खाद्य सामग्री, दवाईयां इत्यादी संग्रहित करने के साथ ही पेयजल की शुद्धता एवं स्वच्छता को दृष्टिगत रखते हुए कुओं तथा हैण्डपंपों आदि के लिए ब्लिचिंग पाउडर की व्यवस्था करने के निर्देश दिए है। उन्होंने ऐसे क्षेत्र जहां बाढ़ जैसी स्थिति बन जाती है इन क्षेत्रों में सतत निगरानी रखने को कहा है। साथ ही राहत शिविरों में नियमित चिकित्सा जांच, स्वाच्छता के लिए आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने बाढ़ से बचाव संबंधी उपकरण की उपलब्धता एवं दूरस्तीकरण कराने, बचाव दल की टीम तैयार रखने, नगरीय क्षेत्रों में नालियों की साफ-सफाई, निकासी क्आदि की व्यवस्था करने को कहा है।

जिला स्तर पर कंट्रोल रूम की स्थापना

संयुक्त जिला कार्यालय में प्राकृतिक आपदा से बचाव एवं राहत व्यवस्था हेतु कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। जिसके लिए अपर कलेक्टर श्री आर.एस. लाल को नोडल अधिकारी बनाया गया है। साथ ही जिला स्तर पर बाढ़ नियंत्रण कक्ष का दूरभाष नम्बर ०७८३१-२७३००२ है। कन्ट्रोल रूम में कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। रात्रि १० बजे से प्रातः ०७ बजे तक श्री तपन सरदार नगर सैनिक मोबाईल नम्बर ६२६६६-३७८२७, प्रातः ०७ बजे से दोपहर ०१ बजे तक श्रीमती नीलम खलखो नगर सैनिक मोबाईल नम्बर ७३५४६-८९७९९, दोपहर ०१ बजे से शाम ०६ बजे तक श्रीमती दिव्या खाखा नगर सैनिक मोबाईल नम्बर ९१३१३-३१९८४ तथा शाम ०६ बजे से रात्रि १० बजे तक मातरम एक्का मोबाईल नम्बर ९३९९७-००६५१ की ड्यूटी पर लगाई गई है। इसके साथ ही विकासखण्ड स्तर पर बचाव एवं राहत व्यवस्था के लिए कंट्रोल रूम बनाने के निर्देश दिए गए है।

कलेक्टर ने किया खाद-बीज वितरण केंद्रों का औचक निरीक्षण, किसानों को पात्रता अनुसार वितरण सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
कलेक्टर श्री विलास भोसकर ने आज लुण्ड्रा विकासखंड अंतर्गत आदिम जाति सेवा सहकारी मर्यादित समिति बटवाही, ससौली एवं धौरपुर के खाद-बीज वितरण केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्रों में उपलब्ध खाद-बीज की स्थिति, भंडारण व्यवस्था तथा वितरण प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी ली।

श्री भोसकर ने इस खरीफ सीजन के लिए यूरिया, डीएपी, इफको, पोटाश, नैनो यूरिया, सुपर फास्फेट (दानेदार एवं पाउडर) जैसे उर्वरकों की आवक, अब तक हुई बिक्री और शेष स्टॉक की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि छोटे और बड़े सभी किसानों को उनकी पात्रता अनुसार ही खाद-बीज का वितरण किया जाए, ताकि सभी किसानों को खाद-बीज सही समय पर प्राप्त हो सके।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने खाद-बीज वितरण रजिस्टर, भंडारण व्यवस्था और स्टॉक पंजी की भी जांच की। इसके अतिरिक्त, कलेक्टर ने उपस्थित किसानों से सीधे संवाद कर यह जानने का प्रयास किया कि उन्हें समय पर और सही मात्रा में खाद-बीज मिल रहा है या नहीं। किसानों ने बताया कि उन्हें खाद-बीज उपलब्ध हो रहा है।

कलेक्टर ने खाद-बीज की आवक और वितरण की नियमित एंट्री सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि पारदर्शिता बनी रहे। निरीक्षण के दौरान एसडीएम श्री शतरंज सिंह, डीएमओ अरुण विश्वकर्मा, सहकारी बैंक के नोडल अधिकारी पीसी गुप्ता, कृषि विभाग उपसंचालक श्री पितांबर सिंह दीवान एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

तेज डायग्नोस्टिक/ब्लड बैंक (सेंटर)
माता राजरानी मेमोरियल MRM हॉस्पिटल
बाबूपारा, जोड़ा तालाब के सामने, अम्बिकापुर सरगुजा (छ.ग.)

डॉ. भुवन शर्मा
MD, DM (Neurology)
मस्तिष्क रोग एवं नस रोग समस्याएँ
• लकवा, पैरालिसिस, मिर्गी एवं सिर दर्द का इलाज
• दिमागी बुखार, भूलने की बीमारी (अल्जाइमर रोग)
• पार्किंसन बीमारी, गर्दन, बांह और पैरों का दर्द

डॉ. बी. मिंज
MBBS, MD, FIPM
• कमर दर्द, गर्दन, पीठ का दर्द एवं हाथ का दर्द
• जोड़ों का दर्द, टेनिस एल्बों, एड़ी का दर्द

डॉ.संजय कुमार अग्रवाल
MBBS, MD, Medicne (Delhi)
DM (Gastro) BHU Varanasi
पेट एवं आंत रोग विशेषज्ञ
+ गैस, उल्टी की समस्या, भूख न लगना, पेट दर्द
+ पीलिया, पित्त की समस्या, क्रोनिक पेनक्रियाटाइटिस
+ सीने में जलन, खाना एवं पानी का अटकना

सरगुजा संभाग की सर्वप्रथम एवं एकमात्र
1.5 Tesla MRI All Diagnostic Facilites

डॉक्टर्स हाउस @ सरगुजा
माता राजरानी मेमोरियल MRM हॉस्पिटल - II

डॉ.महावीर सिंह जौहरी
MBBS, MS, DNB (Haderbad)
FEN (Jabalpur), CNETS AIIMS (Delhi)
• ब्रेन ट्यूमर, निंद की कमी, मस्तिष्क सम्बन्धी समस्या
• स्पोंडिलिसिस, स्पाइन की समस्या
• हाथ, पीठ, जानु या पैर में दर्द, पैर सुन्न होना

08 जून 2025, प्रत्येक माह के दूसरे रविवार
अग्रिम पंजीयन हेतु सम्पर्क करें
07774222555, 9425583780, 9826183780, 8224007799, 8718003300, 6262639090
आयुष्मान योजना द्वारा भर्ती, सर्जरी, उपचार एवं जाँच की सुविधा उपलब्ध

◆◆◆---अपना बाजार---◆◆◆

विज्ञापन के लिए जगह रिक्त है

माता राजरानी मेमोरियल ¼MRM½ हॉस्पीटल
RSBY/MSBY (स्मार्ट कार्ड) द्वारा भर्ती एवं इलाज की सुविधा उपलब्ध
स्थान - बाबुपारा, जोड़ा तालाब के सामने, अम्बिकापुर,
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

बच्चों के N.I.C.U. सुविधा
नवजात बच्चों को गहन चिकित्सा कक्ष की सुविधा।
24 घंटे विशेषज्ञों की देख-रेख में वेंटीलेटर, सी-पेप एवं अन्य अत्याधुनिक उपकरणों से युक्त नियोनेटल केयर यूनिट
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

एम.एस. जनरल सर्जन
हॉर्निया, हाईड्रोसिल, एपेण्डीक्स, पाईल्स, पथरी एवं सभी प्रकार की जनरल सर्जरी एवं हर प्रकार के आपरेशन की सुविधा प्रतिदिन fo'k"k & RSBY & MSBY (स्मार्ट कार्ड) की सुविधा उपलब्ध
-: प्रतिदिन उपलब्ध:-
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

"M.S., E.N.T."
नाक, कान, गला
दूरबीन से प्रतिदिन नाक, कान, गला की जांच की जाती है
रोगों के वरिष्ठ अनुभवी चिकित्सक (अत्याधुनिक उपकरणों की सुविधा) के साथ
प्रतिदिन उपलब्ध
समय-दोपहर 2 बजे से सायं 5 बजे तक
कान एवम् बहरेपन की सम्पूर्ण जांच की जर्मनी की अत्याधुनिक मशीन द्वारा।
कान की मशीन उत्कृष्ट क्वालिटी एवं दो साल की वारण्टी के साथ अत्यन्त रियायती मूल्यों पर उपलब्ध।
आडियोमेट्री की जांच एवम् सेवाए नियमित उपलब्ध
विशेष- नाक, कान, गले से संबंधित सभी प्रकार के आपरेशन (सर्जरी) की सुविधा स्मार्ट कार्ड द्वारा उपलब्ध।
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

प्रतिदिन फिजिशियन परामर्श
डायबिटिज (शुगर/मधुमेह), हृदय संबंधी समस्त रोग, सभी प्रकार के हार्मोन्स विकार (थाइराईड), समस्त प्रकार के इंफेक्शन (सर्दी, खांसी, बुखार, ब्लड प्रेशर (हायपरटेंशन)), एनीमिया, सिकलिंग, थैलीसीमीया, टी.बी., श्वसन एवं छाती संबंधी समस्त रोग, पाचन एवं पेट, लीवर, किडनी (गुर्दा), सिर, मस्तिष्क एवं नस संबंधी समस्त रोग एवं सभी प्रकार के पुराने रोगों के उपचार हेतु उपलब्ध रहेंगे...
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल
पुराना बस स्टैण्ड, बाबुपारा, जोड़ा तालाब के पास अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

सभी बीमारियों के
विशेषज्ञ चिकित्सक नियमित उपलब्ध
डॉक्टर्स हाउस
रानी तालाब के सामने, गेहूं बाड़ी के आगे
शासकीय अस्पताल रोड, अम्बिकापुर
मो.-94255-83780, 62626-39090, 62626-39191
फोन 07774222555

पतंजली सेवा केन्द्र
पतंजली के सभी प्रोडक्ट पर 2 से 10 प्रतिशत तक की छूट उपलब्ध
निः शुल्क डॉक्टर (वैद्य) परामर्श सेवा प्रतिदिन उपलब्ध
सुबह 10.00 बजे से रात्रि 8.00 बजे तक
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर, तेज मेडिकल के सामने
सम्पर्क नम्बर- 9425583780, 9522629990
आपसे विनम्र निवेदन है कि जरूरतमंद मरीजों तक इसकी जानकारी देने की कृपा करें।
आपके सहयोग एवं सलाह के लिए हृदय से धन्यवाद।

आधुनिक मशीनों एवम् विश्वसनीय जांच 24 घंटे उपलब्ध
एम.आर.आई | ब्लड बैंक सुविधा (24 घंटे)
सीटी स्कैन | ई.ई.जी., ई.सी.जी.
सोनोग्राफी | टीकाकरण की सुविधा
टी.एन.टी. | प्रतिदिन
आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित कम्प्यूटरीकृत पैथोलॉजी लैब
स्थान - तेज डायग्नोस्टिक सेंटर
बाबुपारा, जोड़ा तालाब के सामने, अम्बिकापुर
मोबा.-07774-222999, 8224007799, 9826183780

SRS HOSPITAL
न्यूनतम दर, उच्चतम सेवा
हमारी उच्च स्तरीय स्वस्थ्य सेवाएं
• जनरल मेडिसिन, सर्जरी रोग, हड्डी रोग, स्त्री रोग, नेत्र रोग, एवं बाल हृदय रोग
• सभी प्रकार के सर्जरी की सुविधा आयुष्मान कार्ड द्वारा उपलब्ध है
• 24X7 आपातकालीन सुविधा
• क्रिटिकल केयर एवं ट्रामा केयर
• एडवांस आई. सी. यू. यूनिट
• निःशुल्क डायलिसिस की सुविधा
• 24X7 फार्मेसी एवं डायग्नोस्टिक सेवाएं उपलब्ध
आयुष्मान भारत कार्ड द्वारा इलाज की सुविधा उपलब्ध
More Information call us +91 96176 05000, +91 70499 85558
जिला अस्पताल रोड, मणिपुर स्कूल के पास अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ. ग.)

आपके नगर अम्बिकापुर में अब प्रतिदिन विशेषज्ञ उपलब्ध
मानसिक एवं नशामुक्ति विशेषज्ञ
समय-दोपहर 2 बजे से 6 बजे तक
रोग : डिप्रेशन, उदासी, चिंता, घबराहट, सरदर्द, माइग्रेन, मिर्गी, झटका, बेहोशी, कम एकाग्रता, नींद की कमी, असामान्य व्यवहार, पागलपन, शराब व अन्य नशे की लत, गर्दन दर्द, कमर दर्द, नस मांसपेशियों में दर्द, बच्चों में चंचलता, मंदबुद्धि आदि से संबंधित बीमारियों के परामर्श एवं उपचार हे
पता: माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल/ तेज डायग्नोस्टिक से
पुराना बस स्टैण्ड, बाबूपारा, जोड़ा तालाब के पास, अम्बिकापुर मो.नं. 07774-222999, 8224007799, 98261

घणसोली बस डिपो में भीषण आग से दो बसें जलकर हुई खाक

मुंबई ,04 जून(ए)। नवी मुंबई के घणसोली बस डिपो में बुधवार की सुबह एक भीषण आग की घटना में दो बसें पूरी तरह जलकर खाक हो गईं। इस हादसे में एक इलेक्ट्रिक और एक डीजल बस को नुकसान पहुंचा है। अधिकारियों के मुताबिक यह घटना डिपो में मरम्मत के लिए खड़ी इलेक्ट्रिक बस में अचानक आग लगने से हुई है। आग इतनी तेजी से फैली कि पास खड़ी डीजल बस भी इसकी चपेट में आ गई। इस घटना में दोनों बसें पूरी तरह नष्ट हो गईं।
शुरूआती जानकारी के अनुसार, इलेक्ट्रिक बस में मरम्मत का कार्य चल रहा था, जिसके लिए उसे डिपो में रखा गया था। आग लगने का सटीक कारण अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन अधिकारियों का मानना है कि शॉर्ट सर्किट इसकी मुख्य वजह हो सकती है। घटना की सूचना मिलते ही डिपो के कर्मचारियों ने तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचित किया। अग्निशमन दल ने मौके पर पहुंचकर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई।

कलेक्टर ने जनमन योजना अंतर्गत निर्माणाधीन सड़कों का किया निरीक्षण...पेज 11

नहीं काम आया पाकिस्तान का धार्मिक पैंतरा, मलेशिया में भारतीय प्रतिनिधिमंडल के 'ऑपरेशन सिंदूर' कार्यक्रमों को मिली हरी झंडी

नई दिल्ली ,04 जून(ए)। पाकिस्तान की ओर से की गई तमाम कोशिशों के बावजूद मलेशिया ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत भारत के नौ सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के सभी कार्यक्रमों को आयोजित करने की अनुमति दे दी है। संयुक्त राष्ट्र में कश्मीर मुद्दा उठाकर पाकिस्तान ने मलेशिया से इन कार्यक्रमों को रद्द करने का अनुरोध किया था, जिसे मलेशियाई सरकार ने सिरे से खारिज कर दिया।
सूत्रों के मुताबिक, पाकिस्तान ने मलेशियाई अधिकारियों से इस्लामिक भाईचारे की दुहाई देते हुए भारत विरोधी आग्रह किया था। पाकिस्तानी दूतावास ने कहा, हम इस्लामिक देश हैं, आप भी इस्लामिक देश हैं। भारतीय प्रतिनिधिमंडल की बात न मानें और उनके कार्यक्रम रद्द करें। लेकिन मलेशिया ने पूरी तटस्थता दिखाते हुए पाकिस्तान की मांग को नजरअंदाज किया और सभी 10 प्रस्तावित कार्यक्रमों को मंजूरी दे दी। संजय झा के नेतृत्व में भारतीय सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने मलेशिया की संसद के प्रतिनिधि सदन के अध्यक्ष डॉ. जोहरी बिन अब्दुल से भेंट कर भारत की आतंकवाद के खिलाफ सख्त नीति से अवगत कराया। भारतीय उच्चायोग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्सइ पर पोस्ट कर यह जानकारी साझा की। प्रतिनिधिमंडल ने मलेशियाई सांसदों से अपील की कि आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में वे भारत का समर्थन करें। इस पर मलेशिया ने भी अपनी ओर से शांति के प्रति पूर्ण प्रतिबद्धता दोहराई।
प्रतिनिधिमंडल ने मलेशिया की संसद की विशेष समिति के प्रमुख वाईबी वोंग चेन और दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्रीय आतंकवाद निरोधक केंद्र की महानिदेशक दतिन पादुका नूर आशिकिन मोहम्मद तैयब से भी महत्वपूर्ण बैठक की। इस दौरान पहलगाम में हुए हालिया आतंकवादी हमले की जानकारी दी गई और भारत की 'जीरो टॉलरेंसइ नीति पर चर्चा हुई। गौरतलब है कि 'ऑपरेशन सिंदूरइ के बाद भारत ने पाकिस्तान के आतंकवाद समर्थक रवैये को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेनकाब करने के लिए सात देशों में सांसदों के प्रतिनिधिमंडल भेजे हैं। मलेशिया दौरा इसी कड़ी का हिस्सा था, जहां भारत को बड़ी राजनयिक सफलता मिली है।

संजय झा के नेतृत्व में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक समर्थन जुटाकर स्वदेश लौटा

नई दिल्ली ,04 जून(ए)। पांच देशों की सफल यात्रा के बाद जदयू सांसद संजय कुमार झा के नेतृत्व में एक सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल बुधवार सुबह दिल्ली पहुंचा। यह दल पाकिस्तान समर्थित सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक समर्थन जुटाने के लिए यात्रा पर गया था।
प्रतिनिधिमंडल ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद सिंगापुर, जापान, दक्षिण कोरिया, मलेशिया और इंडोनेशिया का दौरा किया।
यात्रा से दिल्ली पहुंचने के बाद आईएएनएस से बातचीत में जदयू सांसद संजय कुमार झा ने कहा, हमने जापान, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, इंडोनेशिया और मलेशिया का दौरा किया। इस यात्रा से चार-पांच महत्वपूर्ण बातें उभरकर सामने आईं। पहली बात, सरकार द्वारा भेजे गए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने कड़ा संदेश दिया कि आतंकवाद के खिलाफ इस मुद्दे पर पूरा देश एकजुट है। दूसरी बात, दुनिया भर के देशों ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले की एक स्वर में निंदा की और इस हत्याकांड में मारे गए सभी 26 लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की। तीसरी बात, भारत ने संयम और सटीकता के साथ केवल पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर में आतंकी ठिकानों और शिविरों को निशाना बनाया। चौथी बात, जम्मू-कश्मीर में उड़ानें फिर से शुरू हो गई हैं। इसके अलावा जमीनी हालात की समीक्षा के लिए पहलगाम में कैबिनेट की बैठक भी हो रही है। हमने आग्रह किया कि एफएटीएफ (वित्तीय कार्रवाई कार्य बल) द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। प्रतिनिधिमंडल ने आतंक के खिलाफ कड़ा संदेश दिया है। जदयू सांसद झा के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल में भाजपा सांसद अपराजिता सारंगी, बृज लाल, प्रदान बरुआ, हेमांग जोशी, टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी, सीपीआई-एम के जॉन ब्रिटास और कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद और राजदूत मोहन कुमार शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल में शामिल भाजपा सांसद हेमांग जोशी ने कहा, सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस प्रतिनिधिमंडल का गठन आतंकवाद के खिलाफ दुनिया को एकजुट करने के लिए किया गया था। विभिन्न बहुदलीय प्रतिनिधिमंडलों ने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए एकजुट टीम के रूप में विभिन्न देशों का दौरा किया। वहीं, प्रतिनिधिमंडल में शामिल भाजपा सांसद बृजलाल ने यात्रा को बहुत फलदायी बताया है और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के सांसद जॉन ब्रिटास ने कहा , हमारा मिशन अन्य देशों को जागरूक करना और यह संदेश देना था कि उन्हें आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत का समर्थन करना चाहिए।

मऊ विधानसभा सीट पर उपचुनाव लड़ेगी सुभासपा : ओमप्रकाश राजभर

लखनऊ ,04 जून(ए)। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) प्रमुख और यूपी सरकार में कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने मऊ विधानसभा सीट से विधायक अब्बास अंसारी की विधायकी जाने पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि इस सीट पर उपचुनाव होंगे तो हमारी पार्टी जरूर चुनाव लड़ेगी।
कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने कहा, कोर्ट जो भी फैसला देगा और चुनाव आयोग जो भी फैसला करेगा। अगर चुनाव आयोग वहां चुनाव कराता है तो भारतीय समाज पार्टी चुनाव जरूर लड़ेगी। वहां सीट खाली हुई है, नियमसंगत भारतीय समाज पार्टी की सीट है और हमारी पार्टी चुनाव लड़ेगी।
ओमप्रकाश राजभर ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, राजभर महाराजा सुहेलदेव के इतिहास को कांग्रेस और समाजवादी पार्टी की सरकारों ने कभी स्वीकार नहीं किया। एनडीए सरकार ऐसे महान व्यक्तित्वों के योगदान और विरासत को लोगों के सामने लाने का काम कर रही है। इसी प्रयास के तहत याद किया जाता है कि 10 जून 1034 को महाराजा सुहेलदेव ने बहराइच के नानपारा मैदान में पथला नदी के तट पर सैय्यद सालार मसूद गाजी को हराकर उसकी हत्या की थी। इसलिए 10 जून को बहराइच में विजय दिवस के रूप में भव्य मेले के साथ मनाया जाएगा। उन्होंने आगे कहा, मैं सपा और कांग्रेस से पूछना चाहता हूं कि क्या उन्होंने विशेष राजनीति के कारण सुहेलदेव राजभर के इतिहास को मिटाने का प्रयास नहीं किया? क्यों कांग्रेस ने उनके बारे में किताबों में नहीं बताया? क्यों समाजवादी पार्टी ने सैय्यद सालार मसूद गाजी का मेला लगाया और सुहेलदेव को भुला दिया? मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि आखिर सुहेलदेव के देश के लिए किए गए कामों को क्यों भुला दिया गया। जनता सुहेलदेव महाराज के गौरवशाली इतिहास से परिचित हो, इसके लिए सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी ने हर कोशिश की है। हम केवल इतिहास को याद नहीं कर रहे हैं बल्कि उसे लिख भी रहे हैं। आज देश का बच्चा-बच्चा महाराजा सुहेलदेव के राज से परिचित हो रहा है। कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि मैं प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी को धन्यवाद देता हूं, जिन्होंने बहराइच में सुहेलदेव महाराज की प्रतिमा की स्थापना की। जो देश के लिए लड़े, उन्हें सपा और कांग्रेस ने छिपा दिया था। आज देश में सुहेलदेव महाराज और अहिल्याबाई होल्कर की चर्चा हो रही है।

गंगा दशहरा पर दुलही तालाब में माँ गंगा पूजन व महाआरती आज

० आयोजन को लेकर की गई है व्यापक तैयारियां

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। मोक्षदायिनी मां गंगा के पृथ्वी पर अवतरण दिवस गंगा दशहरा के पावन पर्व पर आज गुरुवार को पँचमन्दिर स्थित दुलही तालाब में विगत वर्षों की भाति इस वर्ष भी भजन संध्या, माँ गंगा पूजन व महाआरती का आयोजन किया गया है। आयोजन को लेकर तालाब परिसर की साफ-सफाई के साथ व्यापक तैयारियां की गई हैं। इधर शहर के बड़खापारा मोहल्ले में स्थित छठ तालाब में भी साफ सफाई व रंग रौगन कर परंपरा के अनुरूप गंगा दशहरा का पर्व भव्यता के साथ मनाये जाने की तौयारी की गई है। यहां ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचकर अपनी धार्मिक परंपरा का निर्वहन करते है। ग्रामीण क्षेत्र के महिला, पुरुषों के दशहरा पर्व पर गाए जाने वाले परंपरागत गीतों से तालाब परिसर गुंजायमान रहता है। नगर के दुलही तालाब में विगत ४ वर्षों से सरोवर धरोहर सुरक्षा समिति के द्वारा नगर पालिका एवं जनसहयोग से यह भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन में शहर सहित आसपास क्षेत्र के बड़ी संख्या में लोग पहुंचकर गंगा पूजन आरती में शामिल होते हैं। मान्यता है कि भागीरथ की तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान महादेव की जटाओं में विराजी मां गंगा इसी दिन पृथ्वी पर अवतरित हुई थीं और भगीरथ के पूर्वजों को मोक्ष प्रदान किया था। तभी से इस दिन को गंगा दशहरा के रूप में मनाया जाता है। आज ५ जून गुरुवार को गंगा दशहरा का पर्व मनाया जाएगा। इस दिन ५ बजे से दुलही तालाब परिसर में भजन संध्या का आयोजन होगा। ततपश्चात सायं ७ बजे मां गंगा पूजन व महाआरती होगी। पंडित राजेश दुबे बबलू महाराज व उनकी टीम द्वारा संगीतमय वातावरण में धार्मिक मंत्रोच्चारण के बीच गंगा पूजन व महाआरती का कार्यक्रम सम्पन्न कराया जाएगा। आयोजन के लिए दुलही तालाब के तट को नाम के अनुरूप रंगबिरंगी रोशनी से दुल्हन की तरह सजाया गया है। जहाँ आज धार्मिक वातावरण जे बीच गंगा आरती का भव्य आयोजन होगा।

0 आँटे के दीयों से जगमगाएगा दुलही तालाब का तट

आयोजन के दौरान स्वच्छता का ध्यान रखते हुए विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी तालाब परिसर में आटे से निर्मित दीये जलाने का निर्णय लिया गया है। धार्मिकता के साथ दुलही तालाब रंग-बिरंगी मछलियों के लिए भी जाना जाता है। यहां बड़े पैमाने पर मछलियां हैं जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग मछलियों को दाना देकर अपनी धार्मिक परंपरा का निर्वहन भी करते हैं। तालाब परिसर की स्वच्छता व मछलियों को ध्यान में रखते हुए तालाब परिसर में आटे का दीया जलाने का निर्णय आयोजन समिति द्वारा लिया गया है। ताकि आयोजन के बाद दीयों का उपयोग मछलियों के भोजन के रूप में हो सके और परिसर भी स्वच्छ रहे। इसके लिए सभी से अपील की गई है कि आयोजन के दौरान प्रज्वलित किये जाने वाले दीयों को घर पर आटे से निर्मित करके ही लाएं।

1 लाख के 26 टन कबाड़ के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। डीआईजी व एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने अवैध कारोबार पर पूर्णतः अंकुश लगाने के सख्त निर्देश जिले के थाना चौकी प्रभारियों को दिए है। सोमवार को थाना प्रतापपुर पुलिस ने अवैध कबाड़ पर कार्यवाही करते हुए एक लाख रुपए कीमत के २६ टन कबाड़ व परिवहन में प्रयुक्त पिकअप वाहन जप्त कर १ व्यक्ति को गिरफ्तार किया है ।प्रतापपुर पुलिस को मुखबीर से सूचना प्राप्त हुआ कि ग्राम सौंतार में दीपू साव अपने पिकअप वाहन क्रमांक बीआर २६ जीसी १६४३ में अवैध कबाड़ लोड कर बिक्री हेतु ले जाने के लिए किराये के मकान के बाहर खड़ा किया है। प्राप्त सूचना पर पुलिस टीम कार्यवाही हेतु मौके पर पहुंची जहां अवैध कबाड़ लोड पिकअप मिलने पर दीपू साव पिता बिरझू साव उम्र ४० वर्ष ग्राम भरूब थाना ओबरा जिला औरंगाबाद बिहार वर्तमान पता ग्राम सौंतार थाना प्रतापपुर से कबाड़ संबंधी दस्तावेज की मांग किए जाने पर कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया जो कबाड़ चोरी का होने की पूर्ण अंदेशा पर धारा ३५(१-व्ही) बीएनएसएस/३०३ बीएनएस के तहत कार्यवाही कर २६ टन कबाड़ कीमत १ लाख रुपए एवं पिकअप वाहन जप्त कर आरोपी दीपू साव को गिरफ्तार किया गया। कार्यवाही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो व एसडीओपी प्रतापपुर सौरभ उईके के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी प्रतापपुर अमित कौशिक, एसआई संदीप सिंह, प्रधान आरक्षक रविशंकर चौबे, आरक्षक राजेश तिवारी, अवधेश कुशवाहा, नवीन बेक व भीमेश आर्मो सक्रिय रहे।

ट्रेन से कट कर अधेड़ की मौत

रामानुजनगर (अम्बिकावाणी समाचार)। ग्राम दवना में ५५ वर्षीय बहादुर सिंह पिता तिलक राम का ट्रेन से कट कर मौत हो गई दुर्गा प्रसाद सिंह ने थाना में सूचना दे कर बताया कि पिता बहादुर सिंह सोमवार के सुबह लगभग ४ बजे घर से शौच के लिए निकला था जो वापस नहीं आया उसे खोजने के लिए गए तो आदमी देख कर इधर उधर भागता था इसका दिमागी हालत ठीक नहीं था बुधवार के सुबह खबर मिला कि रेलवे लाइन खंभा ३७/१२ के पास ट्रेन से कट कर मौत हो गई है परिजन वहां जा कर देखे कि बहादुर सिंह कि मौत हो चुकी थी ट्रेन से पैर कट गया था सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम कर पीएम के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया है।

दाई-बबा दिवस पर बुजुर्गो का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। कलेक्टर एस जयवर्धन के निर्देशन में आमजन के बेहतर स्वास्थ्य हेतु तथा बुजुर्गों के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने हेतु उनके बेहतर स्वास्थ्य लाभ के उद्देश्य से आज से प्रत्येक बुधवार को आयोजन किये जाने वाले हेल्थ मेला में च्च्दाई-बबा दिवसज्ज का आयोजन जिला के सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में व्यापक स्तर पर किया गया है। आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में पहुंचे हुए बुजुर्गों का बीपी, शुगर जांच, मोतियाबिंद व हड्डियों की जांच व मानसिक स्वास्थ्य परीक्षण व साथ में वय वंदन कार्ड बनाया गया। उनके साथ पहुंचे लोगों को योग के महत्व के बारे में जानकारी प्रदान किया गया।

अतिशेष शिक्षकों की काउंसलिंग हुई पूरी, 554 शिक्षकों को मिली नई पोस्टिंग

सूरजपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। राज्य शासन के दिशा निर्देश के परिपालन मे युक्तियुक्तीकरण २०२५ अंर्तगत अतिशेष की श्रेणी में आने वाले शिक्षकों के लिए शिक्षा विभाग द्वारा युक्तियुक्तकरण हेतु काउंसिलिंग का आयोजन ०१ जून से ०३ जून तक, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिश्रामपुर में निर्धारित किया गया था। जिसमें अतिशेष की श्रेणी में आने वाले सहायक शिक्षक, प्रधान पाठक प्राथमिक शाला व पूर्व माध्यमिक शाला, शिक्षक और व्याख्याताओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और पारदर्शी व शांतिपूर्ण वातावरण में काउंसलिंग प्रक्रिया सम्पन्न हुई। जिसमें ५५४ शिक्षकों को काउन्सिलिंग उपरांत पदस्थापना आदेश जारी किया गया।इस अवसर पर कलेक्टर एस.जयवर्धन द्वारा युक्तियुक्तकरण काउंसलिंग प्रक्रिया पश्चात नई पोस्टिंग प्राप्त शिक्षकों को पदस्थापना आदेश पत्र प्रदाय किया गया।

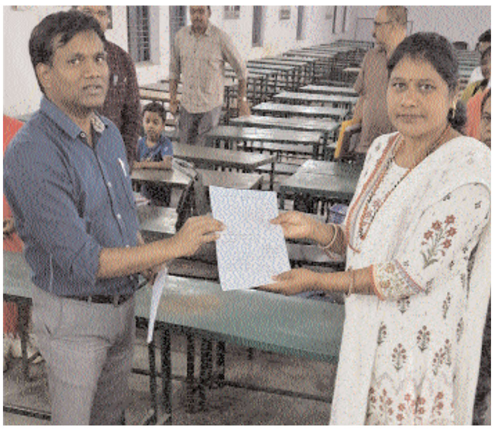

सलमान खुर्शीद के समर्थन में उतरे भाजपा नेता, केशव प्रसाद बोले- 'पहले देश है, बाद में पार्टी

लखनऊ ,04 जून(ए)। कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद के 'क्या देशभक्त होना इतना मुश्किल है' वाले बयान पर बयानबाजी तेज हो गई है। हालांकि, सलमान खुर्शीद को उनके बयान के लिए भाजपा नेताओं का समर्थन मिला है। यूपी के डिप्टी सीएम और भाजपा नेता केशव प्रसाद मौर्य ने उनके बयान को सही ठहराया और कहा कि खडगे और राहुल गांधी को समझना चाहिए कि पहले देश है।
यूपी के डिप्टी सीएम ने मंगलवार को मीडिया से बात करते हुए कहा, अगर सलमान खुर्शीद ने ऐसा कहा है, तो वह धन्यवाद के पात्र हैं। राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खडगे और अन्य कांग्रेस नेता जो पाकिस्तान का पक्ष लेते दिखते हैं, उन्हें भी उनकी (सलमान खुर्शीद) बातें सुननी चाहिए कि देश पहले आता है, व्यक्ति या राजनीतिक दल नहीं। सांसदों के प्रतिनिधिमंडल ने जिस तरह से दुनिया भर में जाकर भारत का पक्ष रखा है, उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आतंकवाद की फैक्ट्री चलाने वाले पाकिस्तान की पोल खोलने का काम किया है, मैं उन सभी सांसदों का अभिनंदन करता हूं। भाजपा-एनडीए सरकार के 11 साल पूरे होने पर केशव प्रसाद मौर्य ने कहा, यह हम सभी के लिए सौभाग्य की बात है कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अगर 2014 में सरकार बनाने का अवसर नहीं मिलता तो हम 2017 में उत्तर प्रदेश में विजय की यात्रा शुरू नहीं कर पाते। पूरे देश में धीरे-धीरे सभी राज्यों में डबल इंजन की सरकार स्थापित हो रही है। 2014 से 2025 के बीच भारत ने बहुत प्रगति की है। मुझे उम्मीद है कि भारत हर एक क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ता रहेगा। अब भारत, दुनिया की चौथी अर्थव्यवस्था बन गया है और पहली अर्थव्यवस्था बनाने के लिए हमारा प्रयास जारी रहेगा। उम्मीद है कि भारत को दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनाने का संकल्प तीसरे कार्यकाल में पूरा होगा। यूपी सरकार में कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल ने सलमान खुर्शीद के बयान का बचाव किया। उन्होंने आईएएनएस से खास बातचीत में कहा, हर देशभक्त देश के साथ है और मैं सिर्फ इतना ही कहूंगा कि हमारी सेना ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पराक्रम दिखाने का काम किया। कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद द्वारा जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 को हटाए जाने की प्रशंसा करने पर मंत्री संजय निषाद ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, अच्छे लोग अच्छा काम करते हैं और स्वाभाविक रूप से उनकी विचारधारा भी अच्छी होती है। यही राष्ट्रवाद है। देश में सभी को एकजुट रहना चाहिए और राष्ट्र सबसे ऊपर होता है। जाति, धर्म और राजनीति दूसरे नंबर पर होती है। राष्ट्र रहेगा तो तभी राजनीति भी रहेगी। मैं उन्हें (सलमान खुर्शीद) धन्यवाद देता हूं। मंत्री आशीष पटेल ने केंद्र में भाजपा-एनडीए सरकार के 11 साल पूरे होने पर कहा, प्रधानमंत्री के गौरवपूर्ण नेतृत्व में एनडीए सरकार ने सामाजिक न्याय के क्षेत्र में या समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए विभिन्न योजनाओं को शुरू करने में कई महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। 11 साल पूरे होने के अवसर पर मैं अपनी पार्टी की ओर से प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली सरकार को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। यूपी सरकार में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने केंद्र में एनडीए सरकार के 11 साल पूरे होने पर बधाई दी। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी सरकार के 11 साल पूरे कर लिए हैं। इस दौरान सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की गई हैं। चाहे गरीबों के लिए पक्के मकानों का निर्माण हो या उनके घरों के अंदर शौचालयों की व्यवस्था, गांवों को जोड ? वाली अच्छी सड़कों का विकास हो या देशभर में राजमार्गों, राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेसवे का व्यापक नेटवर्क हो। पिछले 11 सालों में कनेक्टिविटी में काफी सुधार हुआ है।
भाजपा-एनडीए सरकार के केंद्र में 11 साल पूरे होने पर मंत्री एके शर्मा ने कहा, मैं प्रधानमंत्री को उनके सफल कार्यकाल के लिए हार्दिक बधाई देता हूं। इन 11 वर्षों में जो प्रगति हुई है, वह शायद पिछले 110 वर्षों में नहीं हुई होगी।